म्यूचुअल फंड उद्योग पर निवेश की बारिश - 12

ऑपरेशन सिंदूर अब भारत की नई नीति का आधार- 3

यूएन ने टीआरएफ और पाकिस्तान के आतंकी संबंधों का किया पर्दाफाश - 13

भारत के सामने श्रृंखला बराबर करने का लक्ष्य - 14

आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.30
सूर्यास्त 06.54

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष सप्तमी 04:58 तक उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 31 जुलाई 2025, वर्ष 35, अंक 185, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

लखनऊ महानगर की खबरों का पुलआउट अखबार अंदर के पन्नों पर...।

ब्रीफ न्यूज

आईएएस रिंकू सिंह का तबादला

लखनऊ। कान पकड़ कर उठक-बैठक लगाना आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही को भारी पड़ा है। शाहजहांपुर में एसडीएम पुवायां पद पर ज्वाइन करने के 36 घंटे बाद ही उनका स्थानांतरण कर दिया गया। शासन ने बुधवार को उनको राजस्व परिषद (लखनऊ) से संबद्ध कर दिया। दरअसल रिंकू सिंह राही ने 28 जुलाई को पदभार ग्रहण किया था। 29 जुलाई को वह ड्यूटी पर आए तो एक वकील के मुंशी को दीवार के पास लघुशंका करते देख उससे उठक-बैठक लगवा दी। जब वह तहसील परिसर का निरीक्षण करते हुए वकीलों के पास पहुंचे तो उन्हें समस्या बताई गई कि तहसील परिसर में बने शौचालय गंदे हैं, ऐसे में मजबूरन खुले में लघुशंका करते हैं। इस पर एसडीएम ने कहा था कि तहसील के बड़े अधिकारी होने के नाते वह सफाई ठीक से न होने की जिम्मेदारी लेते हैं। इसके बाद एसडीएम ने वकीलों के सामने कान पकड़कर उठक-बैठक की, जिसका वीडियो वायरल हो गया।

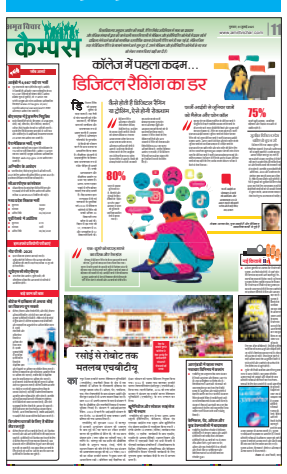

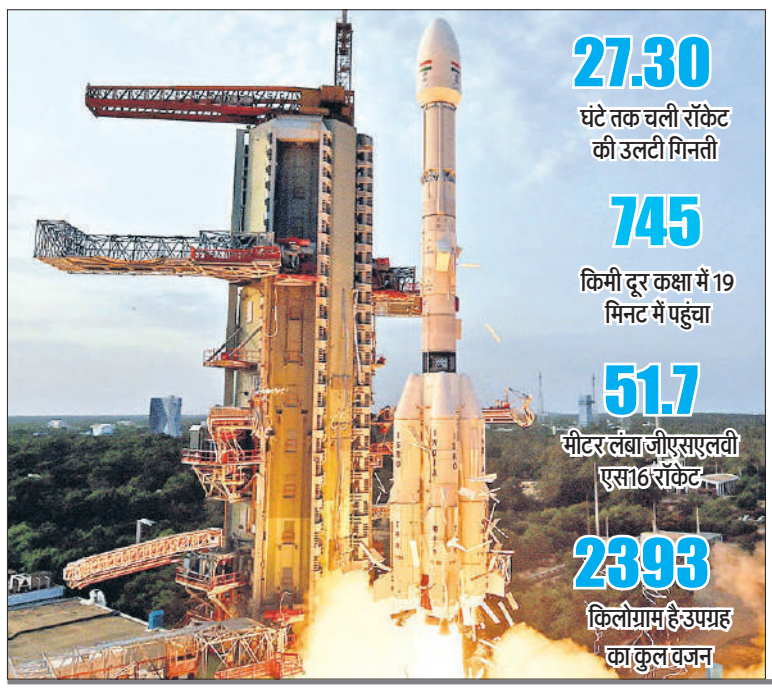

अंदर देखें... कैंपस

कक्षा में पहुंचा निसार, धरती पर रखेगा नजर

- लांचिंग के साथ भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग की उड़ान शुरू
- इसरो और नासा ने मिलकर किया उपग्रह का विकास

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के बीच साझेदारी के तहत बुधवार को जीएसएलवी रॉकेट से 'निसार' उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया गया।

'निसार' पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इसरो के जीएसएलवी एफ-16 ने लगभग 19 मिनट की उड़ान के बाद और लगभग 745 किलोमीटर की दूरी पर निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) उपग्रह को सूर्य तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित कर दिया। इसरो के मुताबिक निसार को अंतरिक्ष में ले जाने वाले जीएसएलवी-एस16 रॉकेट की लंबाई 51.7 मीटर है। जीएसएलवी एफ-16 रॉकेट ने 27.30 घंटे की उलटी गिनती के बाद 2,393 किलोग्राम वजनी उपग्रह को लेकर चेन्नई से लगभग 135 किलोमीटर पूर्व में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। रॉकेट से अलग होने के बाद, वैज्ञानिक उपग्रह को संचालित करने का काम शुरू करेंगे, उसे स्थापित करने और मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने में कई दिन लगेंगे। इसरो के अनुसार, एस-बैंड रडार प्रणाली, डेटा हैंडलिंग और हाई-स्पीड डाउनलिंक प्रणाली, अंतरिक्ष यान और प्रक्षेपण प्रणाली भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा विकसित की गई हैं। इसरो उपग्रह की कमान और संचालन के लिए जिम्मेदार है।

पांच साल तक देगा पृथ्वी पर बदलाव की जानकारी

निसार मिशन को प्राप्त तस्वीरों को डाउनलोड करने के लिए इसरो और नासा दोनों के जमीनी केंद्र से सहायता मिलेगी, जिन्हें आवश्यक प्रसंस्करण के बाद उपयोगकर्ता तक प्रसारित किया जाएगा। इस दौरान एक ही प्लेटफॉर्म से एस-बैंड और एल-बैंडआर के माध्यम से प्राप्त डेटा से वैज्ञानिकों को पृथ्वी पर हो रहे परिवर्तनों को समझने में मदद मिलेगी। मिशन का उद्देश्य अमेरिका और भारत के वैज्ञानिक समुदायों के साझा हित के क्षेत्रों में भूमि और हिमनद की गतिविधियों, भूमि पारिस्थितिकी तंत्र और महासागरीय क्षेत्रों का अध्ययन करना है। 'निसार' का मिशन जीवनकाल पांच वर्ष है। नासा ने कहा कि 'निसार' मिशन से प्राप्त डेटा सरकारों और निर्णयकर्ताओं को प्राकृतिक और मानव-जनित खतरों के लिए योजना बनाने में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेगा। 'निसार' खतरों की निगरानी के प्रयासों में मदद कर सकता है और संभावित रूप से निर्णयकर्ताओं को संभावित आपदा के लिए तैयारी करने के लिए अधिक समय दे सकता है।

अमेरिका ने भारत पर लगाया 25 प्रतिशत टैरिफ, कल से प्रभावी

रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल आयात करने पर अतिरिक्त जुर्माना भी लगाएगा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर दोनों देशों के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेतों के बीच बुधवार को भारत पर एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। इसके अलावा, ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने का भी फैसला किया। यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय में की गई है जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा। इस घोषणा को भारत पर अमेरिका की मांगों को मानने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसने हाल ही में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ अनुकूल व्यापार समझौते किए हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में भारत की व्यापार नीतियों को 'सबसे कठिन और अप्रिय' बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से खरीद को लेकर 'जुर्माना' भी देना होगा। यह जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि भारत ने रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की बड़ी खरीद की है।

ट्रंप ने की घोषणा

रूस से भारत का कच्चा तेल आयात रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले कुल खरीद का 0.2 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 35-40 प्रतिशत हो गया है। चीन के बाद, रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार भारत है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में भारत को अपना 'मित्र' बताया। उन्होंने कहा कि भारत हमारा मित्र है, लेकिन हमने पिछले कई वर्षों में उनके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके शुल्क बहुत अधिक हैं, जो दुनिया में 'सबसे अधिक' हैं। उनके पास 'सबसे कठोर और अप्रिय' गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारत ने रूस से अपने सैन्य उपकरण और ऊर्जा उत्पाद तब खरीदे है जब हर कोई चाहता है कि रूस, यूक्रेन में हत्याएं बंद करे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि 25 प्रतिशत का शुल्क मौजूदा 10 प्रतिशत के मूल शुल्क के अतिरिक्त होगा या नहीं। वर्तमान में 10 प्रतिशत शुल्क अधिकांश भारतीय वस्तुओं पर लागू है।

ट्रंप ने शुल्क के पीछे ब्रिक्स और घाटे का दिया हवाला

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने को लेकर बुधवार को ब्रिक्स समूह व नई दिल्ली के साथ 'भारी' व्यापार घाटे का हवाला दिया और कहा कि अमेरिका इस समय भारत के साथ बातचीत कर रहा है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि हम अभी बातचीत कर रहे हैं और इसमें ब्रिक्स का मसला भी शामिल है। कहा कि आप जानते हैं, ब्रिक्स मूलत: अमेरिका विरोधी देशों का एक समूह है और भारत इसका सदस्य है। यह अमेरिकी मुद्रा पर हमला है और हम किसी को भी ऐसा नहीं करने देंगे। ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय आंशिक रूप से 'ब्रिक्स' की वजह से लिया गया है और इसमें कुछ हद तक घाटे की भूमिका है। हमें बहुत बड़ा घाटा हुआ है।

शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रही है सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय उत्पादों पर एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा के प्रभाव का अध्ययन कर रही है। सरकार का कहना है कि वह अब भी एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के प्रति आशावान है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सरकार देश के राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी, जैसा कि ब्रिटेन के साथ हुए हालिया समझौते सहित अन्य व्यापार समझौतों के मामले में किया गया है। कहा गया कि सरकार ने द्विपक्षीय व्यापार को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर ध्यान दिया है। सरकार इसके प्रभाव का अध्ययन कर रही है। भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं।

एएसपी की पत्नी का फंदे पर लटका मिला शव

- पुलिस लाइन के ट्रांजिट हॉस्टल की घटना, मृतका के पिता पूर्व विधायक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पुलिस लाइन ट्रांजिट हॉस्टल में बुधवार को सीआईडी में तैनात एएसपी मुकेश प्रताप सिंह (2005 बैच पीपीएस) की पत्नी नीतेश सिंह (38) का शव कमरे में दुपट्टे से लटका मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नीतेश सिंह

मूल रूप से इटावा के अजीतनगर निवासी एडिशनल एसपी मुकेश प्रताप सिंह दो माह पहले ही बरेली से ट्रांसफर होकर लखनऊ आए थे। इसके पहले वह बरेली में एएसपी ट्रैफिक थे। पत्नी नीतेश और तीन बच्चों के साथ पुलिस लाइन के ट्रांजिट हॉस्टल में रह रहे थे। बुधवार को एएसपी मुकेश ड्यूटी पर थे। बड़ा बेटा अपनी बुआ के घर गया था। डेढ़ साल का बेटा कमरे में था, जबकि 12 साल की बेटी अनन्या दूसरे रूम में पढ़ रही थी। शाम करीब चार बजे अनन्या कमरे से बाहर निकली तो मां नीतेश ने पंखे में बंधे दुपट्टे के सहारे लटका देखा। यह देख वह चींख पड़ी। उसने पिता को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मुकेश प्रताप सिंह और महानगर पुलिस भी पहुंच गई। नीतेश को फंदे से उतारा। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मौत की पुष्टि कर दी। मौके पर जेसीपी (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार, डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव, एडीसीपी ममता रानी समेत अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण किया। उधर, जानकारी मिलते ही नीतेश के पिता राकेश प्रताप सिंह उर्फ राकेश बाबू और भाई प्रमोद कुमार रात में पहुंचे। प्रमोद कुमार ने बताया कि वह फिरोजाबाद ने नगला करण के रहने वाले हैं। पिता बसपा से वर्ष 2007 से 2017 तक विधायक रहे हैं। प्रमोद का आरोप है कि मुकेश की एक महिला से नजदीकियां थीं। इसको लेकर आए दिन पति पत्नी में विवाद होता था। नीतेश को परेशान करने के लिए मुकेश ने पूरे घर में सीसीटीवी कैमरा लगा रखा था। एडीसीपी ममता रानी के मुताबिक नितेश डिप्रेशन में थीं। उनका काफी समय से इलाज भी चल रहा था। सीसीटीवी कैमरे में नीतेश फंदा लगाते नजर आई हैं। पूरी घटना कैमरे में कैद है। मामले की छानबीन की जा रही है।

रूस में 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

रूस के पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की में भूकंप से क्षतिग्रस्त एक स्कूल की इमारत।

- जापान और अमेरिका में भी उठीं सुनामी की लहरें

तोक्यो, एजेंसी

रूस के सुदूर पूर्व में बुधवार तड़के आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के कारण जापान, अमेरिका के हवाई और प्रशांत महासागर में सुनामी की लहरें उठीं। यह भूकंप मार्च 2011 के बाद दुनिया में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप प्रतीत होता है।

सुनामी के कारण अभी तक कोई बड़ा नुकसान होने की खबर नहीं है, लेकिन प्राधिकारियों ने लोगों को तटरेखाओं से दूर रहने की चेतावनी देते हुए कहा है कि खतरा एक दिन से अधिक समय तक रह सकता है। रूस में कामचटका प्रायद्वीप पर 8.8 तीव्रता वाले भूकंप के केंद्र के पास स्थित बंदरगाहों में पानी भर गया जिससे निवासियों को सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा। हवाई प्रांत की राजधानी में सड़कों और राजमार्गों पर जाम लग गया। जापान के प्रभावित इलाकों में लोगों को बचाव केंद्रों में स्थानांतरित किया गया।

इस भूकंप ने 2011 में आए भूकंप और सुनामी की यादें ताजा कर दी। जापान में लगभग 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए जाने की सलाह दी गई है। मार्च 2011 में उत्तर-पूर्वी जापान में आए भूकंप की तीव्रता 9.0 मापी गई थी और इसके कारण भीषण सुनामी आई थी। रूसी प्राधिकारियों ने बताया कि कामचटका प्रायद्वीप पर आए भूकंप के कारण कई लोग घायल हुए हैं, लेकिन उन्होंने कोई संख्या नहीं बताई। जापान में एक व्यक्ति घायल हुआ है। रूस में कुछ ईमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं।

सैन्य वाहन पर गिरा पत्थर, लेफ्टिनेंट कर्नल सहित दो शहीद और तीन अधिकारी घायल

- पूर्वी लद्दाख में हादसा, घायल तीनों अधिकारी अस्पताल में भर्ती

लेह, एजेंसी

पूर्वी लद्दाख के एक सुदूर इलाके में बुधवार को सेना के एक वाहन पर एक बड़ा पत्थर गिरने से एक लेफ्टिनेंट कर्नल समेत दो सैन्यकर्मी शहीद हो गए और तीन अधिकारी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह वाहन एक काफिले का हिस्सा था। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना यहां से करीब 200 किलोमीटर दूर

गलवान में दुरबुक के पास चारबाग में सुबह करीब 11:30 बजे हुई। सेना ने मृतकों की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल भानु प्रताप सिंह मनकोटिया और लांस दफादार दलजीत सिंह (14 सिंध हॉर्स) के रूप में की है। इसमें कहा गया है कि मेजर मयंक शुभम (14 सिंध हॉर्स), मेजर अमित दीक्षित और कैप्टन गौरव (60 आर्मड) को चोटें आई हैं। काफिला दुरबुक से चोंगताश प्रशिक्षण के लिए जा रहा था। पत्थर के प्रभाव से वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायल हुए तीनों अधिकारियों का इलाज किया जा रहा है।

गोली लगने से चकबंदी विभाग के बाबू की मौत

- परिजन ने लगाया हत्या का आरोप, बरामद हुआ सुसाइड नोट

संवाददाता, गोसाईंगंज

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश चकबंदी निदेशालय मिनिस्ट्रियल कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष व चकबंदी मुख्यालय में तैनात बाबू राजकुमार सिंह (52) का शव बुधवार शाम शहीद पथ स्थित उनके प्लॉट के कमरे में मिला। राजकुमार के सिर में गोली लगी थी और हाथ में रिवाल्वर था। सूचना मिलते ही डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे। परिजन ने हत्या का आरोप लगाया है। सूचना पर पूर्व धनंजय सिंह, पूर्व राज्यमंत्री राणा अजीत सिंह सहित कई नेता पहुंचे। सुसाइड नोट में राजकुमार ने खुद को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है।

मूल रूप से निगोहां के करनपुर निवासी राजकुमार आशियाना सेक्टर-जे में रहते थे। भाई पंकज सिंह ने बताया कि बुधवार करीब एक बजे राजकुमार शहीद पथ स्थित विंड क्लब के सामने अपने प्लॉट पर पहुंचे। उन्होंने चालक को कार में ही रोक दिया और खुद प्लॉट में बने कमरे में आराम करने की बात कहकर चले गए। करीब पांच बजे चालक केशव राम ने राजकुमार को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। कुछ देर बाद वह कमरे में पहुंचा तो राजकुमार सिंह का खून से लथपथ शव पड़ा था। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया राजकुमार सिंह की मौत आत्महत्या लग रही है।

ईंधन अधिभार बढ़ा 0.24 प्रतिशत महंगी होगी बिजली

लखनऊ। प्रदेश में अगले माह बिजली के दाम में 0.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने ईंधन अधिभार शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। इसे लागू करने का आदेश भी जारी कर दिया है।

इस वृद्धि से अगस्त माह में कॉरपोरेशन कुल लगभग 22.63 करोड़ का राजस्व वसूल होगा। कॉरपोरेशन ने पिछले माह भी बिजली के दाम में ईंधन भार अधिभार शुल्क के तौर पर 1.97 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। पिछले कई महीनों से कॉरपोरेशन की ओर से ईंधर अधिभार शुल्क के तौर पर बढ़ोतरी की जा रही है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस वृद्धि का सख्त विरोध किया है।

आश्वासन | मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 की शुरुआत

हर युवा को मौका देंगे जिसके पास सपना है पर साधन नहीं

- बोले, युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बना रही सीएम युवा स्कीम
- 68 हजार उद्यमियों को मिली 2751 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हम उत्तर प्रदेश के हर उस युवा को अवसर देंगे जिसके पास सपना है पर साधन नहीं है। राजधानी में बुधवार को सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री बोले कि सीएम युवा स्कीम युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बना रही है। उन्होंने 68 हजार उद्यमियों को 2751 करोड़ की वित्तीय सहायता देने की बात भी साझा की।

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

योगी ने सीएम युवा योजना को प्रदेश के युवाओं के लिए स्वरोजगार से स्वावलंबन तक की यात्रा का माध्यम बताया। कहा कि अब तक इस योजना के अंतर्गत 68,000 से अधिक युवाओं को 2751 करोड़ रुपये का ब्याजमुक्त एवं गारंटी मुक्त लोन दिया गया है। योजना में 10 प्रतिशत मार्जिन मनी की सुविधा भी राज्य सरकार दे रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं में अनलिमिटेड पोटेंशियल है।

यूपी मार्ट की लांचिंग प्रदर्शनी का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने फ्रेंचाइजी व्यवसाय, बिजनेस ऑन व्हील्स व अन्य इनोवेटिव व्यवसायों के ब्रांड्स, मशीनरी की प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं मशीनरी सप्लायर्स पोर्टल यूपी मार्ट की लॉन्चिंग भी की। इस दौरान 17 एमओयू भी किए गए। यहां एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार, कई विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद रहे।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 31 जुलाई 2025

न्यूज ब्रीफ

नियामक आयोग भेजे निजीकरण निरस्त करने का प्रस्ताव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने कहा कि राज्य विद्युत नियामक आयोग ऊर्जा निगमों की निजीकरण प्रक्रिया निरस्त करने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे। उपभोक्ता परिषद की ओर से बुधवार को इस सिलसिले में याचिका दाखिल की गई। याचिका में कहा गया है कि पिछले दिनों ऊर्जा मंत्री ने निजीकरण से यह कहते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया कि निजीकरण का पूरा प्रस्ताव एनर्जी टास्क फोर्स तैयार कर रही है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने भी निजीकरण प्रक्रिया पर सवाल उठाये हैं, ऐसे में आम जनमानस की भावना के मद्देनजर इस प्रस्ताव को खारिज करने की सलाह सरकार को भेजना चाहिए।

चार दिन चलेगी उप्र. विधानमंडल के मानसून सत्र की कार्यवाही

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य विधानमंडल का मानसून सत्र 11 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। बुधवार को विधानसभा सचिवालय से जारी अधिसूचना के अनुसार 16 अगस्त तक निर्धारित छह दिवसीय सत्र में केवल चार दिन ही विधायी कार्य होंगे, जबकि शेष दो दिन स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और जन्माष्टमी (16 अगस्त) की छुट्टी के चलते कार्यवाही नहीं चलेगी। ऐसे में सत्र के दौरान 11 अगस्त से 14 अगस्त तक ही विधान सभा और विधान परिषद की कार्यवाही चलेगी। माना जा रहा है कि राज्य सरकार इस बार सत्र में कई आवश्यक विधेयक पेश कर सकती है। वहीं, विपक्ष सरकार को कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, महंगाई, गन्ना मूल्य भुगतान जैसे मुद्दों पर घेरने की तैयारी कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद सत्र के एजेंडे को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है।

नारंग के कार्यकाल के फैसलों की हो जांच

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने उत्तर प्रदेश कॉरपोरेशन में निदेशक वित्त रहे निधि कुमार नारंग के कार्यकाल में निजीकरण प्रक्रिया समेत अन्य फैसलों की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा है कि नारंग के कार्यकाल के निजीकरण संबंधी लिए गए सभी निर्णयों को तत्काल निरस्त किया जाय। संघर्ष समिति ने यह भी मांग की है कि टेंडर संबंधी सभी वित्तीय फैसलों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाय क्योंकि उनके कार्यकाल में निजीकरण को लेकर भारी घोटाला होने की आशंका है।

मुख्य सचिव मनोज सिंह को सेवा विस्तार मिलने की संभावना का आज अंतिम दिन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एसपी गोयल व देवेश चतुर्वेदी मुख्य सचिव बनने की रेस में आगे

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में मुख्य सचिव की कुर्सी पर मनोज कुमार सिंह को ही आगे मौका मिलने वाला है या कोई अन्य वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को कमान मिलेगी? इस गोपनीयता से पर्दा गुरुवार को उठ जाएगा। दरअसल, वर्तमान मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह का कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो रहा है।

इससे पहले राज्य सरकार ने उनके एक साल के सेवा विस्तार के लिए केंद्र सरकार को पत्र भेजा था, लेकिन अब तक केंद्र से कोई जवाब नहीं मिला है। ऐसे में सेवा विस्तार की संभावना को अब चंद घंटे और शेष हैं।

मुख्य सचिव मनोज सिंह को सेवा विस्तार नहीं मिलता, तो नए मुख्य सचिव के लिए तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के नाम चर्चा में हैं। इनमें 1989 बैच के एसपी गोयल, जो वर्तमान में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव हैं, सबसे आगे माने जा रहे हैं। इसके अलावा, 1989 बैच के देवेश चतुर्वेदी और 1990 बैच के दीपक कुमार भी दौड़ में शामिल हैं। गोयल को मुख्यमंत्री का भरोसेमंद होने के साथ काबिल अफसर माना जाता है, जबकि चतुर्वेदी केंद्र में सचिव के पद पर हैं।

सरकार के लिए कौन होगा उपयुक्त

वैसे, उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में नियुक्तियों को लेकर हमेशा से समीकरणों का खेल देखने को मिलता है। वरिष्ठता के साथ-साथ सरकार के साथ तालमेल, प्रशासनिक अनुभव और अन्य राजनीतिक कारणों की भी इन नियुक्तियों में खास भूमिका होती है। अब देखना यह होगा कि भविष्य में सरकार के वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के प्राथमिकता को मजबूत आधार देने में इनमें से कौन अफसर बेहतर प्रदर्शन कर सकेगा।

जरूरतमंद को आवास दिलाएंगे इलाज भी कराएंगे

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लगभग 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

गोरखपुर : गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुनतें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

जनप्रतिनिधियों के सुझावों को महत्व देती है सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ की संवाद बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सरकारी आवास में लखनऊ मण्डल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

- लखनऊ मंडल से 42,891 करोड़ रु. की अनुमानित लागत के 3,397 विकास प्रस्ताव मिले

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को सरकारी आवास पर लखनऊ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद बैठक हुई। बैठक में मंडल के जिलों- लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे 42 विधायकों एवं 5 विधान परिषद सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख नव प्रस्तावित परियोजनाओं, अधोसंरचनात्मक आवश्यकताओं एवं जन अपेक्षाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनप्रतिनिधियों के सुझावों को खास महत्व देती है। जनप्रतिनिधियों का क्षेत्रीय अनुभव एवं स्थानीय धरातल की गहन समझ शासन को योजनाओं के निर्धारण और प्रभावी क्रियान्वयन में नई दृष्टि प्रदान करती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त 3,397 विकास प्रस्तावों, जिनकी अनुमानित लागत 42,891 करोड़ रु. है, पर जनप्रतिनिधियों के सुझावों को गंभीरता से लिया जाए और इन परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध ढंग से पूरा कराया जाए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का भूमिपूजन एवं शिलान्यास 15 सितंबर के बाद जनप्रतिनिधियों से कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले की अपनी एक अलग पहचान है, जिसे सशक्त करते हुए विकास की योजनाओं का समायोजन किया जाना आवश्यक है। हरदोई में सत्य और तप की परंपरा गहराई तक रची-बसी है। रायबरेली साहित्य, स्वतंत्रता संग्राम और लोककला की नजर से भी समृद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नाव में विकासपरक परियोजनाओं को स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक चेतना के साथ जोड़ते हुए समेकित रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। योगी ने कहा कि नैमिषारण्य को केंद्र मानकर सीतापुर जिले की धार्मिक और आध्यात्मिक गरिमा अद्वितीय है। यह वह भूमि है जहां ऋषियों ने वेदों का श्रवण कराया। उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के कारण वैश्विक वन्यजीव मानचित्र पर स्थापित है। यहां की जैव विविधता, तराई की कृषि संपन्नता और थारू संस्कृति इसे विशिष्ट बनाती है।

सड़कों के निर्माण के साथ ब्लैक स्पॉट सुधारें

मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि हर विधानसभा क्षेत्र में जनहित से जुड़े विकास कार्यों की निरंतरता बनी रहनी चाहिए, जिससे पिक एंड चूज की संभावना न्यूनतम रहेगी। वहीं, लोक निर्माण विभाग के निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सड़क, दीर्घ सेतु, लघु सेतु, आरओबी/आरयूबी, धर्मार्थ की सड़कें, फ्लाईओवर निर्माण से संबंधित प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए वरीयताक्रम के आधार पर त्वरित काम किया जाए। साथ ही सड़कों का निर्माण और ब्लैक स्पॉट सुधार के कार्य को शत प्रतिशत पूरा कराएं।

निवेशकों की सुविधा के लिए हिंदी में भी होंगे सरकारी फॉर्म

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में ईओडीबी की समीक्षा में सेवाओं के सरलीकरण पर जोर

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में निवेशकों की सुविधा के लिए अब विभागीय फॉर्म अंग्रेजी भाषा के अलावा हिंदी भाषा में भी उपलब्ध होंगे। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने निवेश संबधी कागजी सरकारी औपचारिकताओं को अधिक सरल और द्विभाषी (हिंदी एवं अंग्रेजी) स्वरूप में उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि इससे निवेशकों को प्रक्रिया समझने में आसानी होगी और राज्य में निवेश के अनुभव को बेहतर किया जा सकेगा।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में लोकभवन में बुधवार को उत्तर प्रदेश में व्यापार में सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को और अधिक सरल एवं निवेशकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय द्वारा गठित टास्क फोर्स की भागीदारी रही, जिसका नेतृत्व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव सुश्री मीता राजीवलोचन ने किया। उनके साथ कैबिनेट सचिवालय के अपर सचिव राहुल शर्मा, डीपीआईआईटी और नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव मीता राजीव लोचन ने खास सुझाव साझा किए, जिनमें डीआईवाई (डू-इट-योरसेल्फ) वीडियो गाइड्स तैयार करना, विभिन्न क्षेत्रों में आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करना, एक प्रतिक्रियाशील कॉल सेंटर की स्थापना और समस्याओं की ट्रैकिंग के माध्यम से सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना शामिल था।

11 जिलों में बढ़ाई जाएंगी फाइलेरिया उन्मूलन जन जागरूकता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के 27 जिलों में चलेगा सर्वजन देवा सेवन (एमडीए) अभियान

अमृत विचार : फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में प्रदेश के 11 जिलों के सामुदायिक रेडियो स्टेशन जन जागरुकता बढ़ाएंगे। यह प्रतिबद्धता बुधवार को संपन्न हुई संवेदीकरण कार्यशाला में सामुदायिक रेडियो अधिकारियों और रेडियो जॉकी के अधिकारियों ने दोहराई है। आगामी 10 अगस्त से फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सर्वजन देवा सेवन (एमडीए) अभियान प्रदेश के 27 जिलों में शुरू होगा।

राज्य फाइलेरिया अधिकारी डॉ. एके चौधरी ने बताया कि 14 सामुदायिक रेडियो स्टेशन गोरखपुर, बस्ती, देवरिया, कुशीनगर, संतकबीर नगर, गोंडा, बहराइच, कानपुर नगर, कानपुर देहात, रायबरेली और सुल्तानपुर सहित विभिन्न जिलों में विशेष रूप से सूचना प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये स्टेशन समुदायों को इस बीमारी, इसकी रोकथाम और एमडीए अभियान में भागीदारी के महत्व के बारे में शिक्षित करेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष अगस्त 2024 में जहां 340 ब्लॉकों में फाइलेरिया रोधी दवाइयां दी गई थीं, वहीं इस वर्ष का एमडीए अभियान विशेष रूप से 195 ब्लॉकों को लक्षित करेगा।

रोबोटिक सर्जरी से कैंसर मरीजों को मिल रही जीवन के साथ शारीरिक सुंदरता की सुरक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- रोबोटिक तकनीक से डॉक्टर ने स्तन कैंसर व नेक की सफल सर्जरी की

अमृत विचार : अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में डॉक्टरों ने निप्पल-स्पेयरिंग ब्रेस्ट सर्जरी और आरआईए-एमआईएनडी (रोबोटिक इन्फ्राक्लेविकुलर अप्रोच फॉर मिनिमली इनवेसिव नेक डिसेक्शन) तकनीक से गर्दन की सफल सर्जरी की है।

हॉस्पिटल के एमडी डॉ. मयंक सोमानी ने कहा कि कैंसर मरीज

की सर्जरी के बाद की ज़िंदगी की गुणवत्ता को बेहतर बनाना भी अस्पताल का उद्देश्य है।

सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. सतीश के. आनंदन ने बुधवार को बताया कि लखनऊ की 60 वर्षीय महिला, जिन्हें दोनों स्तनों में कैंसर था। रोबोटिक तकनीक के जरिए हमने बगल के पास कुछ छोटे चीरे लगाकर अंदर से ही कैंसरग्रस्त ऊतक को हटा दिया और त्वचा व निपल को सुरक्षित रखा। ओरल कैंसर की रोबोटिक गर्दन सर्जरी करने वाले डॉ. अभिमन्यु कड़ापथ्री ने बताया कि आरआईए-एमआईएनडी तकनीक में हमने कॉलरबोन के नीचे छोटे चीरे लगाकर रोबोटिक इंस्ट्रूमेंट्स डाले और अंदर से लिम्फ नोड्स निकाल दिए। चेहरे या गर्दन पर कोई कट नहीं लगा। इस तकनीक से ओरल कैंसर का इलाज इस क्षेत्र में पहली बार किया गया है। सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि दो कोलोरेक्टल कैंसर मरीज़ों का इलाज रोबोटिक और लैप्रोस्कोपिक तकनीकों से किया।

तीसरी बार नहीं बढ़ा पावर कॉरपोरेशन के निदेशक वित्त निधि नारंग का कार्यकाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कॉरपोरेशन ने दिया था निजीकरण प्रक्रिया में लगे नारंग का कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव

अमृत विचार : राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के निदेशक वित्त निधि कुमार नारंग का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाने से साफ इनकार कर दिया है। इससे कॉरपोरेशन प्रबंधन को बड़ा झटका लगा है।

ऊर्जा निगमों की निजीकरण प्रक्रिया में निधि कुमार नारंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसको देखते हुए कॉरपोरेशन ने नारंग का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। प्रस्ताव में कार्यकाल को छह माह तक बढ़ाने या नये निदेशक वित्त के कार्यभार ग्रहण तक कार्यकाल बढ़ाने का अनुरोध किया गया था, पर शासन इससे इनकार कर दिया है। बुधवार को ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव राजकुमार की ओर से कॉरपोरेशन के अध्यक्ष को पत्र लिखा गया। कहा गया है कि शासन ने कार्यकाल बढ़ाने का औचित्य नहीं पाया। नारंग का कार्य विस्तार अब संभव नहीं है। निजीकरण का विरोध कर रहे बिजली कर्मियों ने नारंग का कार्यकाल बढ़ाने की प्रक्रिया का सख्त विरोध किया था।

बिजली कर्मियों ने लगाया नारंग पर आरोप

इस बीच, विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने अपर मुख्य सचिव ऊर्जा को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि कार्यकाल न बढ़ाये जाने का पत्र आने के बाद निदेशक वित्त नारंग ने तमाम गोपनीय दस्तावेज की फोटो कराई। इससे विभागीय गोपनीयता भंग होने की आशंका है। समिति ने इस पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि निजीकरण प्रक्रिया में निदेशक वित्त रहे नारंग को टेंडर मूल्यांकन समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। ऐसे में गोपनीय दस्तावेज 'लीक' होने की आशंका है।

ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल होंगी यूपी की वंचित जातियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने दिया आश्वासन

अमृत विचार : राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने ओबीसी की केंद्रीय सूची में प्रदेश की उन वंचित जातियों को शामिल किये जाने का आश्वासन दिया, जिन्हें प्रदेश की ओबीसी सूची के तहत आरक्षण मिल रहा है। आयोग के अध्यक्ष ने बुधवार को वीवीआईपी गेस्ट हाउस में पिछड़ा वर्ग विभाग व राज्य आयोग के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर रहे थे। बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं की समीक्षा और भविष्य की दिशा पर चर्चा हुई।

बैठक में अवगत कराया गया कि राज्य की पिछड़े वर्गों की सूची में शामिल कुछ जातियों, उपजातियों व उपनाम को अभी तक केंद्र सरकार की केंद्रीय सूची में शामिल नहीं किया गया है। इस पर राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि सभी बिंदुओं को दस्तावेज रूप में संकलित कर केंद्र सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से प्राप्त सुझावों को भी यथासमय क्रियान्वयन के लिए संज्ञान में लिया जाएगा। बैठक में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार पिछड़ा वर्ग समाज के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है।

नर्सिंग शिक्षकों को शैक्षिक योग्यता पर मिलेगी पदोन्नति

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों को अनुमन्य पदोन्नति मिलेगी, इसके लिए यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी ने इंडियन नर्सिंग काउंसिल के निर्देशों का हवाला देते हुए कॉलेज प्रधानाचार्य एवं प्रबन्धकों को निर्देश जारी किए हैं। स्टेट मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि अमूमन सभी कॉलेजों में अनुपालन हो रहा है, बावजूद तकनीकी कारणों से किसी शिक्षक को प्रमोशन नहीं मिला है, उसके लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात करते प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

फसल बीमा योजना 15 दिन और बढ़ाए केंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से प्रदेश के किसानों के लिए पीएम फसल बीमा योजना 15 दिन और बढ़ाए जाने की मांग की है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और मांग को लेकर अनुरोध पत्र सौंपा। कृषि मंत्री ने 31 जुलाई को खत्म हो रही बीमा योजना के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि प्रदेश में अभी काफी किसान हैं, जो बीमा योजना का लाभ नहीं उठा सके हैं। राज्य में कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हुई है। 23 से अधिक जिलों में अत्याधिक वर्षा व आठ जिलों में कम वर्षा हुई है। इस कारण काफी किसान बीमा कराये जाने से वंचित हैं। केंद्रीय मंत्री ने इस सिलसिले में सकरात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

सुविधा

इस प्लेटफॉर्म से आत्मनिर्भर बन रहे हजारों कामगार, पोर्टल पर हुई 39,857 सेवा बुकिंग

'सेवामित्र पोर्टल' से घर बैठे मिल रही कई सेवाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार में सेवायोजन विभाग द्वारा विकसित सेवामित्र पोर्टल प्रदेश में हजारों कुशल कामगारों के लिए रोजगार का सशक्त जरिया बन चुका है। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़कर हजारों कामगार आत्मनिर्भर बन रहे हैं, वहीं आम जनमानस को घर बैठे दैनिक घरेलू सेवाएं मिल रहीं हैं। जून 2025 तक सेवामित्र पोर्टल पर आम जनमानस द्वारा कुल 39,857 सेवा बुकिंग की जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शुरू हुए सेवामित्र पोर्टल के माध्यम से उत्तर प्रदेश 'आत्मनिर्भर प्रदेश' बन रहा है। राज्य के नागरिक इस सुविधा को तेजी से अपना रहे हैं, इससे उन्हें प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, मैकेनिक, एसी तकनीशियन, बढ़ई, धोबी आदि जैसी दैनिक घरेलू सेवाएं घर बैठे उपलब्ध हो रहीं हैं। दूसरी तरफ कुशल कामगारों को उनके घर के नजदीक ही काम मिल रहा है, उन्हें जीविकोपार्जन के लिए दूसरे शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ रहा है। साथ ही, सेवामित्र हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 155330 पर 38,49,028 कॉल्स रिसीव की गईं।

डिजिटल आधार से कामगारों को मिला आर्थिक लाभ

योगी सरकार का यह पोर्टल योजना केवल उपभोक्ताओं के लिए ही नहीं, बल्कि कामगारों के लिए भी आर्थिक रूप से लाभकारी सिद्ध हो रही है। वर्तमान समय में 52,349 कुशल कामगार इस पोर्टल पर पंजीकृत हैं। जो तकनीकी या व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपने क्षेत्र में काम करना चाहते थे। सेवामित्र योजना ने उन्हें न केवल काम दिलाया, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता भी दी।

जनता को मिल रही सुविधा

पोर्टल पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी है। उपभोक्ता पोर्टल या मोबाइल ऐप के जरिए अपनी ज़रूरत की सेवा बुक कर सकते हैं और उसी के अनुसार निकटतम पंजीकृत सेवा प्रदाता को कार्य आवंटित होता है। मालूम हो कि इस पोर्टल को भविष्य में और भी सेवाओं से जोड़ने के लिए हर जिले और नगर निकाय तक इसका विस्तार किया जाएगा। इससे छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

विदुर कुटी का 20 करोड़ रुपये से होगा विकास : जयवीर सिंह

अमृत विचार, लखनऊ : बिजनौर स्थित विदुर कुटी को महाभारत सर्किट के प्रमुख गंतव्यों में शामिल किया जाएगा। इसके लिए विदुर कुटी का पर्यटन विकास किया जाएगा, इसके लिए राज्य सरकार ने 20 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। यह जानकारी पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि कुरुवंश के महामंत्री महात्मा विदुर की तपोस्थली विदुर कुटी का ऐतिहासिक महत्व है। विदुर कुटी के माध्यम से बिजनौर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। पर्यटन विकास में प्रवेश द्वार, सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

एमबीबीएस में दाखिले के लिए अभ्यर्थियों को आज से देनी होगी कॉलेज की प्राथमिकताएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 5 अगस्त को सीट आवंटन के बाद कॉलेजों में शुरू होगी दाखिले की प्रक्रिया

अमृत विचार : प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस व डेंटल कॉलेजों में बीडीएस प्रथम वर्ष में दाखिला लेने के लिए बुधवार शाम चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा काउंसिलिंग में पंजीकृत अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी है। सूची में शामिल अभ्यर्थियों को क्रमानुसार 31 जुलाई गुरुवार से 4 अगस्त तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकताएं ऑनलाइन देनी होंगी।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने बताया कि नीट यूजी 2025 की काउंसिलिंग शुरू हो चुकी हैं, प्रथम चरण में पंजीकरण कराकर धरोहर राशि जमा करने वाले अभ्यर्थियों के प्रपत्रों की जांच उपरांत मेरिट सूची तैयार की गयी है। मेरिट के आधार पर अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग में प्रतिभाग करने का मौका मिलेगा, प्राथमिकताएं देने के बाद 5 अगस्त को सीट आवंटन के परिणाम घोषित किए जाएंगे, इसके बाद अगले दिन 6 अगस्त से आवंटन पत्र डाउनलोड कर संबन्धित कॉलेजों मे प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी, प्रवेश प्रक्रिया 14 अगस्त तक पूर्ण करनी होगी।

मालूम हो कि चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा गठित शुल्क निर्धारण समिति ने निजी मेडिकल कॉलेज व डेंटल कॉलेजों की प्रथम वर्ष में निर्धारित शुल्क की घोषणा की कर दी है, जिसे विभाग की बेवसाइट पर लोड कर दिया गया है, ताकि किसी कॉलेज में अतिरिक्त शुल्क न लिया जा सके।

वर्ल्ड ब्रीफ

कर्नल हमला: 4 पुलिस वालों पर होगी कार्रवाई

पटियाला। पंजाब के पटियाला में एक कर्नल और उनके बेटे के साथ मारपीट मामले में विभागीय जांच में चार निरीक्षकों समेत छह पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है। चारों निरीक्षकों समेत छह पुलिसकर्मियों को तीन साल तक पदोन्नति और वेतन वृद्धि न देने तथा उनकी सेवा में तीन वर्ष की कटौती की सिफारिश की गई है। इनकी तैनाती पटियाला से बाहर रहेगी और निलंबन भी जारी रहेगा। यह घटना 13 और 14 मार्च की दरमियानी रात हुई थी जब कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाथ अपने बेटे संग पटियाला के एक ढाबे पर खाना खा रहे थे। आरोप है कि 12 पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की, आईडी कार्ड और मोबाइल छीन लिया और "फर्जी मुठभेड़" की धमकी दी।

भारत विरोधी प्रोपेगैंडा पर महिला को पकड़ा

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन 'भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा' (एक्यूआईएस) के राष्ट्र विरोधी प्रोपेगैंडा का प्रचार करने के आरोप में बेंगलुरु की एक महिला को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को बेंगलुरु से पकड़ी गई आरोपी शमा परवीन अंसारी फोन और ईमेल के ज़रिए पाकिस्तानी संगठनों के संपर्क में थी। उन्होंने बताया कि वह सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री पोस्ट करती थी, भारत सरकार के खिलाफ सशस्त्र क्रांति या जिहाद छेड़ने का आह्वान करती थी और देश में वैमनस्य फैलाती थी।

तमिल फिल्म अभिनेता पावरस्टार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तमिल फिल्म अभिनेता और स्वयंभू चिकित्क एस श्रीनिवासन को पांच करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है। एस श्रीनिवासन को पावरस्टार के नाम से जाना जाता है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि श्रीनिवासन 2018 से मुकदमे से बच रहे थे और दो बार फरार अपराधी घोषित किए गए थे। उन्हें चेन्नई से गिरफ्तार किया गया। अभिनेता ने खुद को फाइनेंसर बताया और दिल्ली की एक कंपनी को 1,000 करोड़ रुपये का ऋण दिलाने का वादा कर उससे पांच करोड़ रुपये ठग लिए। बाद में पता चला कि यह धनराशि फिल्म निर्माण और निजी उपयोग के लिए इस्तेमाल की गई थी।

सेना प्रमुख ने मणिपुर में सुरक्षा की समीक्षा की

इंफाल। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। जनरल द्विवेदी ने राज्य में असम राइफल्स और सेना की परिचालन तत्परता का आकलन किया। उन्होंने बताया कि जनरल द्विवेदी को मणिपुर में जमीनी हालात और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चल रही पहलों के बारे में भी जानकारी दी गई। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने परिचालन तैयारियों का आकलन करने तथा सैन्य-नागरिक सहयोग बढ़ाने के लिए मणिपुर का दौरा किया।

अब भारत की नई नीति का आधार है ऑपरेशन सिंदूर : विदेश मंत्री

राज्यसभा में जयशंकर ने कहा- संघर्षविराम में कोई मध्यस्थता नहीं हुई

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर को क्रूरतम पहलगाम आतंकी हमले की सोची-समझी सटीक प्रतिक्रिया करार देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि यह अब भारत की नई नीति का आधार बन गया है। जयशंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ संघर्षविराम को लेकर किसी भी तीसरे पक्ष की ओर से कोई मध्यस्थता नहीं हुई।

विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस सैन्य कार्रवाई को रोकने का व्यापार से कोई संबंध नहीं था। जयशंकर ने राज्यसभा में पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए यह भी कहा कि भारत ने बरसों बरस आतंकवाद का दंश सहा है और ऑपरेशन सिंदूर से हमने लक्ष्य हासिल किए। उच्च सदन में यह चर्चा मंगलवार को शुरू हुई थी। विदेश मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से 16 जून के बीच फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई।

विपक्ष सरकार पर यह आरोप लगा रहा है कि अमेरिका की मध्यस्थता और व्यापारिक दबाव के कारण भारत ने सैन्य अभियान रोका। ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम कराने का कई बार दावा किया है। जयशंकर ने कहा, भारत अब सीमा पार से आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। पाकिस्तान की हर आक्रामकता का जवाब ऑपरेशन सिंदूर जैसे ठोस कदमों से देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जरिए पाकिस्तान ने लक्ष्मण रेखा लांघी है। हमले के दोषियों को जवाबदेह ठहराना और पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना जरूरी था।

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर जवाब देते विदेश मंत्री जयशंकर। ● एजेंसी

ट्रंप का इसलिए नाम नहीं ले पा रहे मोदी क्योंकि वह पूरा सच सामने रख देंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यस्थता संबंधी दावा करने के संदर्भ में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम नहीं लिया क्योंकि उन्हें पता है कि अगर वह ऐसा करेंगे तो ट्रंप सारी सच्चाई सामने रख देंगे। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि सबको मालूम है कि क्या हुआ है। राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री ने यह नहीं कहा कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री ने यह बोल दिया तो ट्रंप खुलकर बोल देंगे और पूरी सच्चाई सामने रख देंगे। उन्होंने कहा, अभी वह (ट्रंप) व्यापार समझौता चाहते हैं। वहां भी ट्रंप उन्हें दबाएंगे। आप देखना कि कैसा व्यापार समझौता होता है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने गोलमोल तरीके से बात की है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सीधे कहें कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने झूठ बोला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में कहा था कि दुनिया के किसी नेता ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा था।

राज्यसभा में नहीं आए प्रधानमंत्री, विपक्ष ने किया बहिर्गमन

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर बुधवार को राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब नहीं देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' लिखा कि प्रधानमंत्री संसद में होने के बावजूद सदन में नहीं आए। उन्होंने कहा, हमने मोदीजी से कई सवाल पूछे हैं। उन्हें जवाब देना चाहिए। अगर प्रधानमंत्री संसद में मौजूद होने के बावजूद सदन में नहीं आते हैं, तो यह राज्यसभा और सदन के सदस्यों का अपमान है।" कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने इसे "काला दिन" बताया। उन्होंने कहा, यह दिन एक काले दिन के रूप में याद किया जाएगा। यह सहमति थी कि प्रधानमंत्री सदन में जवाब देंगे, लेकिन विश्वासघात हुआ। यह सहमति कार्य मंत्रणा समिति में बनी थी। लेकिन शायद वह संघर्षविराम में ट्रंप की भूमिका पर सवालों का जवाब नहीं देना चाहते थे। उन्होंने लोकसभा में जवाब दिया, लेकिन आज इस सदन में आने की उनकी हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने शायद सोचा होगा कि हम टैरिफ के बारे में सवाल पूछेंगे। इससे पहले राज्यसभा में कांग्रेस सहित विपक्ष के सदस्यों ने ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा का प्रधानमंत्री द्वारा जवाब नहीं देने को सदन का अपमान बताया और विरोध में सदन से बहिर्गमन किया।

बारिश की मार

भरतपुर जिले के सवाई माधोपुर में बुधवार को भारी बारिश के बाद रेलवे स्टेशन पर पानी भर गया। एजेंसी

चौगुले शिपयार्ड में स्वदेशी होवरक्राफ्ट का निर्माण शुरू

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल ने बुधवार को अपने पहले स्वदेश निर्मित 'होवरक्राफ्ट' का निर्माण कार्य शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह 'होवरक्राफ्ट' सिद्ध ग्रिफ्रॉन होवरवर्क डिजाइन पर आधारित है और विभिन्न तटीय सुरक्षा अभियानों के लिए भारतीय विशेषज्ञता के साथ बनाया जा रहा है। 'होवरक्राफ्ट' को एयर कुशन व्हीकल भी कहते हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा, भारतीय तटरक्षक बल ने 30 जुलाई को गोवा स्थित चौगुले एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड में गर्डर बिछाने और स्थापना समारोह के साथ अपने पहले स्वदेश निर्मित एयर कुशन व्हीकल का निर्माण शुरू कर दिया है। ये एसीवी बेहतर गति, सामरिक लचीलापन और कम पानी में संचालन क्षमता प्रदान करेंगे।

इसरो की इसी वित्तीय वर्ष में नौ और प्रक्षेपण की योजना

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

निसार उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने बुधवार को घोषणा की कि नासा के साथ अगला सहयोगी मिशन और 'ब्लू बर्ड ब्लॉक 2' संचार उपग्रह का प्रक्षेपण चालू वित्त वर्ष के अंत तक इस अंतरिक्ष केंद्र से नियोजित नौ प्रमुख प्रक्षेपणों में शामिल हैं।

यहां मिशन नियंत्रण केंद्र में उन्होंने कहा कि ये मिशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में क्रियान्वित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, इस वित्त वर्ष के अंत से पहले नौ बड़े प्रक्षेपणों की योजना बनाई गई है। अगला बड़ा प्रक्षेपण एलवीएम3-एम5 मिशन है, जहां एलवीएम3 रॉकेट एक संचार उपग्रह सीएमएस-02 को प्रक्षेपित करेगा। इसरो के आगामी महत्वपूर्ण अभियानों में नासा के साथ एक और सहयोग शामिल है। एक्सिओम-4 और निसार मिशन के बाद इसरो का एलवीएम-3 यान अमेरिका के लिए संचार उपग्रह 'ब्लू बर्ड ब्लॉक2' का प्रक्षेपण करेगा। ब्लू बर्ड ब्लॉक2 अमेरिका का संचार उपग्रह है। हम अपने एलवीएम-3 यान का उपयोग करके इसका प्रक्षेपण करने जा रहे हैं। नारायणन के अनुसार, इसके अलावा इसरो का विश्वसनीय पीएसएलवी-सी61 'ओशनसैट-3ए' को प्रक्षेपित करने के लिए तैयार है।

● नासा के साथ सहयोगी मिशन ब्लू बर्ड ब्लॉक 2 भी इसमें शामिल

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी ढेर

जम्मू, एजेंसी

● सेना ने कहा-शिवशक्ति नाम से चलाया गया अभियान

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बुधवार को घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सेना के जवानों ने भारी हथियारों से लैस दो आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए दोनों आतंकवादी पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य थे। इस मुठभेड़ से दो दिन पहले सुरक्षाबलों ने पहलगाम आतंकवादी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को श्रीनगर के एक जंगल में मार गिराया था। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमला कर पर्यटकों को निशाना बनाया था।

सेना ने बताया कि बुधवार को शिवशक्ति नाम से चलाया गया अभियान पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों के मंसूबों के लिए एक बड़ा झटका है। ये संगठन जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया, एक समन्वित आतंकवाद-रोधी अभियान में भारतीय सेना के जवानों ने 30 जुलाई को तड़के पुंछ सेक्टर में ऑपरेशन शिवशक्ति शुरू किया। यह अभियान जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर सैन्य और नागरिक खुफिया इकाइयों द्वारा क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं पर आधारित था। सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने संभावित घुसपैठ मार्गों पर घात लगाई। नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए और बड़ी मात्रा में युद्ध-सामग्री बरामद की गई। उन्होंने बताया कि बरामद की गयी युद्ध-संबंधी सामग्री में गोला-बारूद के साथ-साथ दो असॉल्ट राइफल, एक पिस्तौल, हथगोले, दो आईआईडी, दवाइयां, संचार उपकरण और अन्य रसद भंडार शामिल हैं।

स्कूली बच्चों समेत हजारों लोगों को बचाया

मध्यप्रदेश के कई जिलों में बाढ़ से हालात विकराल, सेना बुलाई

भोपाल। भारी बारिश के बाद सेना ने राज्य के विभिन्न जिलों से 27 स्कूली बच्चों सहित करीब 2,900 लोगों को बचाया। कई जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई जबकि शिवपुरी जिले में हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि बचाव के लिए सेना बुलानी पड़ी है। गुना जिले में भी बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है, जहां एक पुल ढह गया। गुना के कई गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 24 घंटों में प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

पोर्श हादसा: किशोर के पिता की अस्थाई जमानत याचिका खारिज

पुणे। महाराष्ट्र में पुणे की एक अदालत ने मई 2024 में हुई पोर्श कार दुर्घटना में शामिल किशोर के पिता की अस्थायी जमानत के अनुरोध संबंधी याचिका बुधवार को खारिज कर दी। उन्होंने अपनी 79 वर्षीय मां की चिकित्सा स्थिति का हवाला देते हुए यह अर्जी दी थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के पी क्षीरसागर ने कहा कि अपराध की प्रकृति और गवाहों को प्रभावित किये जाने की आशंका को देखते हुए इस स्तर पर किशोर के पिता को जमानत पर रिहा करने का कोई आधार नहीं है।

लालू की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के एक मामले में अपने खिलाफ निचली अदालत में चल रही कार्यवाही स्थगित करने की राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सुनवाई करने से बुधवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता की गुहार ठुकरा दी। पीठ कहा कि निचली अदालत द्वारा मामले में आरोप तय करने से उनकी हाईकोरप्ट में दायर याचिका निरर्थक नहीं होगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने शीर्ष अदालत से यह निर्देश देने की मांग की थी कि जब तक दिल्ली हाईकोर्ट इस मामले उनकी याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं कर लेता, तब तक निचली अदालत की कार्यवाही स्थगित कर दी जाए। सीबीआई ने 2004-2009 में 'जमीन के बदले नौकरी' के आरोप में श्री यादव और अन्य के खिलाफ 2022 में मुकदमा दर्ज किया था।

...तो सुनवाई के लिए पड़ेगी स्टेडियम की जरूरत

मंत्री बालाजी से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार पर किया कटाक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी से जुड़े नौकरी के बदले नकदी घोटाला मामले में 2000 से अधिक लोगों को आरोपी बनाए जाने पर तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई तथा सभी आरोपियों और गवाहों का ब्यौरा मांगा।

पूर्व मंत्री से जुड़े मामलों की सुनवाई को बिना पतवार वाली नौका करार देते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यदि न्यायपालिका ने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो अनिच्छुक राज्य सरकार नकद के बदले नौकरी घोटाले में पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी से जुड़े मामलों को दबाकर बंद करना चाहती थी। पीठ ने घोटाले के पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करने वाले और मामलों को एक साथ करने के फैसले का विरोध करने वाले वाई. बालाजी की पैरवी करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन से कहा, इस मामले में 2,000 से अधिक आरोपी और 500 गवाह होने से यह भारत का सबसे अधिक भीड़भाड़ वाला मुकदमा होगा। इस मामले की सुनवाई के लिए न्यायालय का छोटा कक्ष पर्याप्त नहीं होगा तथा सभी अभियुक्तों की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए एक क्रिकेट स्टेडियम की जरुरत पड़ेगी।

सीबीआई ने दर्ज कीं 22 प्राथमिकियां

नई दिल्ली। सीबीआई ने एनसीआर में मकान खरीददारों से धोखाधड़ी के लिए बिल्डरों और बैंकों के बीच साठगांठ से संबंधित मामले की जांच करने के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के तहत 22 प्राथमिकी दर्ज की हैं। सीबीआई ने अपनी अलग-अलग प्राथमिकियों में जेपी स्पोर्ट्स

बैंक-बिल्डर गठजोड़

इंटरनेशनल लिमिटेड, जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड, अजनारा इंडिया लिमिटेड, वाटिका लिमिटेड, जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड, सुपरटेक और आइडिया बिल्डर्स को नामजद किया है। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी की आर्थिक अपराध इकाई द्वारा दर्ज प्राथमिकी में भारतीय स्टेट बैंक, इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, पीरामल फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड जैसे बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के नाम भी शामिल हैं। सीबीआई ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ के निर्देशों के बाद यह कार्रवाई की है।

कोली को बरी करने के फैसले के खिलाफ याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के निठारी हत्याकांड में आरोपी सुरेन्द्र कोली को बरी किए जाने के खिलाफ दायर 14 याचिकाओं को खारिज कर दिया। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि कोली को बरी करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के निष्कर्षों में कोई खामी नहीं थी। साक्ष्य अधिनियम की धारा 27 का हवाला देते हुए सीजेआई ने कहा कि खुले नाले से पीड़ितों की खोपड़ियां बरामद करना पुलिस के समक्ष कोली के बयान के बाद नहीं किया गया था। पुलिस द्वारा आरोपी का बयान दर्ज किए बिना की गई कोई भी बरामदगी साक्ष्य कानून के तहत स्वीकार्य नहीं है।

कारगिल में लड़ने वाले पूर्व सैनिक के परिवार से कहा- राष्ट्रीयता सिद्ध करो

पुणे में हिंदूवादी कार्यकर्ताओं के जबरन घर में घुसने का आरोप

पुणे, एजेंसी

कारगिल युद्ध में देश के लिए लड़ने वाले एक पूर्व सैनिक के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि एक हिंदूवादी संगठन से जुड़े करीब 80 लोगों का एक समूह पुणे स्थित उनके घर में जबरन घुस आया और उसने उन पर बांग्लादेशी होने का आरोप लगाते हुए उनसे भारतीय नागरिकता का प्रमाण मांगा।

पूर्व सैनिक के परिवार ने दावा किया कि यह घटना शनिवार मध्य रात्रि को शहर के चंदननगर इलाके में हुई। इरशाद शेख (48) ने कहा कि उनके बड़े भाई हकीमुद्दीन शेख भारतीय सेना में सेवाएं दे चुके हैं और उन्होंने कारगिल युद्ध में भी भाग लिया था तथा वह 2000 में 'इंजीनियर्स रेजिमेंट' से हवलदार के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। हकीमुद्दीन अब उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में रहते हैं। वह अपने दो भाइयों और उनके बच्चों के साथ पिछले कई दशक से पुणे के चंदननगर इलाके में रह रहे हैं।

इरशाद ने कहा, शनिवार आधी रात को लगभग 80 लोग अचानक हमारे घर आए और जोर-जोर दरवाजा खटखटाने लगे। हमने दरवाजा खोला तो उनमें से कुछ लोग अंदर घुस आए और परिवार के सदस्यों के आधार कार्ड मांगने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने दस्तावेज दिखाए, तो लोगों ने उन्हें फर्जी बताकर महिलाओं और बच्चों से आधार कार्ड दिखाने को कहा।

इरशाद ने कहा कि उन्होंने समूह को समझाने की कोशिश की कि उनका परिवार पिछले 60 साल से यहां रह रहा है और उनके बड़े भाई के अलावा उनके दो चाचा भी सेना में सेवा दे चुके हैं। लेकिन समूह के सदस्य सुनने को तैयार नहीं थे। उन्होंने अपशब्द कहे और हम पर बांग्लादेशी होने का आरोप लगाया। मैंने उनसे कहा कि अगर वे जांच करना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं, लेकिन आधी रात को किसी के घर में घुसकर अपशब्द कहना और बच्चों को दस्तावेज दिखाने के लिए मजबूर करना उचित नहीं है।

इरशाद ने दावा किया कि जब हिंदुत्व कार्यकर्ताओं के समूह ने 'जय श्री राम' के नारे लगाने शुरू किए और परिवार के सदस्यों को पुलिस थाने जाने के लिए मजबूर करने की कोशिश की तो उनके साथ आए दो लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया।

साथ थे पुलिसकर्मी, थाने में भी किया परेशान

परिवार ने आरोप लगाया कि इस दौरान सादे कपड़ों में कुछ पुलिसकर्मी भी मौजूद थे लेकिन वे मूकदर्शक बने रहे। जब वे चंदननगर पुलिस थाने पहुंचे तो महिला पुलिस निरीक्षक ने उनके दस्तावेज ले लिए और उन्हें बाहर इंतजार करने को कहा। इरशाद ने कहा, हमें दो घंटे इंतजार कराने के बाद उसने हमें अगले दिन फिर आने को कहा और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर उन्हें बांग्लादेशी नागरिक घोषित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे अगले दिन फिर पुलिस थाने गए। हमें इस घटना को मुद्दा न बनाने और कोई शिकायत दर्ज न कराने के लिए कहा गया। पुलिस अब हम पर दबाव बनाने और यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि हमारे घर में कोई भी घुसा नहीं था। इरशाद ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपनी भारतीय नागरिकता का 400 साल पुराना प्रमाण भी दे सकते हैं। उन्होंने कहा, मेरे चाचा 1971 के युद्ध में एक बम विस्फोट में घायल हुए थे और उन्हें उनकी वीरता के लिए सम्मानित किया गया था। मेरे एक और चाचा 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अब्दुल हमीद के साथ लड़े थे।

विशेषज्ञों का मत संयुक्त संसदीय समिति के सामने निवेश गतिविधियों के भी बढ़ने की उम्मीद जताई

एक साथ चुनाव से 1.5% तेज हो सकती है जीडीपी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एन. के. सिंह और एक अन्य विशेषज्ञ ने 'एक साथ चुनाव' कराने का आर्थिक पक्ष बुधवार को संसदीय समिति के समक्ष रखते हुए कहा कि इससे वास्तविक जीडीपी वृद्धि में 1.5 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हो सकती है, पूंजीगत व्यय बढ़ सकता है और निवेश गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' (ओएनओई) के लिए संविधान संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष अपनी संयुक्त प्रस्तुति में,

विशेषज्ञों ने 2023-24 के आंकड़ों के संदर्भ में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 4.5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि का अनुमान व्यक्त किया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के बाद खर्च बढ़ने से राजकोषीय घाटा भी 1.3 प्रतिशत अंक बढ़ने की उम्मीद है।

पूर्व राजस्व सचिव सिंह तथा अर्थशास्त्र की प्रोफेसर एवं अशोका यूनिवर्सिटी में आइजैक सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी की प्रमुख व निदेशक प्राची मिश्रा ने देश में चुनावों के क्रम का अध्ययन किया, क्योंकि 1967 तक देश में एक साथ चुनाव होते थे, लेकिन उसके बाद से लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग-अलग होने लगे थे। सूत्रों ने बताया कि जीडीपी में अपेक्षित वृद्धि कुल स्वास्थ्य बजट के आधे या शिक्षा बजट के एक तिहाई के बराबर है।

सूत्रों के अनुसार, विशेषज्ञों ने कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों से अनिश्चितता की स्थिति बनने के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं, जिससे विनिर्माण, निर्माण, पर्यटन और स्वास्थ्य सेवा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, प्रवासी श्रमिक बार-बार अपने मूल स्थान पर लौटते हैं और उत्पादकता पर असर पड़ता है। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रवासी, भारत की आबादी का लगभग एक तिहाई हिस्सा हैं तथा बार-बार चुनाव कराने से उन पर भी वित्तीय बोझ पड़ता है।

अलग-अलग चुनाव के कई नकारात्मक असर

पूर्व राजस्व सचिव एनके सिंह ने कहा कि शिक्षकों को चुनावी ड्यूटी पर तैनात करने और स्कूलों को मतदान केंद्रों में परिवर्तित करने के कारण, स्कूल नामांकन में भी 0.5 प्रतिशत की कमी आती है। उन्होंने तर्क दिया कि पुलिसकर्मियों को बार-बार चुनावी कार्यों में लगाए जाने के चलते चुनावों के दौरान आपराधिक घटनाएं बढ़ जाती हैं। वर्ष 1986 के बाद से भारत में एक भी साल ऐसा नहीं रहा, जब चुनाव नहीं हुए हों और इस कारण देश लगातार चुनावी माहौल में रहा। सूत्रों ने प्रस्तुति का हवाला देते हुए बताया कि इससे लोकलुभावन वादे बढ़ जाते हैं। सिंह ने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव अस्थायी कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

करंट से दंपति की मौत

अमृत विचार, गोसाईंगंज: थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव में के किसान गजराज यादव (58) की पत्नी गीता (50) टुल्लू पंप में पानी भरने गई थी। तार लगाते समय करंट की चपेट में आ गई। बचने में गजराज भी करंट की चपेट में आ गए। लोगों ने उन्हें गोसाईगंज सीएचसी पहुंचाया, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया गया।

15 दोपहिया वाहन के साथ पांच चोर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: वजीरगंज पुलिस ने पांच वाहन चोर को गिरफ्तार कर चोरी की 14 बाइक और एक स्कूटी बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों में सैयद मोहम्मद यूसुफ, आदित्य, सोनू उर्फ तबारक, अस्मित गुप्ता उर्फ ईशान और संजय कश्यप हैं। सरगना मोहम्मद यूसुफ पर करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं। वह पूर्व में जेल जा चुका है।

इंजीनियर के घर में 21 लाख की चोरी

अमृत विचार, लखनऊ: पारा के हांसखेड़ा स्थित तिरुपति कॉलोनी निवासी इंजीनियर मनीष के घर से चोरों ने रविवार रात चारों ने करीब 20 लाख के जेवर और एक लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। चोर पड़ोसी के मकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

तीन मकानों और एक दुकान में चोरी

अमृत विचार, नगराम: थाना क्षेत्र बहरौली गांव के नई बस्ती निवासी मोहम्मद अहमद के बंद घर से चोर बक्से का ताला तोड़कर एक लाख रुपये व जेवर ले गए। मोहम्मद शरीफ के घर की अलमारी व बक्से से 20 हजार रुपये व जेवर, सरवर के घर में 20 हजार रुपये व सामान, इस्लाम की परचून की दुकान से नकदी व किराने का सामान ले गए।

धारदार हथियार से वार कर किसान की हत्या

पत्नी ने चार पर दर्ज कराई हत्या की रिपोर्ट, तीन हिरासत में

संवाददाता, माल

रोती बिलखती किसान की पत्नी और परिवार के लोग। अमृत विचार

अमृत विचार: क्षेत्र के मड़वाना गांव में मंगलवार देर रात धारदार हथियार से वार कर किसान की हत्या कर दी गई। पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

मड़वाना गांव निवासी ममता ने बताया कि मंगलवार रात पति राजू गौतम (49) घर के बाहर गए थे। रात करीब 12 बजे परिवार के सभी लोग सो गए। सुबह वह (ममता) कमरे का दरवाजा खोलकर बाहर निकली तो पति राजू का खून से लतपथ शव पड़ा देख चीख पड़ी। उसके गले व सिर पर धारदार हथियार से वार किए गए थे। आवाज सुनकर बेटा व बेटी दौड़ी तो दृश्य देख चौंक गए। सुजीत ने डॉयल-112 पर हत्या की सूचना दी। कुछ ही देर में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी। सूचना मिलने पर एडीसीपी उत्तरी जितेंद्र कुमार दुबे, एसीपी मलिहाबाद सुजीत दुबे माल पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पड़ताल की। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर गांव के चार लोगों के खिलाफ हत्या कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पत्नी ममता ने बताया कि रात करीब आठ बजे राजू गांव के बहादुर, अमित, अशोक और चट्टान के साथ शराब पीकर घर आए थे। उनका ठेके पर साथियों से लड़ाई झगड़ा हुआ था। घर लौटकर बाहर बरामदे में सो गए थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है।

फॉरेंसिक टीम ने की जांच

हत्या की सूचना मिलते ही एसीपी सुजीत दुबे, इंस्पेक्टर माल नवाब अहमद मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल से कुछ नमूने हासिल किए। पत्नी ने गांव के बहादुर, अमित, अशोक व चट्टान पर हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करायी है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने गले व सिर पर कई वार किए थे। आशंका जताई जा रही है कि हत्या करीब तीन से चार बजे के बीच की गयी थी।

मृतक राजू।

जमीन के विवाद में चल रही थी रंजिश

सुजीत ने बताया कि जमीन के विवाद को लेकर भी गांव में कुछ लोगों से रंजिश चल रही थी। वारदात में उनका भी हाथ हो सकता है। परिवार में पिता ही इकलौते कमाने वाले थे। पुलिस रंजिश, शराब को लेकर हुए विवाद समेत सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

पूछताछ करते सहायक पुलिस आयुक्त मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे।

बेटे को लेकर एएसपी देता था ताने, लगवा रखे थे सीसी कैमरे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बहन ने मोबाइल में देख ली थी महिला मित्र की व्हाट्सएप चैट
- प्रताड़ना से त्रस्त नीतेश सात माह रही थी मायके में, छह दिन पूर्व ही आई थी

अमृत विचार: सीआईडी में तैनात एएसपी मुकेश प्रताप सिंह की पत्नी नीतेश (38) की मौत के मामले में मायकेवालों ने साजिश के तहत आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। फिरोजाबाद के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि एडिशनल एसपी मुकेश प्रताप सिंह की हरकतों की वजह से उनकी बहन तनाव में थी। आरोप है कि एएसपी ने साजिश के तहत सरकारी आवास पर सीसी कैमरे लगवाए थे। कहता था कि अगर नीतेश मर भी जाएगी तो मेरा कुछ नहीं होगा।

प्रमोद ने बताया कि उनका 12 साल का भांजा अनिकेत ऑप्टिज्म पीड़ित है। बेटे की बीमारी को लेकर मुकेश व नीतेश में आए दिन झगड़ा होता था। बहन बताती थी कि मुकेश अक्सर नीतेश से कहते थे कि तू पागल, तेरा बेटा पागल। इस बात से बहन बहुत आहत थी और वह डिप्रेशन में चल रही थी। मंगलवार को भी एएसपी ने यही बात दोहराई, जिसके बाद दोनों में झगड़ा हुआ। आरोप है कि परेशान होकर नीतेश ने अनिकेत को मारने की कोशिश की। इसका वीडियो एएसपी ने नीतेश के मायके वालों को भेजी थी। प्रमोद ने बहन से बात कर उसे समझाया था।

प्रमोद ने बताया कि कुछ दिन पहले बहन ने मुकेश के व्हाट्सएप पर उनकी महिला मित्र की चैटिंग देख ली थी। चैटिंग में अभद्र मैसेज थे। इसके बाद से वह बहन को और ज्यादा प्रताड़ित करने लगे थे। प्रताड़ना से त्रस्त होकर बहन ने फोन किया था। इस पर उसे समझाकर शांत करा दिया था। प्रताड़ना से त्रस्त होकर बहन सात महीने मायके में रही थी। छह दिन पहले ही आई थी। इसके बाद से वह और ज्यादा परेशान करने लगे। मायके पक्ष का आरोप है कि नीतेश का परेशान करने के लिए एएसपी हर बात की रिकॉर्डिंग करते थे। तीन साल पहले भी दंपति में काफी विवाद हुआ था। तब एएसपी ने पत्नी को तलाक देने की धमकी दी थी। बाद में दोनों परिवारों के बीच बातचीत कर मामला शांत करा दिया गया था। कुछ दिन पहले एएसपी ने अंतिम मौका देकर पत्नी को साथ में रखने की बात कही थी।

जानकारी लेते जेसीपी कानून एवं व्यवस्था।

बेटे को लेकर रहती थी परेशान

प्रमोद ने बताया कि बेटे अनिकेत को लेकर बहन बहुत परेशान रहती थी। चार दिन से वह सोई नहीं थी। बहन अगर कभी मुकेश से बेटे को खाना खिलाने के लिए कहती तो वह झगड़ा करता था। सुबह भी मुकेश बहन से झगड़कर ही आफिस गए थे।

किसान पंजीकृत यंत्रों से ही खरीदें यंत्र

अमृत विचार, लखनऊ: किसान पंजीकृत फर्मों से ही कृषि यंत्रों की खरीद करें, ये अपील कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों से की है। उन्होंने कहा कि अनुदान के लिए कई सावधानियों को ध्यान में रखते हुए अनुमन्य लाभ जरूर लें। उन्होंने कहा कि सरकार ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना, प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन आदि योजनाएं शुरू की हैं। इनमें किसानों को आधुनिक उन्नत कृषि यंत्रों पर सत्यापन के बाद डीबीटी के माध्यम से कृषि विभाग की ओर से अनुदान दिया जा रहा है।

विमेन्स आर्मी ट्रस्ट ने पांच टीबी रोगियों को लिया गोद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : विमेन्स आर्मी ट्रस्ट संस्था के सात वर्ष पूर्ण होने पर ट्रस्ट की ओर से केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में कार्यरत निक्षय मित्र सत्येंद्र कुमार के सहयोग से विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत की अध्यक्षता में पांच टीबी रोगियों को गोद लिया गया। साथ ही सत्येंद्र कुमार ने भी एक अतिरिक्त टीबी रोगी को व्यक्तिगत रूप से गोद लिया।

मैनेजिंग ट्रस्टी रश्मि सिंह ने बताया इस अवसर पर सभी रोगियों को पोषण पोटली दी गई। डॉ. सूर्यकांत ने बताया कि कुपोषण, टीबी रोग का एक प्रमुख कारण है। इसी कारण सरकार टीबी उपचार के दौरान रोगियों को प्रति माह 1000 की धनराशि प्रदान करती है। कार्यक्रम में डॉ. अजय कुमार वर्मा, सत्येंद्र कुमार, विजेंद्र रुचि रस्तोगी, एकता खत्री, मंजीत कौर और मनोज चौहान मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद विमेन्स आर्मी ट्रस्ट के पदाधिकारी व डॉ. सूर्यकांत।

प्रदीप ने वितरित की पोषक आहार पोटली

केजीएमयू के उप नर्सिंग अधीक्षक प्रदीप गंगवार टीबी मरीजों को गोद लेने का अभियान चला रहे हैं। प्रदीप ने बुधवार को संयुक्त चिकित्सालय कैंट में इलाज करा रहे टीबी से ग्रसित गोद लिए गए 28 मरीजों को दोबारा पोषक आहार पोटली वितरित की। प्रदीप अब तक 130 टीबी से ग्रसित मरीजों को गोद ले चुकें हैं।

कार्यालय जिला कलेक्टर, अयोध्या।

संख्या 416 /आठ–वि0भू0अ0अ0/अयोध्या दिनांक 26.07.2025

सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु प्रारम्भिक अधिसूचना एस0आई0ए0 अधिसूचना

[(नियम–3 का उपनियम(1)]

भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम–2013 की धारा–4(1) के अधीन सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित सूची में उल्लिखित भूमि का लोक प्रयोजन अर्थात जिला अयोध्या में चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग के विस्तारीकरण हेतु भूमि अधिग्रहण किया जाना है।

भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम–2013 के अन्तर्गत भूमि अर्जन की कार्यवाही से पूर्व, संस्था M/S ETHICCURATE SERVICES PRIVATE LIMITED, B-1/98-D Sec-G Jankipuram, Lucknow-226021. द्वारा लोकहित में सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् है:–

1	अपेक्षक निकाय का नाम	लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0, निर्माण खण्ड–3, अयोध्या।
2	प्रस्तावित भूमि अर्जन का उद्देश्य	जनपद अयोध्या में चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण हेतु।
3	संगठन जिसके द्वारा अध्ययन किया जायेगा	M/S ETHICCURATE SERVICES PRIVATE LIMITED
4	संगठन का सम्पर्क विवरण	B-1/98-D Sec-G Jankipuram, Lucknow -226021., Mo.No-9839300811

5– भूमि का विवरण:–

जिला	तहसील	ग्राम	गाटा स0	प्रस्तावित क्षेत्रफल (हे0 में)
अयोध्या	सदर	जनौरा बा0न0पा0	126मि0	0.010416
			127मि0	0.006426
			134मि0	0.005671
			134मि0	0.001344
			134मि0	0.005344
			136मि0	0.003106
			136मि0	0.006681
			136मि0	0.006391
			148मि0	0.005977
			157मि0	0.009073
			157मि0	0.002184
			157मि0	0.003890
			158मि0	0.014060
			योग–	0.080563
		जनौरा अ0न0पा0	173मि0	0.016800
			174मि0	0.008277
			174मि0	0.004788
			174मि0	0.007847
			175मि0	0.007965
			175मि0	0.001426
			योग–	0.047103
सम्पूर्ण योग–				0.127666

टिप्पणी: कलेक्टर (भूमि अर्जन प्रयोजनार्थ), अयोध्या के कार्यालय में सभी कार्य दिवसों में विस्तृत विवरण देखा जा सकता है।

UP-236452 दिनांक 29.07.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

आज्ञा से–कलेक्टर (भूमि अर्जन प्रयोजनार्थ) अयोध्या।

सूचना

मैने अपना नाम AMINA FAROOQUI W 0/MOHAMMAD TARIQUE से बदलकर AMEENAAZIZ FAROOQUI W/O-MOHAMMAD TARIQUI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/O-MOHAMMAD TARIQUI ADD-156-B/9-B-1, SHAMS NAGAR KARELABAGH, ALLAHABAD P.O-G.T.B.NAGAR DIST-PRAYAGRAJ-211016 (U.P)

रेलवे स्टेशन और बस अड्डे से हटाए गए अनाधिकृत वाहन

अमृत विचार, लखनऊ: चारबाग बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन के बाहर से बुधवार को अनाधिकृत वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया गया। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक जगदीश प्रसाद (हैदरगढ़ डिपो), गया प्रसाद तिवारी, रूपेश कुमार और चारबाग प्रबंधन कर्मियों ने रविंद्रालय से लेकर चारबाग रेलवे स्टेशन तक सड़क के किनारे खड़े और सवारी भरने वाले वाहनों को हटवाया गया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	106-Sig-Tender-07-2025-26
कार्य का नाम	''क्म्प्रेहेन्सिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ स्टेटकान मेक आई० पी० एस० (78 नंबर्स) इन्सटाल्ड ओवर लखनऊ डिवीजन फॉर थ्री इयर्स''
अनुमानित लागत	रू 3,16,14,649.62 /–
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	रू 308100.00 /–
कार्य पूरा करने की अवधि	36 माह
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	20/08/2025 at 15:30 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू०सं० 106–सिग– टेन्डर–07/2025–26 दिनांक: 28.07.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2316/25

कर्म की शक्ति ही प्रकृति कहलाती है

संवाददाता, निगोहां

- शिवपुराण कथा के तीसरे दिन सुनाया शिव-पार्वती तपस्या का प्रसंग

अमृत विचार: दखिना गांव में चल रही शिवपुराण कथा के तीसरे दिन पंडित जय शंकर शुक्ला ने माता पार्वती की कठोर तप का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए माता पार्वती ने घोर तपस्या की।

ये तप इस बात का प्रतीक है कि ईश्वर को पाने के लिए मनुष्य को समर्पण, साधना और संयम का मार्ग अपनाना होता है। प्रकृति और परमात्मा के संबंध को स्पष्ट करते हुए बताया कि माता भवानी ने भगवान शिव से कहा कि कर्म की शक्ति ही प्रकृति कहलाती है, और उसी से सृष्टि की उत्पत्ति, पालन तथा संहार होता है। प्राणी मात्र प्रकृति के प्रभाव से ही ईश्वर की उपासना, अर्चना और ध्यान करता है। योगेश्वर भगवान शिव इंद्रियों से परे हैं, उन्होंने गिरिराज हिमालय और माता पार्वती की इच्छा का सम्मान करते हुए उन्हें अपनी सेवा में स्थान दिया। इससे यह शिक्षा मिलती है कि मनुष्य का परम कर्तव्य ईश्वर की आराधना एवं साधना करना है।

पं जय शंकर शुक्ला।

निगोहां के मेले में उमड़ी भीड़

अमृत विचार, निगोहां : कई दशक से मेला लखनऊ– रायबरेली मार्ग की दोनो पटरियों और नई बाजार में नागपंचमी दूसरे दिन लगता है। मेले में बड़ी संख्या में दुकानें, झूला, सर्कस आदि लगते हैं। बुधवार दोपहर बाद से बारिश होने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग मेले में पहुंचे। मेले की व्यवस्था ग्राम प्रधान की देख –रेख में रहता है। दो दशक पूर्व तक मेले में महिलाओं की कुश्ती भी हुआ करती थी। एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस के साथ पीएसी बल भी मुस्तैद रहा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रय विलेख सं0 9021 दिनांक 01.12.1990, बही पुस्तक सं0 1, जिल्द सं0 143, पेज सं0 287–290 क्रमांक 9021 विक्रेता–करम मोहम्मद पुत्र वाली मोहम्मद क्रेता– नजर मोहम्मद पुत्र करम मोहम्मद गाटा संख्या 282 अ एवं 282 ब जो इंडियन बैंक गोंडा मुख्य शाखा में बंधक रखी थी, वास्तव में कहीं खो गई है जिसका उपयोग अवैध माना जाएगा जिस किसी को भी मिले वह 7 दिन के अंदर बैंक में संपर्क करें– **शाखा प्रबंधक, इंडियन बैंक, मुख्य शाखा गोंडा**

यूरिन टपकने की समस्या से दिलाई निजात

अमृत विचार, लखनऊ : बच्ची के जन्म से ही मलद्वार नहीं था। डॉक्टरों ने मलद्वार बनाया तो वह यूरिन (पेशाब) टपकने की समस्या से ग्रसित हो गई। केजीएमयू के डॉक्टरों ने सर्जरी कर सात वर्षीय बच्ची को परेशानी से निजात दिलाई। डॉ. जेडी रावत ने बताया बाराबंकी निवासी प्रेम मिश्रा को 2017 में बेटी हुई थी। उसके मलद्वार नहीं था। ऑपरेशन कर डॉक्टरों ने उसका मलद्वार बनाया। उसके बाद से पेशाब लीक होने संबंधी परेशानी शुरू हो गई। बड़ी होने पर समस्या गंभीर हुई तब परिजन केजीएमयू लेकर आए। अल्ट्रासाउंड और न्यूक्लियर स्कैन में पता चला कि बाईं ओर का गुर्दा बेहद छोटा है। बच्ची की दूरबीन विधि से सर्जरी की गई। बाई ओर की खराब किडनी और मूत्रनली निकाली गई। सर्जरी के बाद देखा गया कि बायां गुर्दा बेहद छोटा था और मूत्रनली फूली हुई थी। सर्जरी सफल रही और अब उसे कोई शिकायत नहीं है।

तीन दिवसीय सालाना शब्बेदारी की तैयारी शुरू

अमृत विचार, लखनऊ: इमामबाड़ा अबुतालिब हसनपुरिया में अंजुमन गुंचाए मजलूमिया की तीन दिवसीय सालाना शब्बेदारी को लेकर बैठक हुई। अंजुमन के सचिव इमरान अख्तर ''भोले'' ने बताया कि शब्बेदारी एक से तीन रबीउल अव्वल तक आयोजित की जाएगी।

अंजुमन के शायर एजाज जैदी ने तरही पंक्ति शब्बीर का ग़म सबके मुकद्दर में नहीं है दी है, जिसके आधार पर देशभर की अंजुमनें अपने-अपने सलाम पेश करेंगी। शब्बेदारी में करीब दो दर्जन अंजुमनें शिरकत कर शहीदाने कर्बला को खिराजे अक़ीदत पेश करेंगी। वे तरही सलाम व नौहे पढ़कर गम-ए-हुसैन मनाएंगी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–गोण्डा

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना नोटिस

पत्रांक 407/ग्रा0अ0वि0/ई–निविदा/निर्माण/2025–26 दिनांक 23.07.2025

महामहिम श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–गोण्डा के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी, एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।

1– स्वीकृति एवं धन प्राप्त होने की प्रत्याशा में निविदा आमंत्रित की जा रही है। निविदा खुलने के उपरान्त धनराशि प्राप्त न होने की दशा में एक या समस्त निविदायें निरस्त की जा सकती है। इसका पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

2– कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नलिखित है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख रू0 में (जीएसटी छोडकर)	बिड सिक्योरिटी लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी0एस0टी सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
01	गोण्डा	ग्राम पंचायत जानकीनगर के मोहल्ला रानीपुरवा में राजेश पाण्डेय के घर से ट्रांसफार्मर तक नाला का निर्माण कार्य।	11.94	0.24	300+500+GST	चार माह
02	गोण्डा	विकास खण्ड झंझरी ग्राम बरूआमाफी में श्याम बाबू के घर से सुरेश दूबे के घर तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	2.28	0.05	300+500+GST	चार माह
03	गोण्डा	विकास खण्ड झंझरी ग्राम पंचायत बूढ़ादेवर में जगत प्रकाश अग्रवाल के घर से सहनगर कार्यवाह वी0एन0 सिंह के घर के आगे तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य।	10.89	0.22	300+500+GST	चार माह

3. **वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता 13.08.2025 से 22.08.2025 तक।**
4. **ई–निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि/समय–22.08.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक।**
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय–**22.08.2025 को अपरान्हन् 12.30 बजे।**
6. निविदा आमत्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लास के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा सभी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
7. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर लागिन करें तथा डाक्यूमेंट को लोड करें।

UP-236406 दिनांक 29.07.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–गोण्डा

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन नोटिस सं0- LJN-PRKG-12-25

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा0), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई-ऑक्शनिंग के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है-

क्र.सं.	लॉट सं0	कार्य का विवरण
1	PARKING-LJN-BST-FW-138-25-1 (Parking-Four Wheeler)	**बस्ती** स्टेशन के मेनगेट साईड स्थित कार पार्किंग (तीन पहिया, चार पहिया वाहन) का ठेका 03 वर्ष हेतु
2	PARKING-LJN-GKP-TW-133-25-2 (Parking-Two Wheeler)	**गोरखपुर** स्टेशन के प्लेटफार्म-9 स्थित दो पहिया पार्किंग (साईकिल, मोटर साइकिल, स्कूटर) का ठेका 03 वर्ष हेतु
3	PARKING-LJN-MUR-MX-136-25-2 (Parking-Mixed)	**मनकापुर** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
4	PARKING-LJN-MBP-MX-140-25-1 (Parking-Mixed)	**मोहिबुल्लापुर** स्टेशन के मेनगेट साईड स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
5	PARKING-LJN-CLJ-MX-139-25-1 (Parking-Mixed)	**करनैलगंज** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
6	PARKING-LJN-BV-MX-137-25-1 (Parking-Mixed)	**बभनान** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
7	PARKING-LJN-DAL-MX-135-25-1 (Parking-Mixed)	**डालीगंज** स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार साईड स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
8	PARKING-LJN-LMP-MX-141-25-1 (Parking-Mixed)	**लखीमपुर** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
9	PARKING-LJN-GKP-PR-132-25-1 (Parking-Premium)	**गोरखपुर** स्टेशन के प्लेटफार्म-9 साईड स्थित कैबवे पार्किंग (दो पहिया,तीन पहिया,चार पहिया वाहन) का ठेका 03 वर्ष हेतु

नोट: 1. निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते है। IREPS पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होगी। **2.** सभी लॉट के लिये ई-ऑक्शन दि0-**12.08.2025, 12:00** बजे प्रारंभ होकर **12.08.2025, 13:50** बजे बंद होगी। **3.** इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नही किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **4.** अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे-डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। **5.** विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तो की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य-98 **सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/लखनऊ**

"DO NOT TRAVEL WITH INFLAMMABLE ARTICLE IN TRAIN"

सार्वजनिक सूचना

श्री गुरुनानक सहकारी आवास समिति लिद्व सीतापुर जिसका पंजीयन संख्या–541 दिनांक 14.01.1982 पता गुरुनानक नगर पंचमपुरवा रोड सीतापुर है। वाद सं०–09ई/2017 व बाद मं०–10ई/2017 में न्यायालय मध्यस्थ द्वारा पारित निर्णय के अनुसार समिति के **भूखण्ड संख्या-119 दिनेश कुमार पाहवा पुत्र श्री जगमोहन लाल पाहवा व भूखण्ड सं0-120 श्री जगमोहन लाल पाहवा पुत्र स्वद्व चुन्नी लाल** को बैनामा करने का आदेश पारित किया गया है। उक्त के क्रम में परिसमापक को बैनामा करना है।

अतः यदि समिति के किसी सदस्य को उक्त पर कोई वैधानिक आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशन के बाद 07 दिनों में अपनी आपत्ति **उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद 104 महात्मा गाँधी मार्ग, लखनऊ,** सहकारिता अनुभाग में परिसमापक सहकारी अधिकारी (आवास) के समक्ष उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रुप से दर्ज करा सकते है। कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर उपरोक्त सदस्यों को भूखण्ड का बैनामा कर दिया जायेगा।

दिलीप कुमार
सहकारी अधिकारी (आवास) परिसमापक, श्री गुरुनानक सहकारी आवास समिति लि0 सीतापुर

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट संख्या M 4112748 में मेरा नाम BRAJESH KUMAR MISHRA दर्ज हो गया है, मैंने अपना नाम BRAJESH KUMAR MISHRA से बदलकर BRIJESH MISHRA रख लिया है। अब भविष्य में मुझे (BRIJESH MISHRA) के नाम से जाना-पहचाना व पुकारा जाए। बृजेश मिश्र, एफ-3/6 पेपर मिल कालोनी, निशातगंज, लखनऊ।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सुपुत्र सक्षम मिश्र (SAKSHAM MISHRA) के पासपोर्ट संख्या M4113387 में उसका नाम कुमार सक्षम और जन्मतिथि 23-09-2009 दर्ज हो गया है। जबकि अब उसका वास्तविक नाम सक्षम मिश्र और जन्मतिथि 23-11-2009 है। अब भविष्य में इसे सक्षम मिश्र (SAKSHAM MISHRA) के नाम से जाना-पहचाना व पुकारा जाए। बृजेश मिश्र, एफ-3/6 पेपर मिल कालोनी, निशातगंज, लखनऊ।

आज आखिरी दिन, कैसे होगा 1428 लाभार्थियों का पंजीकरण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के अंतर्गत 15 जुलाई से चलाए जा रहे विशेष पंजीकरण अभियान में 29 जुलाई तक 1391 लाभार्थियों का पंजीकरण हो पाया है। 31 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान के तहत 2,819 लाभार्थियों के पंजीकरण का लक्ष्य है। दो दिन में शेष 1428 लाभार्थियों का पंजीकरण मुश्किल होगा। अभियान में शिथिलिता से शासन की ओर से नाराजगी जताई गई है।

पीएमएमवीवाई योजना से गर्भवती महिलाओं को पोषण के लिए सहायता प्रदान की जाती है। योजना के तहत धनराशि दो किस्तों में मिलती है। प्रथम किस्त तीन हजार रुपये प्रसव पूर्व कम से कम एक जांच होने पर और दूसरी किस्त दो हजार रुपये बच्चे के जन्म का पंजीकरण होने, बच्चे के प्रथम चक्र का टीकाकरण पूरा होने पर मिलेगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रेयस कुमार का कहना है पंजीकरण को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। आंकड़े पूरे न होने पर कार्रवाई होगी।

मातृ योजना के कम आवेदन पर चेताया

अमृत विचार, लखनऊ: जिला पोषण समिति की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन को चार परियोजनाओं में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के आवेदन की प्रगति कम मिली। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देकर एक सप्ताह में 100 फीसदी लक्ष्य पूर्ति करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने बुधवार को विकास भवन के लोहिया सभागार में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। इस दौरान चिनहट, सरोजनी नगर, माल व आलमबाग परियोजनाओं के अंतर्गत प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के आवेदन कम भरे पाए गए। खराब प्रगति पर बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) पर नाराजगी जताई। उन्हें एक सप्ताह में आवेदन भरने की मोहलत दी। इसके अलावा सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी को कुपोषित, अतिकुपोषित बच्चों का चयन, उनका वजन आदि प्रक्रिया पारदर्शिता और समय से करने के निर्देश दिए।

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ, गुरुवार, 31 जुलाई 2025

सुविचार

चापलूसी का जहरीला प्याला आपको तब तक नुकसान नहीं पहुंचा सकता, जब तक कि आपके कान उसे अमृत समझकर पी न जाएं।

– मुंशी प्रेमचंद

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- लूटपाट के बाद हुई थी निजी कंपनी कर्मी की हत्या II
- गीतों से बरसा सावन, अंधियारी हुई भादों की रैन III
- छात्रावास की फीस बढ़ोत्तरी पर छात्रों में आक्रोश IV

शहर में आज

- दारूल शफा के बी ब्लॉक कामन हॉल मेंअखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की बैठक–4 :30 बजे।
- अंग्रेज़ी और विदेशी भाषाएं विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय परिसर द्वारा "मानविकी अध्ययन : भाषा, साहित्य और अंग्रेज़ी भाषा शिक्षा में प्रवृत्तियां" विषय पर कार्यशाला– 10 :00 बजे।

सिटी ब्रीफ

27 बीघा में तीन अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने बुधवार को काकोरी क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान चलाया। प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के साथ 27 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही तीन अवैध प्लाटिंग बुलडोजर से ध्वस्त की प्रवर्तन जोन–3 के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि गुड्डू व अन्य द्वारा काकोरी के ग्राम सकरा में एक जगह 15 बीघा व दूसरी जगह पर पांच बीघा में अवैध प्लाटिंग करके अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। इसके अलावा अशोक कुमार, मोहम्मद शाहबुद्दीन, मोहम्मद जमाल, मोहम्मद मुइद्दीन सिद्दीकी, फिरोज अहमद, राजाराम व अन्य द्वारा ग्राम मौंदा में लगभग सात बीघा क्षेत्रफल में प्लाटिंग की जा रही थी। प्राधिकरण से ले–आउट स्वीकृत कराने बिना निर्माण करने पर टीम ने ध्वस्त कर दिया।

महापौर से कार्यकारिणी बैठक बुलाने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : इस्माइलगंज प्रथम वार्ड से कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने महापौर सुषमा खर्कवाल को पत्र लिखकर कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव के लिए बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने लिखा है कि कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव 2 जून तक पूरा हो जाना चाहिए था। अनेक बार तिथि निर्धारित होने के बाद भी बैठक टाली जा रही है। जिससे जनसामान्य के मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पा रही साथ ही विकास कार्य रुक गए हैं।

केजीएमयू में गार्ड ने तीमारदार को पीटा

अमृत विचार, लखनऊ : लखीमपुर खीरी के साजिद की बहन केजीएमयू यूरोलॉजी विभाग में भर्ती है। किडनी से पथरी निकालने के लिए ऑपरेशन होना है। साजिद का आरोप है कि वॉशरूम जाना था, लेकिन सफाई का काम चलने के कारण गैलरी में रुक गए। इसी बीच एक गार्ड ने उन्हें बुलाया। पोछा सूखने तक रुकने को कहा तो गार्ड ने मारपीट शुरू कर दी। साजिद ने आरोपित सुरक्षाकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रवक्ता डॉ. केके सिंह का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी।

हयात नर्सिंग होम की अल्ट्रासाउंड मशीन सील

अमृत विचार, लखनऊ : चौपटिया स्थित हयात नर्सिंग होम की अल्ट्रासाउंड मशीन को सील कर दिया गया। मशीन का लाइसेंस जनवरी में खत्म हो गया था। अस्पताल प्रबंधन ने नवीनीकरण नहीं कराया, इससे जिलाधिकारी के आदेश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बुधवार को मशीन सील कर दी। डिप्टी सीएमओ डॉ. केडी मिश्र ने बताया कि मशीन का लाइसेंस खत्म हो गया था। ऐसे में मशीन के दुरुपयोग की आशंका थी। लिहाजा मशीन को सील कर दिया गया है।

30 सितंबर तक बिजली कर्मचारियों को छुट्टी नहीं

अमृत विचार, लखनऊ : बरसात में तेजी से बढ़ती बिजली समस्याओं के निस्तारण के लिए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने सभी बिजली कर्मचारियों के अवकाश पर 30 सितंबर तक रोक लगा दी गई है। आदेश में बारिश के मौसम में बढ़ती बिजली फॉल्ट की समस्याओं से निपटने के लिए किसी भी कर्मचारी को कोई अवकाश नहीं दिये जाने को कहा गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बारिश के वजह से बाधित हो रही सप्लाई और अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए ऐसा फैसला किया गया है।

परंपरा के अखाड़े में दादी का दांव

60 वर्ष की दादी अम्मा विनय कुमारी कूदी हापे के अखाड़े में और सुशीला को कर दिया चित

अमृत विचार, गोसाईगंज : अहिमामऊ में आयोजित परंपरागत हापे के आखडे में बुधवार को महिलाओं की अजब–गजब कुश्तियां देखने को मिलीं। उत्साह इस कदर था कि युवतियां से लेकर 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं भी कमर में पल्लू खोंसकर मैदान में उतर गईं। हंसते–खिलखिलाते हाथ आजमाए और प्रतिद्वंद्वी को चित कर दिया। बुजुर्ग विनय कुमारी ने सुशीला और राजकली ने पूनम को पटकनी दी तो आयुषी ने प्रभा और कल्पना ने सरोजा को हराया। गीता ने शिखा, रवीना ने अंकिता और नीलम ने सत्यवती को चित कर दिया। पूर्व प्रधान राकेश कुमार ने बताया कि अंग्रेजों के समय हापे का अखड़ा लगता आ रहा है। इस बार ग्राम देवता और काली पूजन ने बाद शाम को इसकी शुरुआत हुई।

आउटर रिंग रोड के आस-पास बढ़ेगा जमीन का सर्किल रेट

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- जहां हाईराइज बिल्डिंग वहां जमीनें और होंगी महंगी
- कुछ अर्ध नगरीय, कुछ गांव नगरीय क्षेत्र में किए गए शामिल
- 1 अगस्त से लागू हो जाएगा नया डीएम सर्किल रेट

अमृत विचार : आउटर रिंग रोड के आस-पास जमीन का सर्किल रेट बढ़ेगा। जहां हाईराज बिल्डिंगें हैं वहां जमीन की कीमतें और बढ़ेंगी। आपत्तियों के निस्तारण के बाद 1 अगस्त से जिला प्रशासन डीएम सर्किल रेट की पुनरीक्षित वार्षिक मूल्यांकन सूची लागू कर देगा। लगभग 10 वर्षों के बाद राजधानी में जमीन के सर्किल रेट में बढ़ोतरी होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी जमीन की कीमतें बढ़ जाएंगी।

1 जुलाई को जिला प्रशासन ने डीएम सर्किल रेट की नई दरें प्रस्तावित कर आपत्तियां मांगी थीं। इसमें शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में सर्किल रेट बढ़ाने का प्रस्ताव है। आपत्तियों पर सुनवाई के बाद एडीएम वित्त एवं राजस्व ने सर्किल रेट में लगभग 20 से 30 प्रतिशत की और बढ़ोतरी की गई है। कुछ गांवों को अर्ध नगरीय और कुछ नगरीय क्षेत्र में शामिल किए गए हैं। अर्ध नगरीय क्षेत्र में 500 मीटर के दायरे में आवासीय और नगरीय क्षेत्र में 1000 मीटर के दायरे में आवासीय दरें लागू होंगी। इस दायरे के बाद कृषक भूमि की दरें लागू होंगी। इससे शहर से लगे कई ग्रामीण क्षेत्रों में भी जमीनों की कीमतें बढ़ जाएंगी। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार सिंह ने बताया कि डीएम सर्किल रेट की संशोधित दरें रजिस्ट्रार कार्यालय वार तैयार कर ली गई हैं। पहली अगस्त से नई दरें लागू कर दी जाएंगी।

छंदुय्या में बनने लगी सड़क

अमृत विचार, लखनऊ : एलडीए ने हरदोई रोड स्थित छंदुय्या गांव में बसंतकुज योजना का सेक्टर–ए विकसित करने के लिए अर्जित भूमि जुटाना शुरू कर दिया है। मंगलवार और बुधवार को सीमांकन करके गांव की आबादी का हिस्सा अलग किया। साथ ही योजना के लिए सड़क निर्माण शुरू किया। गांव के बाहर यह सड़क तैयार होने से ग्रामीणों का भी आना–जाना आसान हो जाएगा।

खुलेगी अन्नपूर्णा रसोई मिलेगा 10 रुपये में खाना

नगर निगम, खाद्य विभाग के सहयोग से सूडा करेगा संचालन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गरीब बस्तियों, बस स्टैंड, लेबर अड्डा जैसे स्थानों पर बनाए जाएंगे भोजन बिक्री केंद्र
- सूडा ने भोजन के मेन्यू के साथ ही भोजन का मूल्य भी तय कर लिया है, जल्द होगी शुरुआत

अमृत विचार : राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) लखनऊ नगर निगम क्षेत्र में अन्नपूर्णा रसोई खोलेगा। इसमें गरीबों को 10 रुपये में पौष्टिक भोजन खिलाएगा। सूडा ने भोजन के मूल्य व मेन्यू तय करके कार्ययोजना तैयार कर ली है। जल्द ही अन्नपूर्णा रसोई शुरू कर दी जाएगी।

सूडा शहर में एक सामुदायिक किचन बनाएगा। जिसमें रोटी, दाल, चावल और सब्जी बड़ी मात्रा में पकाई जाएगी। वहां से भोजन वाहनों से निर्धारित केंद्रों पर बेचा जाएगा। भोजन बिक्री केंद्र गरीब बस्तियों, बस स्टैंड, लेबर अड्डा जैसे स्थानों पर बनाए जाएंगे। नगर निगम क्षेत्रों में सफलता के बाद अन्य निकायों में भी अन्नपूर्णा रसोई खोली जाएंगी। इसका मकसद शहरी क्षेत्र के गरीबों को कम पैसे में पौष्टिक भोजन देना है। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी अन्नपूर्णा रसोई योजना के तहत प्रदेश के 16 अन्य नगर निगमों में भी ऐसी ही रसोई खोली जाएंगी।

अन्नपूर्णा रसोई नगर निगम, खाद्य विभाग, परिवहन, सूडा, मंडी समिति समेत अन्य संबंधित विभाग से समन्वयक बनाकर चलेगी। खाद्य विभाग से राशन तो मंडी से सब्जियां ली जाएंगी। इस तरह से अन्य विभागों का भी सहयोग लिया जाएगा। सूडा ने विभागों के साथ बैठक कर ली है। रसोई का संचालन कैसे करना है इसके लिए अन्य प्रांतों के एनजीओ व संस्थाओं ने अपने अनुभव भी साझा किए हैं।

समूह की महिलाएं या संस्था बनाएंगी भोजन

अभी अन्नपूर्णा रसोई में भोजन राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन समूह की महिलाएं बनाएंगी या फिर किसी संस्था को यह कार्य दिया जाएगा, इस पर मंथन चल रहा है। यदि समूह को यह जिम्मेदारी मिलती है तो सैकड़ों महिलाएं रोजगार से जुड़ेंगी।

86 ब्लैक स्पॉट्स पर सुधार कार्य अंतिम चरण में

अमृत विचार, लखनऊ : जिलाधिकारी विशाख जी की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। जिसमें लोक निर्माण विभाग द्वारा चिन्हित 86 ब्लैक स्पॉट्स को विश्वकर्मा पोर्टल पर दर्ज करते हुए सुधार करने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सतेंद्र नाथ ने जिलाधिकारी को बताया कि आदर्श ढाबा कट, बीबीडी कट और सुधा कट सहित अन्य ब्लैक स्पॉट पर सुधार कार्य अंतिम चरण में हैं। अगली बैठक से पहले सभी कार्य पूरे हो जाएंगे। ब्लैक स्पॉट्स के आस–पास चिकित्सकीय संस्थान की उपलब्धता पर जिलाधिकारी को बताया गया कि शहरी क्षेत्रों के अंदर अस्पताल हैं लेकिन बाहर के क्षेत्रों जैसे कानपुर रोड, लखनऊ हरदोई रोड और लखनऊ सीतापुर रोड के आस–पास ट्रामा सेंटर फैसिलिटी चिन्हित किया जाना आवश्यक है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि बीकेटी स्थित राम सागर मिश्र 100 शय्या हॉस्पिटल में सीटी स्कैन फैसिलिटी का प्रस्ताव बनाया जा रहा है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी, जिला विद्यालय निरीक्षक, एआरटीओ, अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन 3 अगस्त को दिल्ली में

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल लखनऊ इकाई के पदाधिकारियों की बैठक हजरतगंज स्थित कार्यालय में हुई। इसमें भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के मंत्री योगेंद्र सिंह कहा कि व्यापारियों की शीर्ष संस्था भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का सम्मेलन एवं भामाशाह सम्मान 3 अगस्त रविवार को रंग भवन आकाशवाणी ऑडिटोरियम संसद मार्ग नई दिल्ली में सुबह 9 बजे से होगा। इसमें कईप्रान्तों से व्यापारी शिरकत करेंगे। सम्मेलन का शुभारंभ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करेंगी। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, हर्ष मल्होत्रा, व्यापारी कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंघी संबोधित करेंगे। सम्मेलन में जीएसटी की जटिलताओं का सरलीकरण, बढ़ते ऑनलाइन कारोबार एवं ई-कॉमर्स कंपनियों को रेगुलेटिंग एक्ट के तहत लाने एवं अन्य व्यापारिक विचार विमर्श होगा। बैठक में नगर अध्यक्ष अमरनाथ अग्रवाल, कोषाध्यक्ष धर्मपाल अग्रवाल कोषाध्यक्ष धर्मपाल अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, सनी सिंह, विवेक अग्रवाल, संजय जायसवाल, अभय उपाध्याय, श्याम मिश्रा, राहुल सिंह आदि रहे।

उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए व्यापारी आए आगे

आदर्श व्यापार मंडल 16 अगस्त से शहर में चलाएगा अभियान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ ही मिलें, इसके लिए व्यापारी खुद आगे आए हैं। इस दिशा में उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान के सिलसिले में मंगलवार देर शाम अयोध्या रोड स्थित व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में खाद्य सुरक्षा विभाग अधिकारियों ने किराना, रेस्टोरेंट और खाद्यान्न विक्रेताओं के साथ बैठक की।

व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त ने कहा विभाग का व्यापारियों को जागरूकता के साथ उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाला खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है। संजय गुप्ता ने व्यापारियों को जागरूक करने तथा खाद्य सुरक्षा विभाग के नियमों की जानकारी के प्रचार-प्रसार को विस्तृत स्तर पर करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि 16 अगस्त से उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल राजधानी में समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया। पूर्व पार्षद कमलेश सिंह, मंडल अध्यक्ष शिव शंकर विश्वकर्मा, नीता दीक्षित, श्याम जी त्रिपाठी मौजूद रहे। पार्षद प्रतिनिधि कमलेश सिंह ने आभार जताया।

बैठक करते खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी और व्यापारी। अमृत विचार

बेकरी, मिठाई शॉप, होटल, रेस्टोरेंट हाइजिन रेटिंग कराएं

खाद्य सुरक्षा अधिकारी नितिका केसरी ने बताया कि लाइसेंस एवं पंजीकरण के लिए पोर्टल पर ही आवेदन करें। विक्रय बिल पर एफएसएसआई नंबर अवश्य अंकित कराएं। लाइसेंस में अंकित शर्तों का अनुपालन करें। बेकरी, मिठाई शॉप, होटल, रेस्टोरेंट हाइजिन रेटिंग कराएं जिससे उपभोक्ताओं को खाद्य प्रतिष्ठानों की गुणवत्ता के विषय में जानकारी मिल सके।

पार्षद ने सफाई कर्मियों को ओढ़ाया अंगवस्त्र, दिए उपहार

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : स्वच्छ सर्वेक्षण 24-2025 में लखनऊ को देश में तीसरा स्थान मिलने की खुशी में बुधवार को विद्यावती तृतीय वार्ड में सफाई कर्मियों का सम्मान किया गया। पार्षद निर्मला सिंह ने उन्हें अंगवस्त्र और उपहार भेंट किए। मुख्य अतिथि नगर निगम जोन 8 के जोनल अधिकारी अजीत राय और वरिष्ठ कर अधीक्षक डीएस दूबे रहे। समारोह में

विद्यावती वार्ड में सम्मानित किए गए सफाईकर्मियों के साथ पार्षद और जोनल अधिकारी। अमृत विचार

व्याख्यान

जलपुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह बोले, नहीं होना चाहिए जल का व्यापार

नीर, नारी और नदी हमारे लिए नारायण के समान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: जिस देश की नदियां सूखने लगती हैं, वहां की अर्थव्यवस्था भी धीरे-धीरे क्षीण होने लगती है। इसलिए जल का व्यापार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि नीर, नारी और नदी हमारे लिए नारायण के समान पूजनीय हैं। हमें जल संरक्षण को लेकर सामूहिक संकल्प, संवाद और विश्लेषण की आवश्यकता है।

ये बात बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन विषय पर आयोजित व्याख्यान माला में पर्यावरणविद् जल पुरुष डॉ. राजेन्द्र सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि कही। डॉ. राजेन्द्र ने कहा कि 21वीं सदी चुनौतियों से भरी हुई है, जिनमें जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण क्षरण और प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याएं देखने को मिलती हैं। हमारे प्राचीन ग्रंथ अथर्ववेद में भी पृथ्वी के संरक्षण की बात कही गई है। केवल आर्थिक ढांचे के सहारे हम विश्वगुरु बनने का सपना नहीं देख सकते, बल्कि ज्ञान और प्रकृति को साथ लेकर हमें इस दिशा में आगे बढ़ना होगा। बताया कि कैसे राजस्थान के चंबल क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं। इसके साथ ही हमें अपनी फसलों की प्रणाली को वर्षा के स्वरूप के अनुसार अनुकूल बनाना होगा।

अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश प्रमुखता से देखने को मिलता है। डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू एवं कमेटी फॉर एमीनेंट लेक्चर सीरीज की अध्यक्ष प्रो. शिल्पी वर्मा मौजूद रहीं। मंच संचालन का कार्य डॉ. शिखा तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रो. नरेंद्र कुमार, प्रो. कमान सिंह, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, विभिन्न संस्थानों के अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षण कर्मचारी, शोधार्थी विभिन्न विद्यालयों एवं बीबीएयू के विद्यार्थी मौजूद रहे।

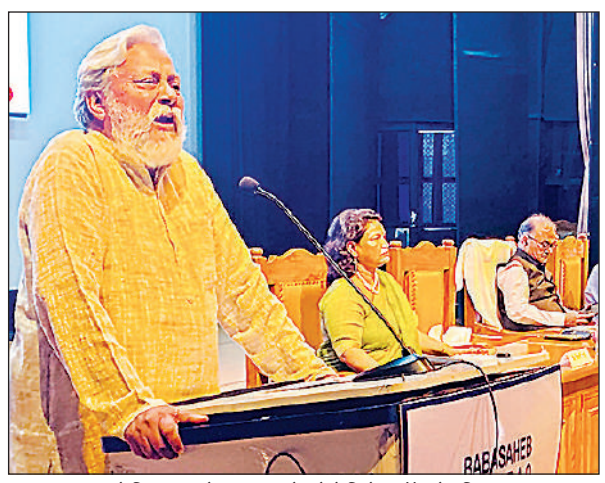

व्याख्यान माला में विचार रखते जलपुरुष मेगसेसे विजेता डॉ राजेंद्र सिंह।

अवध बार एसोसिएशन के नए अध्यक्ष बने एस चंद्रा

आईपी सिंह को 591 मतों से हराया, ललित बने महासचिव

लखनऊ, विधि संवाददाता

अमृत विचार: एस चंद्रा अवध बार एसोसिएशन के नए अध्यक्ष और ललित किशोर तिवारी महासचिव महासचिव चुने गए हैं। शैलेन्द्र प्रसाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष और राघवेंद्र पाण्डेय कनिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर विजयी हुए।

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के अवध बार एसोसिएशन चुनाव की मतगणना बुधवार सुबह शुरू हुई और शाम को परिणामों की घोषणा कर दी गई। अध्यक्ष पद पर पंडित एस चंद्रा ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी वरिष्ठ अधिवक्ता आईपी सिंह को 591 मतों से पराजित किया। महासचिव पद पर ललित किशोर तिवारी और बालकेश्वर श्रीवास्तव में मुकाबला हुआ। ललित किशोर ने 119 वोटों से जीत दर्ज की।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर शैलेन्द्र प्रसाद शर्मा ने जीत हासिल की। उपाध्यक्ष मध्य के दो पदों पर हरिओम पांडेय, पवन कुमार सिंह और कनिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर राघवेंद्र पांडेय निर्वाचित हुए। संयुक्त सचिव के तीन पदों पर गौरव श्रीवास्तव, अंगद प्रसाद शुक्ला व आशुतोष सिंह विजयी घोषित किए गए। कोषाध्यक्ष का पद आलोक कुमार त्रिपाठी के खाते में गया।

वरिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों पर रंजना श्रीवास्तव, आदर्श मेहरोत्रा, अजय सिंह, कौशल मणि त्रिपाठी, दिवाकर नाथ तिवारी व नेवेदिता गुप्ता ने जीत दर्ज की। कनिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों पर अंकित मिश्रा, अभिषेक त्रिपाठी, पुष्पांजलि पांडेय, श्वेता सिंह, नीलिमा जायसवाल, और राम सुफल यादव विजयी घोषित किए गए।

अध्यक्ष पं. एस चंद्रा।

महासचिव ललित।

सिटी ब्रीफ

तीन दोस्तों पर ईंट से हमला

अमृत विचार, सरोजनीनगर : हुसैनगंज के लाल कुआं स्थित छितवापुर भेड़ी मंडी निवासी गोविंद कनौजिया ने बिजनौर के सैनिक एंक्लेव निवासी पूनम, उसके पति रंजीत, प्रमोद सिंह व तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी की बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। गोविंद का कहना है कि उनके मित्र रवि जायसवाल के रुपये पूनम और रंजीत ने हड़पे हैं। आरोपियों के बुलाने पर मंगलवार रात करीब आठ बजे रवि, विनय राजपूत और गोविंद सैनिक एंक्लेव पहुंचे। वापस लौटते समय कार सवार प्रमोद सिंह, रंजीत सिंह और तीन अज्ञात व्यक्ति ने उनपर ईंटों से हमला कर दिया। जिससे पीड़ित की उंगली फट गई और सिर व पीठ पर गंभीर चोट आई है। पीड़ित का कहना है कि उसके साथ मौजूद विनय को भी कई जगह चोटें आई हैं।

लूट करने वाले दो बहरूपिए गिरफ्तार

अमृत विचार, आलमबाग : आलमबाग क्षेत्र के पुरानी जेल रोड पर मंगलवार शाम साधु के वेश में कार सवार की चेन व नकदी लूटने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटी गयी चेन व करीब साढे.चार हजार रुपये बरामद किए हैं। इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सरोज ने बताया कि आरोपियों में विक्की नाथ व अरुण नाथ निवासी निरंकारी कालोनी सपेरा बस्ती ग्राम आरके कालोनी थाना मुरथल जिला सोनीपत हरियाणा हैं। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है।

सड़क पार कर रहे व्यक्ति को ट्रक ने रौंदा

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र के गौरी बाजार इलाके में बुधवार देर शाम बेकाबू ट्रक ने सड़क पार कर रहे करीब 40 वर्षीय व्यक्ति को रौंद दिया। बुधवार शाम करीब 7 :30 बजे लगभग 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति पैदल ही कानपुर रोड पार कर रहा था। तभी चुंगी की ओर से कानपुर की तरफ जा रहे ट्रक ने उसे रौंद दिया। पुलिस ने आसपास के लोगों को बुलाकर उसकी पहचान कराने की कोशिश की। लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतक के शरीर पर मटमैले कलर की शर्ट और पैंट थी। पुलिस ने मृतक के फोटो आसपास थानों में भेज दिए गए हैं। उसके फोटो और कपड़ों के आधार पर पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

ट्रैक्टर चालक हत्याकांड में चचेरा भाई गिरफ्तार

अमृत विचार, मलिहाबाद : ससपन बख्तौरीपुर गांव में किसान अमन दीक्षित (32) की हत्या के मामले में रहीमाबाद पुलिस ने आरोपी चचेरे भाई पंकज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पंकज का एक वीडियो भी बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह अमन को हत्या की धमकी दे रहा है। वीडियो में पंकज छत पर खड़ा है और अमन से कह रहा है कि तुझे मारकर ही जेल जाऊंगा। इंस्पेक्टर आनंद कुमार द्विवेदी ने बताया कि पंकज ने दो हफ्ते पूर्व ही अमन की हत्या की साजिश रची थी।

लूटपाट के बाद हुई थी निजी कंपनी कर्मी की हत्या

पुलिस ने कर दिया अंतिम संस्कार, गोरखपुर निवासी नवीन 24 जुलाई को मुंबई जाने के लिए पहुंचा था लखनऊ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- ऑटो चालक से हुआ था विवाद, लापता होने पर नाका में भाई ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी
- पुलिस ने आरोपी को पकड़ा, लूटा गया बैग, मोबाइल व नकदी बरामद

मृतक नवीन

आरोपी अजय यादव

अमृत विचार: पुष्पक ट्रेन से मुंबई जाने के लिए पांच दिन पहले लखनऊ पहुंचे गोरखपुर के रायगंज निवासी नवीन यादव (50) की हत्या कर दी गयी। ऑटो चालक ने साथी संग मिलकर नकदी, बैग व मोबाइल लूटने के बाद नवीन को डंडे व रॉड से सिर पर वार किया था। उसके बाद मृत समझकर फतेह अली का तालाब चौकी के पास फेंक दिया था। नाका पुलिस ने बुधवार को बाराबंकी से अजय यादव को पकड़ा तो उसके पास से लूटा गया बैग, मोबाइल व 15 हजार रुपये बरामद हुए।

आरोपी के बयान के बाद पुलिस ने चारबाग से सप्लाई डिपो, फतेह अली का तालाब के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले तो 24 जुलाई को आलमबाग बस स्टेशन मेट्रो स्टेशन के कैमरे में नवीन बैठे दिखे। अगले दिन नवीन का शव मिला। पहचान न होने पर आलमबाग पुलिस ने लावारिस में पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

रायगंज निवासी सचिन कुमार यादव ने बताया कि बड़ा भाई नवीन यादव को 24 जुलाई को पुष्पक एक्सप्रेस से मुंबई जाना था। उनका रिजर्वेशन भी हुआ था। सचिन ने उन्हें सुबह गोरखपुर स्टेशन पर छोड़ा। शाम को वे लखनऊ पहुंचे। देर शाम करीब 8.20 बजे नवीन को चारबाग स्टेशन पर ऑटो की टक्कर लगी। इस पर चालकों से विवाद कर लिया। इस दौरान ऑटो चालक ने उनसे रुपये की मांग की। नवीन ने अपने भाई सचिन को कॉल कर रुपये मांगने के लिए कहा। ऑटो चालक ने सचिन के नंबर पर कॉल कर रुपये की मांग की। सचिन ने वीडियो कॉल करने को कहा। वीडियो कॉल में नवीन एक ऑटो में बैठे थे। कुछ देर बाद ऑटो चालक का मोबाइल बंद हो गया।

नवीन मुंबई नहीं पहुंचे तो 25 जुलाई को सचिन और अन्य परिजन नाका कोतवाली पहुंचे। वहां मामले की जानकारी दी। पुलिस ने दो दिन बाद 27 जुलाई की देर शाम रिपोर्ट दर्ज की गई। अनहोनी की आशंका के चलते पुलिस ने सर्विलांस और सीसी कैमरों की मदद ली। जिसके बाद बुधवार तड़के पुलिस ने बाराबंकी से अजय यादव को दबोच लिया। अजय ने पूछताछ में बताया कि उसने नवीन को मारा-पीटा और सामान लूट लिया था। आरोपी के बयान के बाद पुलिस ने सैकड़ों सीसी कैमरों के फुटेज खंगाली। जिसके आधार पर पुलिस को पता चला कि 25 जुलाई को नवीन का शव आलमबाग बस स्टेशन मेट्रो स्टेशन के बाहर औंधे मुंह मिला था। पुलिस वारदात में शामिल दूसरे साथी की तलाश कर रही है।

शव तक नसीब नहीं हुआ परिजन को

नवीन के परिवार में छोटा भाई सचिन व बूढ़ी मां हैं। कोतवाली पर मौजूद सचिन ने कहा कि पुलिस की लापरवाही के चलते उन्हें भाई का शव तक नसीब नहीं हुआ। वे गोरखपुर कैसे जाएं? मां को क्या बताएंगे कि भइया कहां है? पुलिस की लापरवाही से ही भाई नवीन को मुखाग्नि तक नहीं दे सका। इंस्पेक्टर आलमबाग ने बताया कि 72 घंटे तक शिनाख्त न होने पर मंगलवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

सिर व पैर पर किया गया था वार

नवीन की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर व पैर पर चार चोट और कुछ खरोंचे मिली हैं। सिर के पीछे किए गए वार से उसकी मौत हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह साफ है कि नवीन से लूटपाट के बाद सिर पर डंडे या रॉड से भारी चीज से वार किया गया। बेहोश होने पर उसे फेंक दिया गया। होश में आने पर वे हाफ नेकर व टीशर्ट पहने हुए पैदल बस अड्डा पहुंचे और वहां गिरकर उनकी मौत हो गयी।

पड़ोस के थाना क्षेत्र में मिला था शव, नहीं किए शिनाख्त के प्रयास

आलमबाग और नाका अगल-बगल की कोतवाली हैं। दावा किया जाता है कि गुमशुदा या अज्ञात शव की फोटो जिले और पड़ोसी जिलों के सभी थानों में दी जाती है। लेकिन नवीन मामले में दोनों थानों की पुलिस लापरवाह बनी रही। 25 जुलाई को आलमबाग में शव मिला और मानसिक बताकर शव अज्ञात में पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया। बस अड्डा चौकी प्रभारी ने शिनाख्त के कोई प्रयास नहीं किए। वहीं, नाका पुलिस रविवार को तहरीर लेकर रखे रही और दो दिन बाद मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज की।

तस्करी के गोवंश खरीदने वाला गिरफ्तार

संवाददाता, गोसाईंगंज

- गिरोह में शामिल एक बदमाश पूर्व में मुठभेड़ में हुआ था घायल

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश से गोवंश की तस्करी कर बिहार में खरीदने वाले आरोपी को डीसीपी की सर्विलांस टीम और गोसाईंगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने बिहार के औरंगाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस गिरोह में शामिल पांच आरोपियों को पूर्व में जेल भेज चुकी है

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी इलियास नट उर्फ बादाम औरंगाबाद के बारुण स्थित ग्राम भुइया टोला का रहने वाला है। आरोपी पर गोवध निवारण अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट समेत चार मामले भदोही और गोसाईंगंज थाने में दर्ज है। 5 मई को पूर्वांचल एक्सप्रेस के पास एक ट्रक को पकड़ा गया था। ट्रक में 20 मवेशी बंद थे। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में पुलिस को एक स्विफ्ट डिजायर कार दिखाई दी थी। उसका नंबर भी पुलिस को मिल गया था। पुलिस गिरोह के सरगना और उसके साथियों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान 17 मई की देर रात बेली गांव के पास हुई मुठभेड़ में पशु तस्कर गिरोह के सरगना शोएब उर्फ गैंडा गोली लगने से घायल हो गया था। अगले दिन पुलिस ने उसके साथियों जाबिर, फैजान ,मुनीर आलम और फिरासत को गिरफ्तार कर लिया था।

छानबीन में सामने आया कि गिरोह से अरमान नाम का एक व्यक्ति जुड़ा हुआ है। वह 75 हजार रुपये लेकर राजस्थान, यूपी और बिहार की सीमा पार कराकर बंगाल तक ले जाता है। गिरोह बिहार के औरंगाबाद और सासाराम में डरी नाम के पशु बाजार में 35 से 40 हजार रुपये में बेंच देते थे।

सात छात्र समेत 9 लोग लिफ्ट में फंसे

तीन घंटे बाद दमकल को मिली सूचना, हाइड्रोलिक स्प्रेडर की मदद से गेट तोड़कर सकुशल निकाला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लिफ्ट का तोड़ा गया दरवाजा।

इसी बिल्डिंग की लिफ्ट में हुआ था हादसा। अमृत विचार

- मुंशीपुलिया स्थित मनोरमा रेस्टोरेंट की घटना

अमृत विचार: मुंशीपुलिया के कन्हैया लाल ज्वैलर्स के ऊपर बने मनोरमा रेस्टोरेंट से बर्थ-डे पार्टी मनाकर उतर रहे सात छात्र समेत 9 लोग मंगलवार देर रात करीब 12 बजे लिफ्ट के अंदर फंस गए। काफी देर तक पीड़ित और रेस्टोरेंट संचालक समेत अन्य कर्मचारी लिफ्ट को खोलने के लिए मशक्कत करते रहे, लेकिन गेट नहीं खुला। करीब तीन घंटे बाद दमकल को सूचना दी गई। दमकल कर्मियों ने घंटे भर की मशक्कत के बाद हाइड्रोलिक स्प्रेडर की मदद से लिफ्ट का गेट तोड़कर सभी को सकुशल बाहर निकाल लिया।

तकरोही निवासी सौरभ निजी कॉलेज में स्नातक द्वितीय वर्ष का छात्र है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को दोस्त अमन का जन्मदिन था। अमन ने मुंशीपुलिया रिंग रोड स्थित कन्हैया लाल ज्वैलर्स के ऊपर बने मनोरमा रेस्टोरेंट में बर्थ-डे पार्टी का आयोजन किया था। रात करीब 12 बजे पार्टी कर अमन, अरुण, शिवम, इशांत, सौरभ, आकाश के साथ पार्टी मनाकर लिफ्ट में पहुंचे। लिफ्ट में विपिन व दो अन्य लोग भी थे। नीचे भूतल पर पहुंचते ही लिफ्ट का गेट जाम हो गया।

अंदर फंसे लोगों ने शोर मचाया। काफी मशक्कत की लेकिन गेट नहीं खुला। साथियों ने सूझबूझ दिखाते हुए रेस्टोरेंट के नंबर पर फोन कर सूचना दी। रेस्टोरेंट कर्मचारी और मालिक रजत द्विवेदी निवासी राजाजीपुरम भी आ गए। सभी लोग अंदर-बाहर से प्रयास करते रहे लेकिन गेट नहीं खुला। हालांकि दोनों दरवाजों के बीच हवा आने भर की जगह हो गयी।

गेट न खुलने पर करीब 2:53 बजे दमकल को सूचना दी गई। एफएसओ इंदिरानगर शत्रुघ्न दमकलकर्मियों संग मौके पर पहुंचे। हाइड्रोलिक स्प्रेडर की मदद से लिफ्ट का गेट फैलाया गया। इस बीच वह टूट गया। इसके बाद सभी को सुरक्षित बाहर निकलकर दमकल टीम ने राहत की सांस ली। एफएसओ ने बताया कि लिफ्ट में कुछ तकनीकी खराबी थी, इसी वजह से गेट फंस गया था। लिफ्ट करीब 12 बजे फंसी थी। तीन घंटे बाद दमकल को सूचना दी गई थी।

पहले भी फंस चुकी है यह लिफ्ट

पीड़ितों ने एफएसओ को बताया कि लिफ्ट में कोई गार्ड नहीं रहता था। पहले भी रेस्टोरेंट में आने पर कई बार यह लिफ्ट फंस चुकी है। लेकिन फिर अपने आप सही हो जाती थी। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि इस तकनीकी खराबी को दूर ही नहीं किया गया है।

सड़क हादसे में पत्रकार की मौत के बाद हाथ से सोने की अंगूठी चोरी

संवाददाता, पीजीआई

- पीजीआई ट्रामा सेंटर के सीसीटीवी में दिखाई दी अंगूठी, पंचनामे में हुई गायब
- बेटे ने अस्पताल स्टाफ पर शक जताते हुए दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: सड़क हादसे में वरिष्ठ पत्रकार की मौत के बाद एपेक्स ट्रामा सेंटर की मोर्चरी से शव के हाथ से सोने की अंगूठी चोरी कर ली गयी। अस्पताल पहुंचाने के दौरान पुलिस द्वारा ली गयी फोटो में हाथ में अंगूठी थी, लेकिन पंचनामा के दौरान अंगूठी गायब थी। शांति हवन और अन्य कर्म क्रिया करने के बाद बेटे ने पीजीआई थाने में अस्पताल के दो कर्मियों समेत अन्य पर शक जाहिर करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

वरिष्ठ पत्रकार श्याम नरायण शुक्ला परिवार संग मडियांव के फैजुल्लागंज स्थित लक्ष्मीनगर कॉलोनी में रहते थे। बेटे दिनेश ने बताया कि 11 की सुबह 10 बजे सुशांत गोल्फ स्थित लूलू मॉल के पास किसी काम से गए थे। इसी दौरान सड़क हादसे में श्याम नारायण गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिसकर्मियों ने पीजीआई एपेक्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बेटे ने बताया कि जब पिता के शव को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया था, तब पुलिस ने शव की तस्वीरें ली थीं। इन तस्वीरों में उनके पिता श्याम नारायण शुक्ला के हाथ में एक सोने और दो चांदी की अंगूठियां थी। पंचनामा हुआ तो सोने की अंगूठी नहीं थी। बेटे दिनेश शुक्ला ने पिता के शव का अंतिम संस्कार करने के बाद पीजीआई थाने में शिकायत की। ट्रॉमा सेंटर के सीसी फुटेज में यह स्पष्ट दिखा कि शव पैक होने तक अंगूठी उनके हाथ में मौजूद थी। वहीं, सिक्योरिटी हेड द्वारा बताया गया कि शव को केदार, आशीष और तीन अन्य कर्मचारियों ने पैक किया था। जिसके आधार पर उन कर्मियों पर शक जताते हुए बेटे ने मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज करायी है। परिजन का कहना है कि उन्होंने संबंधित कर्मचारियों से संपर्क किया, लेकिन कोई भी अंगूठी लौटाने को तैयार नहीं है। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस सभी फुटेज को एकत्र कर जांच कर रही है।

खाड़ी देश में नौकरी का झांसा देकर ऐंठे एक लाख

- आरोपियों ने दिया जाली वीजा, ऑफर लेटर व टिकट

अमृत विचार, लखनऊ : खाड़ी देश में नौकरी का झांसा देकर जालसाजों ने ट्रेवेल एजेंसी खोलकर राजस्थान के पीड़ित से करीब एक लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा तो वीजा जाली होने का पता चला। पीड़ित ने विभूतिखंड थाने में चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजस्थान के बासवाड़ा निवासी कांतिलाल ने बताया कि कुछ माह पहले एलडीए कॉलोनी आशियाना निवासी बदरे आलम से मुलाकात हुई। आरोपी और उसके तीन साथियों ने विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 95 हजार रुपये व पासपोर्ट ले लिया। इसके बाद 4 मई का पीड़ित को ऑफर लेटर, वीजा व टिकट थमा दिया। कांतिलाल तय तारीख पर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा तो धोखे का पता चला। पीड़ित ने कॉल की तो नंबर बंद मिला। पीड़ित आरोपी के विभूतिखंड टाटा टॉवर स्थित कार्यालय पहुंचे तो वहां ताला मिला। पीड़ित ने विभूतिखंड थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

नौकरी के नाम पर ठगे एक लाख

अमृत विचार, लखनऊ : नौकरी के लिए ऑनलाइन आवेदन करना योगेश के लिए भारी पड़ गया। जालसाज ने मल्लकासा शिपिंग एजेंसी का कर्मचारी बनकर जहाज पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक से करीब एक लाख रुपये ऐंठ लिए। इंस्पेक्टर बिजनौर अरविंद कुमार राणा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच की जा रही है। सीआरपीएफ गेट नंबर-2 स्थित सैनिक एंक्लेव निवासी योगेश भारद्वाज ने बताया कि नौकरी के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। इसी दौरान उनके पास एक कॉल आयी। फोनकर्ता ने अपना परिचय मल्लकासा शिपिंग एजेंसी का कर्मचारी बताया। आरोपी ने जहाज में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। उसके बाद सिक्योरिटी चार्ज, ट्रेनिंग समेत तमाम मदों के नाम पर 1 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। रुपये लेने के बाद भी योगेश को नौकरी नहीं मिली। रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने टालमटोल की। खोजबीन करते ही पीड़ित कंपनी के साइड आफिस नोएडा गया तो वह बंद मिला। साइबर सेल में शिकायत करने के बाद पीड़ित ने बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चोर बता ग्रामीणों ने पीटा, किया लहूलुहान

संवाददाता, सरोजनीनगर

पिटाई के बाद लहूलुहान युवक।

- वीडियो वायरल, पुलिस ने बंधनमुक्त कराकर किया भर्ती
- बिजनौर थाना क्षेत्र शाहपुर मझिगवां गांव की घटना

अमृत विचार: बिजनौर थाना क्षेत्र के शाहपुर मझिगवां गांव में बुधवार रात करीब 2 बजे एक युवक को ग्रामीणों ने चोर बताकर पकड़ा और मारपीट कर पेड़ में रस्सी से बांध दिया। उसके बाद ग्रामीण उसे डंडे से बेरहमी से पीटते रहे। लहूलुहान होने के बाद भी लोगों के हाथ नहीं रुके और उसे प्रताड़ित करते रहे। एक ग्रामीण ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ लोग गाली-गलौज करते हुए उससे पूछताछ कर रहे हैं। हालांकि बाद में कुछ लोगों ने ग्रामीणों को उसे मारने पीटने से रोका और इसकी सूचना बिजनौर पुलिस को दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने घायल को बंधन मुक्त कराने के बाद लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया।

ग्रामीणों का कहना है कि करीब 27- 28 वर्षीय अज्ञात युवक गांव में रहने वाले परचून दुकानदार सुनील के घर में चोरी के इरादे से बाउंड्री वॉल फांदकर अंदर घुस गया था और वहां लगी खिड़की से कमरे के अंदर झांक रहा था। तभी वहाँ सो रहे सुनील के घर के लोग आहट पाकर नींद से जग गए और उन्होंने उसको दौड़ा लिया। युवक गांव से बाहर भाग कर जंगल में घुस गया। ग्रामीणों का कहना है कि उसके साथ चार अन्य युवक भी थे, लेकिन वह भाग निकले। जबकि बाद में घर में घुसे युवक को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ लिया।

इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राणा का कहना है कि ग्रामीणों ने चोर पकड़ने की सूचना दी थी। पुलिस पहुंची तो ग्रामीणों ने बताया कि वह युवक रात में चोरी की नियत से घर में घुसा था। लोगों ने दौड़ाया तो वह भागने के दौरान खड़ंजे पर गिरकर चोटिल हो गया। इंस्पेक्टर का कहना है कि वीडियो की मदद से पिटाई करने वालों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

चोरी करने वाले तीन धरे गए

संवाददाता, सरोजनीनगर

पुलिस की गिरफ्त में पकड़ा गया आरोपी।

अमृत विचार: बंद मकानों को चिन्हित कर चोरी करने वाले शातिर को बिजनौर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में शामिल दो किशोर को भी पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब चार लाख के जेवर बरामद किए हैं। पुलिस ने चोरी की चार घटनाओं का खुलासा किया है।

इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राणा ने बताया कि 30 मई को पटवारी मोहल्ला स्थित मकान, 5 जुलाई को आर्यकुल कॉलेज के पास रहने वाली रंजना सिंह, 14 जुलाई को चमन कॉलोनी निवासी अली जामिन जैदी और 23 जुलाई को कजियाना मोहल्ला निवासी सैयद मजहर अब्बास रिजवी के घर में लाखों की चोरी हुई थी। पुलिस ने सीसी फुटेज की मदद से पड़ताल शुरू की। मंगलवार देर रात पुलिस ने किसान पथ स्थित माती अंडर पास के पास दो किशोर समेत तीन को धर दबोचा। आरोपी ने अपना नाम नितिन निवासी कंकड़ कुआं बिजनौर बताया।

बाद में इनकी निशानदेही पर तीनों के पास से भारी मात्रा में चोरी के गहने बरामद हुए। जिनकी कुल कीमत लगभग 4 लाख रुपये होगी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तीनों काफी शातिर हैं। वह ज्यादातर बंद पड़े मकान को ही चिन्हित कर घटना अंजाम देते हैं। इनके खिलाफ बिजनौर थाने में कई मामले दर्ज हैं। फिलहाल पकड़े गए युवक नितिन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है। जबकि दोनों बाल अपचारियों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

मैं राजू सिंह पुत्र अक्षनी कुमार सिंह निवासी बैशन पुरवा दा0 व पोस्ट ऐलो थाना पयागपुर जिला बहराइच, मेरा हाई स्कूल अंक पत्र (मार्क शीट) व प्रमाण पत्र दोनो वास्तव में कही खो गया है। जिसका अनुक्रमांक 1987301 है और उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से है।

सूचना

सूचित हो कि कि मेरा हाईस्कूल अंकपत्र व सह प्रमाण पत्र रोल नं0– 2104802 एवं इण्टरमीडिएट अंकपत्र व सहप्रमाणपत्र रोल नं0– 1645545 वास्तव में कहीं खो गये हैं। **पुष्पेन्द्र सिंह पुत्र नित बरन सिंह निवासी मोहम्मदपुर नर्वल, तहसील नर्वल, जिला कानपुर नगर।**

सूचना

मैं सार्वजनिक रूप से सूचित करता हूं कि मेरे पुत्र आदित्य श्रीवास्तव के शैक्षिक प्रपत्रों और अभिलेखों मे पिता का नाम गलती से सन्तोष श्रीवास्तव लिख दिया गया है जबकि मेरा सही नाम सन्तोष कुमार श्रीवास्तव है। इस नाम को सही माना जाना चाहिए। **सन्तोष कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व गिरीश चंद्र श्रीवास्तव निवासी– 268, पटेल नगर, गोंडा– 271001**

सूचना

मैं Ram Sharan Singh S/o Late Indra Pal Singh **निवासी–02, आशा राम बापू रोड, मानस नगर, लखनऊ, उ0प्र0** मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड (डिस्चार्ज बुक व पी0पी0ओ0 S/045738/2010/(Army) (206201000295) में पुत्री का नाम रिची सिंह (Richi Singh) तथा जन्म तिथि 01.01.1991 अंकित है जो कि गलत है। मेरी पुत्री के आधार कार्ड व शैक्षिक प्रमाण पत्रों में उसका नाम रूचि सिंह (Ruchi Singh) तथा जन्म तिथि 21.02.1990 अंकित है जो कि सत्य व सही है।

NOTICE

Publically inform that in the educational forms and records of my son Aditya Srivastava, father's name has been written by mistake as Santosh Srivastava, whereas my correct name is Santosh Kumar Srivastava. This name should be considered correct **Santosh Kumar Srivastava S/O late Girish Chandra Srivastava 268, Patelnagar Gonda- 271001**

सूचना

मेरा पुत्र प्रशांत यादव शादी के बाद गलत सोहबत में पड़ गया। मुझे व मेरी पत्नी को प्रताड़ित करता है। इसलिए मै प्रशांत यादव को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इसके द्वारा किसी भी लेनदेन की मेरी जिम्मेदारी नही होगी। **उदयवीरसिंह पुत्र हाकिम सिंह निवासी भट पुरा पोस्ट धनुआ तहसील – सैंफई इटावा**

सूचना

सूचित हो कि मेरे बैंक खाते में त्रुटिवश मेरा गलत नाम सुभीशा (SHUBHISA) दर्ज है, जबकि मेरे आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों पर मेरा नाम शमीमा खातून (SHAMIMA KHATUN) दर्ज है, जो कि मेरा सही नाम है। अतः मेरे उपरोक्त बैंक खाते में मेरा नाम सुभीशा (SHUBHISA) के स्थान पर शमीमा खातून (SHAMIMA KHATUN) दर्ज किया जाये। **शमीमा खातून पत्नी नईम अहमद निवासिनी मोहल्ला मुंशीगंज कस्बा व परगना व तहसील मलिहाबाद, जिला लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस पर मेरा नाम सिद्दीक अहमद उर्फ कल्लू अंकित है जो कि गलत है। जबकि मेरे आधार कार्ड व बैंक पास बुक व अन्य दस्तावेजों पर मेरा सही नाम कल्लू अंकित है। अतः ड्राइविंग लाइसेंस पर मेरा नाम कल्लू दर्ज किया जाये। **कल्लू पुत्र अख्तर निवासी ग्राम– ममरेजपुर परगना व तहसील सण्डीला जनपद हरदोई।**

कहासुनी में परिवार पर हमला, दो भाई गंभीर

संवाददाता, आशियाना

- मां की तहरीर पर 18 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: थाना क्षेत्र स्थित रश्मि खंड शारदा नगर में मंगलवार शाम एक परिवार पर दबंग पड़ोसी और किरायेदार ने लाठी, डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में सिर फटने से दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक की हालत नाजुक बनी हुई है। आशियाना पुलिस ने 18 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह ने बताया कि मामले की जांच कर जा रही है।

रश्मि खंड निवासी मीना तिवारी ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 7 बजे पति मोलहू राम से पड़ोसी के किरायेदार विशाल, केशव और एक अन्य युवक ने स्कूटी हटाने को लेकर विवाद शुरू किया। गाली गलौज सुनकर उनके बेटे प्रदीप और दिलीप तिवारी बाहर आए तो आरोपियों उन्हें धमकाया। इसके बाद मौके पर पड़ोसी वरुण, उसके पिता, भाई, मां, पिंटू और उनके अन्य साथी पहुंच गए। सभी ने मिलकर मीना के पूरे परिवार पर डंडे व धारदार हथियार से हमला कर दिया।

मारपीट में सिर फटने से दिलीप खून से लथपथ होकर बेहोश हो गया, जबकि प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही आशियाना पुलिस मौके पर पहुंची। आरोप है कि पुलिस के सामने भी आरोपी धमकाते हुए गए। पीड़िता ने आशियाना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मुनाफे का लालच देकर युवक से 4.42 लाख ठगे

अमृत विचार, पीजीआई : तेलीबाग स्थित न्यू बलदेव विहार निवासी अमित कुमार अटल ने बताया कि कुछ दिनों पहले व्हाट्सएप पर एक महिला ने अपना परिचय सान्वी के तौर पर दिया। खुद को यूएस डॉलर ट्रेडिंग और क्रिप्टो करेंसी विशेषज्ञ बताते हुए अमित को एक डेक्स ट्रेड पोर्टल का लिंक भेजकर उनकी आईडी रजिस्टर्ड करायी। उसके बाद निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर कई बैंक खातों में 4,42,480 रुपये जमा कराए गए। ग्रुप का एडमिन नितेश खुद को मेंटर बताकर निवेश का संचालन करता रहा। इसके बाद जब अमित की पोर्टल आईडी पर 37528.34 यूएसडीटी का लाभ दिखाया गया। पीड़ित ने रुपये निकालने का प्रयास किया तो उनसे साढ़े सात लाख रुपये और जमा करने को कहा गया। शक होने पर पीड़ित ने छानबीन की तो पता चला कि उनके साथ ठगी हुई है।

इंटरलॉक उखाड़कर 24 लाख की चोरी

अमृत विचार, लखनऊ: बीबीडी थाना क्षेत्र के गोयल इंक्लेव में निजी कंपनी के सेल्स मैनेजर के फ्लैट का इंटरलॉक उखाड़कर चोरों ने जेवर, नकदी समेत करीब 24 लाख के माल पर हाथ साफ कर दिया। गोयल इंक्लेव फेज-2 निवासी रविशंकर पांडेय जेके सीमेंट में एरिया सेल्स मैनेजर हैं। उक्त आवास पर उनकी मां रंभा पांडेय और पिता देवकुमार रहते हैं। 4 जुलाई को बुजुर्ग दंपति पैतृक निवास बिहार गए थे। रविशंकर ने बताया कि मां ने पौधों में पानी डालने के लिए फ्लैट की चाभी नौकरानी रीना को दी थी। 27 जुलाई को रीना पहुंची तो इंटरलॉक उखड़ा हुआ था। उसने मां और पड़ोसियों को सूचना दी। खबर मिलते ही रविशंकर लखनऊ पहुंचे। जानकारी मिलते ही पुलिस भी पहुंच गयी। पीड़ित ने बताया कि चोरों ने लॉकर तोड़कर करीब 23 लाख के जेवर, रुपये और कपड़े समेत करीब 24 लाख का माल चोरी किया है।

वहीं, चिनहट के गोविंद विहार कॉलोनी निवासी उपनिरीक्षक संदीप सिंह के हिमसिटी एंक्लेव पार्ट-3 में निर्माणाधीन मकान में चोरी की सूचना मिली। पता चला कि चोरों ने मुख्य द्वार व अंदर का दरवाजे का लॉक तोड़कर वॉयर समेत लाखों का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने छानबीन कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सर्वोदय नगर स्थित होटल में सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था अभिव्यक्ति वीमेन ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित रिमझिम सावन कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली महिलाएं। अमृत विचार

गीतों से बरसा सावन, अंधियारी हुई भादों की रैन

अभिव्यक्ति वीमेन ग्रुप के कार्यक्रम में महिलाओं ने किया रैंप वॉक, नृत्य-नाटिका से दिया पेड़ों की सुरक्षा का संदेश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था अभिव्यक्ति वीमेन ग्रुप के तत्वावधान में बुधवार शाम लिबर्टी कॉलोनी पार्क सर्वोदय नगर में रिमझिम सावन आयो री कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें महिलाओं ने कजरी और सावन के गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं और सावन के उल्लास में झूमीं। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि नम्रता पाठक और विशिष्ट अतिथि अनुपमा अवस्थी ने दीप जलाकर की संगीतबद्ध संध्या की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद माधुरी पांडे, हेमा श्रीवास्तव, रजनी तिवारी, इंदु मिश्रा, सरिता पाठक और अराधना गुप्ता ने सखि बरसे झमाझम पानी नथुनिया से बूंद टपके और अरे रामा भादों रैन अंधियारी जैसे पारंपरिक गीतों की प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद सबीहा, चेतना, रीता सिन्हा, स्वपनिका, गुंजन, अर्चना, सपना, रीटा, रजनी, माधुरी, ज्योती, अलका, शालिनी और नम्रता ने कुछ कहता है ये सावन गीत पर आकर्षक सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। रीटा पुरी, शालिनी, सपना, ज्योती, अलका, हेमा, दीपा सहित कई महिलाओं ने बरसे सावन की रिमझिम फुहार पर झूला गीतों के साथ नृत्य कर समां बांध दिया। महिलाओं ने सावन के फिल्मी गीतों पर रैंप वॉक किया। पेड़ों की सुरक्षा पर आधारित एक नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति भी दी।

मटकी फोड़ी, डांस किया

अमृत विचार : गोमती नगर स्थित चितवन पार्क-3 में महिलाओं ने सावन और हरियाली तीज का उत्सव मनाया। शुरुआत मातृशक्ति ने भगवान शिव-पार्वती को नमन कर की। इसके बाद म्यूजिकल चेयर, मटकी फोड़, डांस व सिंगिंग प्रतियोगिताएं, अंताक्षरी आदि खेलों का आयोजन हुआ। डांस भी किया। ललिता वर्मा, सुनीता कनवाल, रेखा सिंह, सीमा सिंह, मीरा ओझा, बिमला मद्धेशिया, रंजना, निकी शर्मा, राजरेखा, लता, सबा, संगीता आदि ने भाग लिया।

सिटी डायरी

डीजीपी को सुझाव पत्र देते व्यापारी नेता। अमृत विचार

व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की नियमित बैठक के लिए डीजी से मिले कारोबारी

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के नेतृत्व में व्यापारी पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण से मिले और बैठक की। इसमें व्यापारी नेता ने पुलिस और व्यापारी में बेहतर तालमेल और सामंजस्य बनाने के लिए पांच सूत्री सुझाव पत्र दिया। इनमें व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ कि प्रत्येक माह प्रत्येक जनपद में होने वाली बैठक सुनिश्चित कराई जाएं। किसी भी थाने या पुलिस कार्यालय पर उद्यमी के जाने पर उसके साथ सम्मानजनक व्यवहार हो। सराफा के बाजारों में विशेष सुरक्षा और पुलिस गश्त की व्यवस्था की जाए। किसी भी बाजार से अतिक्रमण हटा गया है तो उसे दोबारा ना लगने दिया जाए। लखनऊ महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, राष्ट्रीय मंत्री प्रदीप अग्रवाल, आकाश गौतम, अश्वन वर्मा, राजीव अरोड़ा, संजय निधि अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से रहे।

कार्यक्रम में शामिल विशेषज्ञ व स्टाफ।

केजीएमयू में कार्यशाला का समापन

अमृत विचार, लखनऊ : केजीएमयू के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से डिप्थीरिया, पर्टुसिस और टायफॉइड के निदान पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। आयोजन सचिव डॉ. शीतल वर्मा और डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कार्यशाला का उद्देश्य डिप्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी), और टायफॉइड जैसी बीमारियों के सटीक, त्वरित और विश्वसनीय प्रयोगशाला निदान में स्वास्थ्यकर्मियों और प्रयोगशाला विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करना है। विभागाध्यक्ष प्रो. विमला वेंकटेश ने संचालन किया। विशेषज्ञ डॉ. दीपा शर्मा सहित भोपाल, पटना, रायपुर, पुडुचेरी, चंडीगढ़, कोलकाता और जयपुर से आए विशेषज्ञों ने जानकारी साझा की।

पौधरोपण करते आरएएफ के जवान।

आरएएफ ने किया पौधरोपण

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर स्थित 91वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल (आरएएफ) ने बुधवार को वृहद पौधरोपण अभियान चलाकर आम, अमरूद और जामुन जैसे फलदार पौधे लगाए। जितेंद्र कुमार ओझा के नेतृत्व में चले अभियान में द्रुत कार्य बल रेंज 3, देहरादून के उपमहानिरीक्षक बिजोय घोष मुख्य अतिथि रहे। 91वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल के द्वितीय कमान अधिकारी मयंक तिवारी, उप कमांडेंट आलोक कुमार, योगेश पांडेय और अरुण तिवारी सहित कई अधिकारी और जवान मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य न केवल पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाना था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन सामान्य में जागरूकता भी उत्पन्न करना रहा।

उत्तर प्रदेश टेंट कैटर्स एंड डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन इंदिरानगर जोन की बैठक हुई।

टेंट कैटर्स एसोसिएशन की बैठक में बनी नीति

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश टेंट कैटर्स एंड डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन इंदिरानगर जोन की बैठक हुई। इसमें सितंबर में होने वाले अधिवेशन एवं वेडिंग एक्स्पो के लिए व्यापारियों को जागरुकता किया गया। अध्यक्ष विजय कुमार, नगर अध्यक्ष कीर्ति चौधरी, महामंत्री नित्य जयसवाल, कोषाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, संगठन मंत्री महेश शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजू, गुड्डू श्रीवास्तव, संरक्षा सौरव दुबे, चेयरमैन संजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

सर्वेश पाटिल को सम्मानित करते सीएमओ।

नेत्र परीक्षण अधिकारी सर्वेश पाटिल सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता एवं दृष्टिदोष निवारण कार्यक्रम के तहत जिला स्वास्थ्य समिति ने सीएमओ कार्यालय के सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया। इसमें वर्ष 2024-25 में बच्चों, बुजुर्गों को नि:शुल्क चश्मा वितरण कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिए अपर निदेशक कार्यालय में कार्यरत नेत्र परीक्षण अधिकारी सर्वेश पाटिल को सीएमओ डॉ. एनबी सिंह और एसीएमओ डॉ. बीके यादव ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पाटिल यूपी ऑप्ट्रोमेट्रिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। सर्वेश के अलावा अन्य कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

पुनर्वास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय वेबीनार संपन्न

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र में राष्ट्रीय पुनर्वास संगोष्ठी श्रृंखला के अंतर्गत एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन "कूल्हे का विच्छेदन : कृत्रिम अंग एक नैदानिक समीक्षा एवं प्रगति" विषय पर संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में अभिषेक त्रिपाठी, कनिष्ठ प्रबंधक, प्रधान मंत्री दिव्याशा केंद्र, अलीमको, पटना ने अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किया। वेबीनार का समन्वयन कुमारपाल सिंह, सहायक आचार्य, तथा संयोजन डॉ. रणजीत कुमार कार्यशाला प्रबंधक द्वारा किया गया।

पहले दिन कैडेटों ने कराया बायोमैट्रिक रजिस्ट्रेशन

अमृत विचार, लखनऊ : एनसीसी ग्रुप लखनऊ की 19 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी का बुधवार को 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शुरू हुआ। छावनी स्थित सेना चिकित्सा कोर केंद्र एवं कॉलेज के नंबर 2 सैन्य प्रशिक्षण बटालियन के मैदान पर कैडेटों का बायोमैट्रिक रजिस्ट्रेशन एवं डॉक्यूमेंटेशन किया गया। शुरुआत कमान अधिकारी एवं शिविर के कमांडेंट कर्नल डॉ. दिनेश कुमार पाठक ने की।

पौधरोपण के लिए किया गया आग्रह

अमृत विचार, लखनऊ : गंगा समग्र अवध प्रांतअशरफ़ बिहार कॉलोनी गोमती नगर में पौधरोपण व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रांत के संगठन मंत्री लालजी ने अधिक से अधिक छायादार वृक्ष एवं हरिसंकरी पौधे लगाने का आग्रह किया। प्रांत के संगठन मंत्री लालजी, प्रान्त संयोजक तीर्थराज, दिव्या पाण्डेय, चंडी प्रताप सिंह, धनंजय सिंह, शशि प्रकाश, घनश्याम तिवारी, अनिल पाल, अमन राय, सदाकत अली, पंकज सिंह, विवेक तिवारी, मुन्ना, सुभम सिंह, अनुराधा शर्मा गंगा सेविका आरती आयाम प्रमुख, नीता गुप्ता, ममता सक्सेना, संदीप चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

व्यापारियों के लिए योगी कार्यकाल स्वर्णिम : कंछल

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में अब तक का सर्वाधिक सफल मुख्यमंत्री बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में फैली आराजकता, गुंडागर्दी, माफियाराज और तानाशाही को पूर्णतः समाप्त कर व्यापारियों को व्यापार करने के लिए सुरक्षित और भयमुक्त माहौल प्रदान कराया है। उनका यह कार्यकाल पूर्ण रूप से सेवा, सुशासन, व्यापारी हित और जनकल्याण को समर्पित रहा है।

नाटक का मंचन कर दिखाया बेगम हजरत महल का साहस व बलिदान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- संत गाडगे प्रेक्षागृह में समाज सेवियों को किया गया सम्मानित

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी और उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक नाटक 'बेगम हजरत महल' का मंचन संत गाडगे प्रेक्षागृह में किया गया। इसमें 1857 की स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना बेगम हजरत महल के साहस, बलिदान और नेतृत्व को प्रस्तुत करता है।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि संरक्षक यूपीएए नितिन मिश्रा और सेक्रेटरी, उप्र उर्दू अकादमी शौकत अली ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान वाले सरदार सोबरन सिंह, रफी अहमद, पॉल रॉबिंसन, आचार्य राजीव शुक्ला, डॉ. एपी जैन, जुनैद खान, एंथोनी सिंह, अंशिमा चौधरी श्रीवास्तव, फिरदौस सिद्दीकी, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, पुनीत कनौजिया, अंजली श्रीवास्तव व अमित श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। नाटक की विशेषता इसकी संवाद अदायगी, वेशभूषा, प्रकाश और संगीत संयोजन रहा, जिसने दर्शकों को 19वीं सदी के वातावरण में पहुंचा दिया। बेगम हजरत महल की भूमिका तनिष्क शर्मा ने सशक्त रूप से निभाई। लेखक वामिक खान ने इसे इतिहास से जोड़ने वाला नहीं, बल्कि नारी सम्मान व प्रेरणा का माध्यम बताया। निर्देशक युसूफ खान ने कहा, यह प्रस्तुति आत्मगौरव और देशभक्ति की भावना से भर देती है।

गुलेरी की स्मृति में समारोह में सम्मानित की गईं विभूतियां। अमृत विचार

साहित्य विभूतियों की स्मृति में संगोष्ठी आयोजित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान में बुधवार को गोस्वामी तुलसीदास, परशुराम चतुर्वेदी, मुंशी प्रेमचन्द और चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की स्मृति में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हिन्दी संस्थान की संस्थापक अमिता दुबे, नरेन्द्र भूषण, डॉ. हरिशंकर मिश्र और अलका पांडेय उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथि डॉ. हरिशंकर मिश्र ने तुलसीदास को प्रेरणा पुरुष बताते हुए उनके लोकमंगलकारी साहित्य पर प्रकाश डाला। असित चतुर्वेदी ने आचार्य परशुराम चतुर्वेदी की संत परंपरा पर आधारित कृतियों को अमूल्य धरोहर बताया। नरेन्द्र भूषण ने प्रेमचन्द को सामाजिक यथार्थ और देशभक्ति का साहित्यिक प्रतिनिधि करार दिया, जबकि डॉ. अलका पाण्डेय ने गुलेरी की ''उसने कहा था'' जैसी रचनाओं को हिंदी कहानी का मील का पत्थर बताया। इस अवसर पर तुलसी रचनाओं पर आधारित संगीतमय प्रस्तुति डॉ. पूनम श्रीवास्तव व उनकी टीम द्वारा दी गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता दुबे ने किया तथा सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

दिव्यांगजनों की मांगों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

विधानभवन के सामने हिरासत में लेकर पुलिस ने अस्थायी जेल ईको गार्डन भेजा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश कांग्रेस के निशक्तजन प्रकोष्ठ ने बुधवार को दिव्यांगजनों की 26 सूत्री मांगों को लेकर विधानभवन के सामने प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर अस्थायी जेल ईको गार्डन भेज दिया।

प्रकोष्ठ के चेयरमैन मनीष प्रसाद श्रीवास्तव ने बताया कि दिव्यांगजनों की भर्ती, पेंशन 5000 रुपये प्रतिमाह करने, आयुष्मान कार्ड बनाने, रोजगार के लिए दुकानों का आवंटन करने और थानों में दिव्यांग अधिनियम के बोर्ड लगाए जैसी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात प्रशासन ने कई पदाधिकारियों को हाउस अरेस्ट कर लिया था। इसके बावजूद बड़ी संख्या में विधानभवन पहुंचे। चेयनमैन ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार दिव्यांगों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उपाध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा व महिला कार्यकर्ता अल्पना कुमारी को पुलिस ने जबरन गाड़ियों में बैठाया। प्रदर्शन में राजकुमार यादव, रेखा पाण्डेय, मनीष तिवारी, बृजेन्द्र कुमार समेत कई पदाधिकारी शामिल रहे।

प्रदर्शन में शामिल होने जाते कांग्रेस के निशक्तजन प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को रोकते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

जनसेवक जयवीर पुस्तक का हुआ विमोचन

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के जीवन, संघर्ष और लोकसेवा को समर्पित पुस्तक 'जनसेवक जयवीर' का लोकार्पण बुधवार को गोमतीनगर स्थित बौद्ध शोध संस्थान में वैदिक मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के साथ हुआ। प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक के विमोचन समारोह में शिक्षा, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। स्वागत भाषण में प्रकाशक डॉ. पीयूष कुमार ने कहा कि यह पुस्तक एक जनप्रतिनिधि की गहन जीवन-यात्रा का दस्तावेज है। जननायक जयवीर सिंह पर आधारित लघु फिल्म भी प्रस्तुत की गई। मुख्य अतिथि कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि जयवीर सिंह का जीवन राजनीति और जनसेवा का संतुलित उदाहरण है। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह और विशिष्ट अतिथि जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य ने मंत्री जयवीर सिंह के कार्यों को सनातन मूल्यों की पुनर्स्थापना की दिशा में बताया। पुस्तक के लेखक डॉ. वीरेंद्र कुमार और डॉ. सारिका ने बताया कि यह चार खंडों में विभाजित पुस्तक मंत्री की विचारधारा, संघर्ष और योगदान को समर्पित है।

सड़क पर बिखरा मिला कूड़ा

अमृत विचार, लखनऊ : शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर आयुक्त गौरव कुमार के सख्त निर्देश के बाद बुधवार को अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने जोनल अधिकारी जोन आठ के साथ वृंदावन योजना कालोनी के सेक्टर 8 का निरीक्षण किया। सफाई कर्मचारी नियमित रूप से सफाई करते नहीं मिले, न ही वर्दी पहनी थी। कूड़ा सड़क पर बिखरा मिला। स्थानीय निवासियों ने बताया कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की गाड़ी एक दिन छोड़कर आती है। साथ ही गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग नहीं उठाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में दो ट्रक कबाड़ जमा पाया। जबकि एक महीने पहले ही शिकायत मिलने पर क्षेत्र से 10 ट्रकों से कबाड़ उठवाया था। इस लापरवाही और नियमों के उल्लंघन को देखते हुए संस्था लॉयन इन्वायरो पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में कोई लापरवाही मिली तो कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त को जोन 5 के गुरू नानक नगर वार्ड के सुंदर नगर, नटखेड़ा रोड में मुख्य मार्ग पर गंदगी मिली।

रेलवे | रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक में सदस्यों ने रखीं महत्वपूर्ण बातें

रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति में यात्री सुविधाओं के आए सुझाव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित सभागार में आज ''मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति'' (डीआरयूसीसी) की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा ने की। समिति के सभी सदस्य, अपर मंडल रेल प्रबंधक नीलिमा सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कुलदीप तिवारी और उत्तर रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डीआरयूसीसी सदस्यों ने रेलवे सुविधाओं को और बेहतर करने की सलाह दी। लखनऊ स्टेशन के सभी

प्लेटफार्म पर अंतिम छोर तक शेड नहीं हैं। ऐसे में यात्रियों के बारिश में भीगने का मुद्दा प्रभु जालान ने उठाया। उन्होंने गर्मी में प्याऊ एवं वाटर बूथ की संख्या बढ़ाने, खानपान स्टालों पर ओवरचार्जिंग रोकने, स्टेशन के तीनों प्रवेश व निकास प्वाइंट पर लगेज स्कैनर लगाने का सुझाव दिया। बैठक में डीआरएम ने प्रमुख उपलब्धियों व चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने यात्रियों की सुविधाओं से जुड़ी कमियों को दूर करने के सुझावों का स्वागत करते हुए, सभी बिंदुओं पर संज्ञान लेने और आवश्यकतानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया।

डीआरयूसीसी सदस्यों के सुझाव

- डीआरयूसीसी सदस्य प्रभु जालान ने लखनऊ रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 9 तथा सेकंड एंट्री को ओर एंट्री पॉइंट पर बैगेज स्कैनर की व्यवस्था सुनिश्चित करने का सुझाव दिया।
- सुधीर मिश्र ने चारबाग रेलवे स्टेशन पर एम्बुलेंस की समुचित व्यवस्था किए जाने का अनुरोध किया।
- हरिबंश मिश्रा ने लखनऊ रेलवे स्टेशन पर उत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर रेलवे के लिए पृथक दिशा सूचक बोर्ड की व्यवस्था की आवश्यकता जताई।
- राजेंद्र प्रसाद सविता ने मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, लखनऊ में कर्मचारियों के लिए कैन्टीन की समुचित व्यवस्था की मांग उठायी।
- संदीप अग्रवाल ने स्टेशनों पर दिव्यांग यात्रियों के लिए पर्याप्त संख्या में रैंप व एस्केलेटर की व्यवस्था किए जाने की मांग की।
- डी.आर.यू.सी.सी सदस्य राजेश सिंह द्वारा महाराजा बिजली पासी रेलवे स्टेशन (निहालगढ़) पर दिव्यांग यात्रियों के लिए एस्केलेटर एवं कोच डिस्प्ले सिस्टम की सुविधा की मांग रखी।

बैठक में चारबाग स्टेशन पर एम्बुलेंस व्यवस्था, स्टेशनों पर दिव्यांग यात्रियों के लिए रैंप व एस्केलेटर, अमेठी में शौचालय की स्थिति, आलमनगर व मानकनगर में ट्रेनों के ठहराव, प्लेटफार्मों पर बैगेज स्कैनर, साइन बोर्ड, ट्रेन स्टेटस से संबंधित एसएमएस सेवा, इंटरसिटी एक्सप्रेस और वंदे भारत के ठहराव जैसे मुद्दे उठे।

डॉ. देवाशीष शुक्ला बने बलरामपुर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- डॉ. हिमांशु को बनाया सीएमएस

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. देवाशीष शुक्ला अस्पताल का चिकित्सा अधीक्षक बनाया गया है। मौजूदा चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी को सीएमएस की जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. शुक्ला कल्याण सिंह कैंसर संस्थान व लोहिया संस्थान में चिकित्सा अधीक्षक भी रह चुके हैं। विशेष सचिव आर्यका अखौरी ने चिकित्सा अधीक्षक का आदेश जारी कर दिया है। गुरुवार को डॉ. शुक्ला पदभार ग्रहण करेंगे। उन्होंने कहा कि निदेशक के निर्देशन में

डॉ.देवाशीष शुक्ला

डॉ.हिमांशु चतुर्वेदी

अस्पताल की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाएंगे। इसमें डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ व कर्मचारियों का सहयोग जरूरी है। ओपीडी से लेकर वार्ड तक को सुविधाओं से लैस किया जाएगा। दवा और जांच की लाइन को कैसे कम किया जाए, इस दिशा में भी काम किया जाएगा।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 31 जुलाई 2025

सिटी ब्रीफ

नेशनल पीजी शुरू करेगा अप्रेंटिसशिप डिग्री प्रोग्राम

अमृत विचार, लखनऊ : नेशनल पीजी कॉलेज ने अखिल भारतीय शिक्षा समागम में बोट एनएच के साथ एक समझौता किया है जिसके तहत महाविद्यालय में अप्रेंटिशिप डिग्री प्रोग्राम शुरू करने की सहमति बनी है। यह समझौता नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किया गया है। इस समझौते का उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्र की जरूरतों के हिसाब से पाठ्यक्रम को बढ़ावा देना और अधिक से अधिक छात्रों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर नेशनल पी. जी. कॉलेज की ओर से प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे।

प्रौद्योगिकी व कौशल विकास पर हुई कार्यशाला

अमृत विचार, लखनऊ : प्रौद्योगिकी व कौशल विकास के माध्यम से 21वीं सदी के भावी विद्यालयों की संरचना विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। सीबीएसई से संबद्ध 60 से अधिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व शिक्षाविदों ने इस कार्यशाला में भाग लिया और आधुनिक शिक्षण प्रक्रियाओं में तकनीकी एवं कौशल विकास के समावेशन पर विचार विमर्श किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. जावेद आलम खान, बी. सिंह, डॉ. प्रेरणा मित्रा, ऋचा खन्ना, हेमा कालाकोटी, डॉ. रुपाली पटेल, डॉ. रीना पाठक, पूनम गौतम, शर्मिला सिंह, शैफालिका मिश्रा व अवनी कमल उपस्थित रहे।

प्रक्रिया में मदद हेतु एनईपी सारथी हेल्प डेस्क बना

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया में विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से एनईपी सारथी हेल्प डेस्क की स्थापना की गई। यह हेल्प डेस्क एनईपी 2020 इंप्लीमेंटेशन कमेटी, बीबीएयू की चेयरपर्सन प्रो. संगीता सक्सेना एवं नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा के नेतृत्व एवं सहयोग से संचालित की गयी। हेल्प डेस्क के माध्यम से न केवल परामर्श प्रक्रिया में आए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों और इससे होने वाले लाभों के प्रति भी जागरूक किया गया।

योग व वैकल्पिक चिकित्सा संकाय में हुई परिचय बैठक

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर जानकीपुरम में बीए, बीएससी (योग) प्रथम सेमेस्टर सत्र 2025-26 के नवप्रवेशी छात्रों व शिक्षकों का परस्पर परिचय बैठक हुआ। जिसमें शिक्षकों ने नवप्रवेशी छात्रों को संकाय के नियमों से अवगत कराया। इसके बाद कक्षाएं आरंभ की गई।

शिक्षिका के निधन पर शोक

अमृत विचार, लखनऊ : महिला महाविद्यालय से अवकाश प्राप्त शिक्षिका डॉ. समता जौहरी के निधन सूचना में शिक्षकों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को भैसाकुंड पर किया गया। लुआक्टा ने अध्यक्ष डॉ. मनोज पाण्डेय और महामंत्री डॉ. अंशू केडिया ने उनके निधन पर गहरा शोक प्रगट किया है। डॉ. समता जौहरी के पति प्रो. एएम सक्सेना लखनऊ विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के पद पर कार्यरत रहे है।

सांस्कृतिक साक्षी हों शोधार्थी : प्रो. सिंह

अमृत विचार, लखनऊ : अंग्रेज़ी और विदेशी भाषाएं विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय परिसर द्वारा मानविकी अध्ययन भाषा, साहित्य और अंग्रेज़ी भाषा शिक्षा में प्रवृत्तियां विषय पर दो दिवसीय युवा शोधार्थी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य शोध के क्षेत्र में सक्रिय पीएचडी विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान करना है जहां वे समाज भाषाविज्ञान, बहुभाषिकता, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, अनुवाद अध्ययन, उपनिवेशोत्तर और आदिवासी साहित्य, डिजिटल मानविकी, शिक्षाशास्त्र और सबऑल्टर्न अध्ययन जैसे विविध समसामयिक विषयों पर अपने शोध प्रस्तुत कर सकें।

सिंड्रा आईपीआर क्लब जीते

अमृत विचार, लखनऊ : क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ की देखरेख में डॉ. अखिलेश दास टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबले बुधवार से फिर शुरू हुए। पहले बारिश और फिर एसोसिएशन के चुनाव के चलते मुकाबले पिछले एक हफ्ते से आयोजित नहीं किये जा सके। आज खेले गए लीग मुकाबलों में सिंड्रा क्रिकेट एकेडमी और आईपीआरके क्रिकेट क्लब ने जीत के साथ पूरे अंक हासिल किए।

छात्रावास की फीस बढ़ोत्तरी पर छात्रों में आक्रोश

समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई के छात्रों ने प्रदर्शन कर जताया विरोध

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रावासों की फीस बढोत्तरी को लेकर छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि छात्रावास आवंटन में मनमानी की जा रही है। समाजवादी छात्र सभा से जुड़े छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा महिला छात्रावास आवंटन में फरमान जारी किया गया जिसमें सोशल मीडिया पर हॉस्टल संबंधित बातों को प्रसारित करने पर कार्यवाही के रूप में निष्कासित तक किया जा सकता है। वहीं, दूसरी तरफ छात्रावासों की फीस में 2000 रुपए की वृद्धि की जा रहीं थीं। इसके विरोध में छात्र सभा ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण का कार्यालय घेराव किया और ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगे रखी। प्रशासन ने कमेटी गठित कर फीस वृद्धि का फैसला वापस ले लिया है और छात्रावास में जारी किए जाने वाले लेटर को वापस लिया है। अब पुरानी प्रक्रिया के तहत ही पुरुष और महिला छात्रावासों में आवंटन प्रकिया कराने का निर्णय लिया गया है। ईकाई अध्यक्ष प्रिंस कुमार ने बताया कि प्रशासन द्वारा छात्र हितों में लिए गए फैसले का हम स्वागत करते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव व शोध छात्र अभिषेक श्रीवास्तव, अक्षय यादव, सतीश चंद्र, अविनाश यादव, आदित्य पांडे, रोहित यादव, शिवा यादव, धर्मेंद्र, नीतीश, अनमोल राय, रुद्रवीर, प्रभात, शिव पूजन, विकास पटेल, अक्षत आदि छात्र मौजूद रहे।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण को ज्ञापन सौंपते समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ता।

साइकिल चलाकर विरोध करते एनएसयूआई कार्यकर्ता। अमृत विचार

एनएसयूआई ने साइकिल रैली से किया विरोध

विश्वविद्यालय में एनएसयूआई द्वारा हास्टल में मेस कॉशन फीस के नाम पर 2000 रुपए अधिक लेने पर विरोध करते हुए साईकिल यात्रा निकाली। कार्यकर्ताओं ने महिला छात्रावासों में जारी किए गए नियमों के खिलाफ प्रशासन को घेरा और चेतावनी दी कि अगर इन नियमों को वापस नहीं लिया गया तो संगठन आंदोलन करेगी। राष्ट्रीय संयोजक विशाल सिंह, शुभम खरवार, इकाई उपाध्यक्ष हर्षित शुक्ला एवं उपाध्यक्ष शोएब अलि, विशाल कुमार आदि छात्र मौजूद रहे।

लर्निंग बाई डूइंग से संवरेगी बेसिक शिक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **विज्ञान व गणित शिक्षकों को प्रयोगधर्मी और तकनीकी दक्ष बनाया जाएगा**

अमृत विचार: शिक्षा को नवाचार और व्यावहारिकता से जोड़ने की दिशा में एक नई पहल की जा रही है। 'लर्निंग बाई डूइंग' कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य सरकार अब शिक्षकों को भी प्रयोगधर्मी और तकनीकी दक्षता से संपन्न बनाने की ओर अग्रसर है। समग्र शिक्षा अभियान और पीएम श्री योजना के तहत चयनित विद्यालयों के विज्ञान व गणित शिक्षकों, तकनीकी अनुदेशकों, डायट के मास्टर ट्रेनर्स के साथ-साथ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की शिक्षिकाओं को भी इस प्रशिक्षण में शामिल किया गया है। लखनऊ स्थित उद्यमिता विकास संस्थान और दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में आयोजित इस चरणबद्ध आवासीय प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से लैस कर विद्यार्थियों के लिए कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी, रोचक और सीखने योग्य बनाना है। यूनिसेफ और स्टार फोरम विज्ञान आश्रम द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किये जाने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत 5 अगस्त से होकर विभिन्न चरणों में 18 मार्च 2026 तक चलेगी।

> लर्निंग बाई डूइंग कार्यक्रम प्रदेश के शिक्षा तंत्र को एक नई दिशा देने जा रहा है। यह पहल न केवल शिक्षकों को शिक्षण में दक्ष बनाएगी, बल्कि छात्र-छात्राओं को भी प्रयोग आधारित, रुचिकर और तार्किक शिक्षण का अनुभव प्रदान करेगी।
>
> — संदीप सिंह, बेसिक शिक्षा मंत्री, उप्र

बीटेक में अभ्यर्थियों को हुई सीट आवंटित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **एकेटीयू और संबद्ध कॉलेजो में सीटें हुई आवंटित**

अमृत विचार: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों के बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया के तहत जेईई की रैंकिंग के आधार पर बुधवार को 33333 अभ्यर्थियों को सीट आवंटित हुई। 41951 ने च्वॉइस फिलिंग भरी थी। सीट कंफर्मेशन और ऑनलाइन विलिंगनेस फ्रीज या फ्लोट 30 जुलाई से एक अगस्त तक होगा। विश्वविद्यालय परिसर में सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज में इस सत्र से बीटेक शुरू किया जा रहा है। इसमें कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस इन एआई एंड एमएल, वीएलएसआई डिजाइन और मैकेनिकल एंड मेकाट्रॉनिक्स ब्रांच में 180 सीट है। जिसमें से पहले राउंड की काउंसलिंग में 171 सीटें आवंटित हो गयी है।

इसी तरह सरकारी कॉलेजों में बीआइटी झांसी में 557, उत्तर प्रदेश टेक्ससाइल्स टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट कानपुर में 244, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी लखनउ में 606, केएनआईटी सुल्तानपुर में 487, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पेट टेक्नोलॉजी भदोही में 35, आरईसी बांदा में 187, आरईसी बिजनौर में 168, आरईसी आजमगढ़ में 119, आरईसी अम्बेडकरनगर में 166, आरईसी कन्नौज में 265, आरईसी मैनपुरी में 315, आरईसी सोनभद्र में 236, आरईसी बस्ती में 231, आरईसी गोण्डा में 180, आरईसी मिर्जापुर में 247 और आरईसी प्रतापगढ़ में 195 सीटें आवंटित की गयी है।

राजकीय पॉलीक्लीनिक में कर्मचारी को पीटा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **बिल्ली का जल्दी इलाज करने को लेकर दो भाइयों ने की गुंडई, पीठ पर मारी ब्लेड**

अमृत विचार: पशुपालन निदेशालय स्थित राजकीय पॉलीक्लीनिक में बुधवार को बिल्ली का इलाज कराने आए दो भाइयों ने मामूली बात पर कर्मचारी को पीटा। विरोध करने पर एक आरोपी ने ब्लेड से उसपर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही हसनगंज पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की।

लविवि के पीछे बादशाह बाग इलाके में राजकीय पॉलीक्लीनिक है। बुधवार को कर्मचारी परमेश्वर व डॉक्टर ड्यूटी पर थे। दोपहर में दो भाई पालतू बिल्ली लेकर पहुंचे। दो दिन के इलाज के बाद ही हालत में सुधार न होने पर डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड की सलाह दी। इसके लिए बिल्ली के पेट के बाल साफ या महीन करने थे। ऐसे में युवक बाहर से ब्लेड लेकर आया और कर्मचारी परमेश्वर से पहले उसका काम करने का दबाव बनाने लगा।

बात बढ़ने पर उनके बीच विवाद हो गया। गाली-गलौज के दौरान आरोपी भाइयों ने परमेश्वर को पीटना शुरू कर दिया। चीख-पुकार होने पर स्टॉफ के अन्य लोग दौड़े। इसपर आरोपी ने परमेश्वर पर ब्लेड से हमला कर दिया। पीठ पर वार होने से वह घायल हो गया। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही पुलिस व अपर निदेशक गोपेश श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। घायल कर्मी को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। इंस्पेक्टर हसनगंज ने बताया कि पीड़ित ने अभी तक तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

भातखण्डे संस्कृति विवि में दीक्षारम्भ कार्यक्रम आयोजित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन जयशंकर प्रसाद सभागार में आजोति हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और राग भैरवी में सरस्वती वंदना हे हंसवाहिनी से हुई, जिसे छात्रों आकर्ष सिंह, कार्तिकेय सिंह, सिमरन लॉल और शिवानी मिश्रा ने प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या से पधारे जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य ने शिक्षा की वैदिक परंपराओं और गुरु-शिष्य संबंध की महत्ता पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने उन्हें अंग वस्त्र भेंटकर स्वागत किया और विश्वविद्यालय के प्रति उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की संस्कृति और उद्देश्य से परिचित कराना था। छात्रों ने इसे प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए कहा कि इससे अध्यात्म और संगीत की समरूपता को समझने का अवसर मिला। कुलसचिव डॉ. सृष्टि धवन ने कहा कि ऐसे आयोजनों से रचनात्मक और सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रुचि खरे द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया गया।

110 में से 75 ने पास की प्रारंभिक परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: परिवहन निगम की ओर से दो दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया था जिसमें दो दिनों में कुल 110 लोगों ने पंजीकरण कराया। 75 लोगों ने प्राथमिक टेस्ट पास किया। यह रोजगार मेला अवध बस स्टेशन कामता में आयोजित किया गया। पहले दिन दोपहर तक लगभग 75 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीकरण कराकर हाइट, वज़न और ड्राइविंग टेस्ट की प्रक्रिया में हिस्सा लिया। मेले में 204 संविदा चालकों की भर्ती की जानी है।

निगम की ओर से योग्य ड्राइवरों की भर्ती अनुबंध के आधार पर की जा रही है। बस ड्राइवर बनने के इच्छुक उम्मीदवारों को मौके पर ही पंजीकरण, शारीरिक माप, दस्तावेज़ सत्यापन और ड्राइविंग टेस्ट के बाद चुना जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने बताया कि 204 संविदा चालकों की भर्ती होनी है जिसके लिए प्रक्रिया चल रही है। शुरुआत में अभी 75 लोगों ने टेस्ट पास किया है। अगले सप्ताह फिर से रोजगार मेले का आयोजन करके बचे हुए अभ्यर्थियों का पंजीकरण किया जायेगा। अंतिम टेस्ट कानपुर में होगा जहां पर चालकों का चयन किया जायेगा।

अभ्यर्थियों के पेपर चेक करते क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी व अन्य। अमृत विचार

दूसरे दिन भी हुई विशेष बैक पेपर परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में विशेष बैक पेपर परीक्षा का दूसरा दिन नकलरहित और शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

प्रथम पाली में विश्वविद्यालय द्वारा गठित फ्लाइंग स्क्वॉड के सदस्य डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. अता-उर-रहमान एवं डॉ. शान-ए-फातिमा द्वारा परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया के नकल-रहित, व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण संचालन की पुष्टि की। द्वितीय पाली में डॉ. मनीष एवं डॉ. नलिनी मिश्रा ने फ्लाइंग स्क्वॉड के सदस्य के रूप में परीक्षा की निगरानी की और सभी व्यवस्थाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया। परीक्षा समन्वयन एवं पर्यवेक्षण में डॉ. आर. के. त्रिपाठी, डॉ. आज़म अंसारी, डॉ. सुमन मिश्रा एवं डॉ. श्वेता अग्रवाल का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया भी तीव्र गति से संचालित हो रही है। प्रवेश को लेकर छात्रों की उत्साही भागीदारी देखने को मिल रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी परीक्षाओं एवं प्रवेश प्रक्रियाओं को पारदर्शी, सुचारु एवं छात्रहित में सम्पन्न कराने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

वेदांशी ने अंडर-16 वर्ग में जीता स्वर्ण पदक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

वेदांशी उनके कोच व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार: जनपदीय स्कूल निशानेबाजी प्रतियोगिता में आइआइएम केवी की कक्षा 11 की छात्रा वेदांशी शुक्ला ने अंडर-16 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। कोच यश्वेन्द्र सिंह ने वेदांशी की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का नतीजा है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि वेदांशी आने वाले वर्षों में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएंगी। वेदांशी की मां डॉ. ममता शुक्ला ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। वह स्वयं राज्य स्तर की निशानेबाजी खिलाड़ी रह चुकी हैं, जिससे वेदांशी को खेल के प्रति प्रेरणा और मार्गदर्शन दोनों मिला है।

नोमान के खेल से कालिंदी को मिली रोमांचक जीत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **जिला फुटबॉल लीग**

अमृत विचार: जिला फुटबॉल लीग में बुधवार को कालिंदी ने बेहद रोमांचक मुकाबले टेक्ट्रो एकेडमी को 2-0 से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में एक्स स्टूडेंट ने डॉन बॉस्को क्लब पर 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। चौक स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में टेक्ट्रो और कालिंदी में रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। दोनों ही टीमों में धुरंधरों की भरमार थी। आक्रामक अंदाज में खेल रही दोनों टीमों के खिलाड़ी जब एक-दूसरे की डिफेंस को भेदते तो गोलकीपर दीवार बन कर खड़े हो जाते। तकरीबन 25 मिनट तक दोनों टीमों संघर्ष करती रही। 29वें मिनट में कालिंदी के नोमान ने गजब की फुर्ती दिखाते हुए साथी खिलाड़ी के पास को गोल में बदला और टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। गोलकीपर को भी अप्रत्याशित हमले की उम्मीद नहीं थी। फुटबॉल उसके सिर के ऊपर से होते हुए गोल पोस्ट में समा गई। पहले हॉफ में इसके बाद दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में मुकाबले में वापसी के लिए टेक्ट्रो ने हमलों की झड़ी लगा दी लेकिन कालिंदी के मजबूत डिफेंस और शानदार गोलकीपर की बदौलत वह गोल नहीं कर सके। वहीं कालिंदी के नोमान 69वें मिनट में एक बार फिर टेक्ट्रो की रक्षापंक्ति में सेंध लगाने में कामयाब रहे और दूसरा गोल कर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद दोनों टीमें एक-दूसरे पर कोई गोल नहीं कर सकी और कालिंदी ने 2-0 से जीत दर्ज की।

दूसरे मुकाबले में एक्स स्टूडेंट क्लब ने मैच की शुरुआत से डॉन बॉस्को पर दबाव बना लिया। एक्स स्टूडेंट की तरफ से कैश ने 23वें, आसिफ ने 38वें, कृष्णा ने 49वें, आदर्श ने 60वें और तारिक 84वें मिनट में गोल किया।

प्रशांत के गोल से लखनऊ सिटी ने दर्ज की जीत

अमृत विचार, लखनऊ : सतीश शुक्ला मेमोरियल फुटबॉल लीग के मुकाबले में लखनऊ सिटी और उजय फुटबॉल क्लब ने रोमांचक जीत दर्ज करते हुए विजयी अंक हासिल किए। कैंट स्थित दिलकुशा मैदान में बुधवार को खेले गए पहले मैच में लखनऊ सिटी ने नीलमथा क्लब को 1-0 से पराजित किया। दोनों टीमों ने आक्रामक शुरुआत की। पहले हाफ में दोनों टीमें की ओर से एक-दूसरे पर कोई गोल नहीं किया जा सका। दूसरे हाफ में मैच के 55 में मिनट में लखनऊ सिटी के प्रशांत ने नीलमथा की डिफेंस को भेदते हुए गोलकीपर को कोई मौका दिये बिना शानदार किक लगाकर गोल किया। प्रशांत के इस गोल के चलते लखनऊ सिटी ने 1-0 की बढ़त हासिल की। मैच के अंत में यह गोल निर्णायक साबित हुआ, लखनऊ सिटी ने इसी गोल की बदौलत 1-0 से जीत दर्ज की। वहीं उजय और प्राइम बॉलर्स के बीच खेला गया मुकाबला भी रोमांचक रहा। दोनों टीमों में जीत के लिए जोरदार मुकाबला हुआ। मैच ड्रा की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान उजय के कांता ने साथी खिलाड़ी के पास को गोल में बदला और टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह बढ़त अंत तक बनी रही, इसी के चलते उजय ने जीत दर्ज की।

लखनऊ की नंदिनी, सर्वजीत और शाहरुख को मिली कामयाबी

अमृत विचार , लखनऊ: राज्य सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन लखनऊ की नंदिनी गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया। नंदिनी महिला वर्ग में दस हजार मीटर दौड़ में सभी को पीछे छोड़ते हुए कामयाबी दर्ज की।

कुर्सी रोड स्थित गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज प्रांगण के सिंथेटिक ट्रैक में खेली जा रही प्रतियोगिता में राजधानी के शाहरुख खान 3000 मीटर और सर्वजीत पटेल 20 किमी वॉक में स्वर्ण पदक जीते। प्रतियोगिता में यूपी पुलिस के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर दस स्वर्ण, आठ रजत और नौ कांस्य जीत कर पहला स्थान हासिल किया। पांच स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य जीत कर मेजबान लखनऊ उप विजेता रहा। तीन स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदकों के साथ मेरठ तीसरे स्थान पर रहा। बुधवार को चैंपियनशिप के समापन पर उत्तर प्रदेश एथलेटिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शुक्ला ने विजयी खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश एथलेटिक एसोसिएशन के कार्यकारी सचिव नरेंद्र कुमार, संयुक्त सचिव संदीप, आयोजन सचिव बीआर वरुण, टेक्निकल कमेटी के चेयरमैन अनु कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे।

केजीएमयू में आज आएगी नैक की टीम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की टीम गुरुवार को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) आएगी। टीम यहां दो अगस्त तक रुककर सुविधाओं का आंकलन करेगी। टीम मरीजों-तीमारदारों और स्टाफ से भी बात कर सकती है। केजीएमयू की ओर से इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं।

केजीएमयू में 4000 से अधिक बेड हैं। संस्थान में 149 छोटे-बड़ी इमारते हैं। इनमें 77 विभाग हैं। 550 शिक्षक, 800 रेजिडेंट डॉक्टर और लगभग 10 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। मरीजों को आधुनिक इलाज व मेडिकल छात्रों को बेहतर शिक्षा मुहैया कराने के लिए प्रदेश सरकार ने 1843.70 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। वर्ष 2023 में केजीएमयू को नैक ए प्लस ग्रेड मिला था। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने ग्रेड में सुधार के लिए दोबारा आवेदन किया। नैक का तीन दिवसीय निरीक्षण 31 जुलाई से शुरु हो रहा है। जो दो अगस्त तक चलेगा। इससे पहले नैक की तैयारियों की समीक्षा के लिए मंगलवार शाम राज्यपाल के ओएसडी पंकज एल जानी ने केजीएमयू अधिकारियों के साथ बैठक की थी। तैयारियों के बारे में कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद से जानकारी हासिल की। कुलपति ने बताया कि डॉक्टर, कर्मचारियों से लेकर पार्किंग तक के इंतजामों को पुख्ता कर लिया गया है। सभी डॉक्टरों को उनकी जिम्मेदारी बता दी गई हैं। लगातार दिशा निर्देश भी जारी किए गए हैं।

क्या होता है नैक ग्रेड

संस्था की जिम्मेदारी देशभर के विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षण संस्थानों, निजी संस्थानों में गुणवत्ता को परखकर ग्रेड देना है। इसके लिए शिक्षण संस्थान अपने स्तर से प्राथमिक तैयारियां पूरी करने के बाद नैक ग्रेडिंग के लिए आवेदन करते हैं। इसके बाद नैक की ओर से टीम संस्थान का निरीक्षण करती है। निरीक्षण के दौरान शिक्षण सुविधाएं, रिजल्ट, इन्फ्रास्ट्रक्चर, माहौल सहित हर जरूरी बात की जानकारी ली जाती है। इस आधार पर नैक की यह टीम अपनी रिपोर्ट जमा करती है। इससे कॉलेज को सीजीपीए दिया जाता है, जिसके आधार पर ग्रेड जारी होता है।

भरत अरुण बने एलएसजी के बालिंग कोच, गेंदबाजी में अब आएगी धार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) प्रबंधन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व अनुभवी तेज गेंदबाज भरत अरुण को अपना नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। भरत अरुण पहले टीम इंडिया के भी बॉलिंग कोच रह चुके हैं। उनके दिशा- निर्देशन में प्रैटिक्स कर रहे भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन कर ढेरों सफलताएं दर्ज की है। मार्गदर्शक (मेंटर) जहीर खान, मुख्य कोच जस्टिन लैंगर, सहायक कोच लांस क्लूजनर के साथ कोच भरत अरुण एलएसजी टीम के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे। उनके आने से एलएसजी की गेंदबाजी में बेहतर होने की उम्मीद है। एलएसजी से जुड़ने पर भरत अरुण ने कहा कि इस टीम से जुड़ना मेरे लिए सम्मान की बात है। टीम के ऑनर डॉ. संजीव गोयनका और प्रबंधन के साथ मेरी बातचीत अविश्वसनीय रूप से उत्साहवर्धक रही। उन्होंने कहा कि एलएसजी के पास आकाशदीप, आवेश खान, मयंक यादव, प्रिंस यादव, मोहसिन खान और आकाश सिंह जैसे गेंदबाज मौजूद हैं। सभी शानदार गेंदबाज है। ये गेंदबाद दुनिया के किसी भी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ी क्रम को ध्वस्त करने में सक्षम हैं।

किशोरी से दुष्कर्म में उम्रकैद

केस दर्जकर तीन दिन बाद पुलिस ने किशोरी को किया था बरामद

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की कोर्ट ने किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास के साथ अर्थदंड लगाया है।

मौरावां थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 23 जून 2018 को पड़ोसी की बेटी की शादी थी। जिसमें शामिल होने वह 15 वर्षीय बेटी के साथ गई थी। रात 1 बजे वह लोग खाना खाने जा रहे थे। इसी बीच बेटी अन्य बच्चों के साथ टेंट से बाहर चली गई। तभी मौरावां निवासी मो. अनवर वहां आया और बेटी को फुसलाकर ले गया। साथ गए बच्चों ने लौटकर उसे इसकी जानकारी दी। इस पर उसने बेटी की खोज की लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने 3 दिन बाद उसे बरामद किया। इसके बाद उसे मेडिकल के लिए भेजा गया। घर लौटी किशोरी ने परिजनों को बताया कि अनवर उसे अपने घर ले गया था और उससे दुष्कर्म किया। इसमें उसकी मां अख्तरी ने भी सहयोग किया था। जिस पर पुलिस ने अनवर के विरुद्ध दुष्कर्म की धाराएं बढ़ाई थीं और अख्तरी पर सहयोग करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। मुकदमे के विवेचक ने आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य इकट्ठा कर 30 अक्तूबर 2018 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई में न्यायाधीश विवेकानंद विश्वकर्मा ने अभियोजन विभाग से विशेष लोक अभियोजक की दलील व साक्ष्य के आधार पर मो. अनवर को दोषी माना और उसे आजीवन कारावास के आदेश दिये। साथ ही उस पर 61 हजार अर्थदंड भी लगाया। वहीं अख्तरी को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया गया।

अयोध्या : बहू व नौकरानी ने खाली प्लॉट में लेटाया था बीमार वृद्धा को

अयोध्या, अमृत विचार : पूराबाजार विकासखंड के किशुनदासपुर के खाली प्लॉट में वृद्धा को लेटाने के मामले में पुलिस को सफलता मिली है। वृद्धा की मौत के छह दिन बाद पुलिस ने उसकी शिनाख्त कर ही ली। वृद्धा की पहचान भगवती पत्नी बृजलाल निवासी नगवां थाना नवाबगंज गोंडा के रूप में हुई। इसके साथ ही यह भी पता चला है कि वृद्धा को खाली प्लॉट में छोड़ने के लिए जो महिलाएं सीसीटीवी फुटेज में दिखी थीं। उनमें एक वृद्धा की बहू और दूसरी नौकरानी थी।

भगवती (फाइल फोटो)

फुटेज में दिखा पुरुष ई-रिक्शा वाला था, जिसे 500 रुपये में बुक कराकर वहां तक ले जाया गया था। सूत्रों के अनुसार पुलिस कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्र बताते हैं कि संदिग्धों में आरोपी भी शामिल हैं। ई-रिक्शा सवार एक व्यक्ति व दो महिलाएं गत दिनों देर रात करीब 1.10 बजे गंभीर रूप से बीमार वृद्धा को किशुनदासपुर के पास खाली पड़े मकान के प्लॉट में लिटा कर चले गए थे।

न्यूज ब्रीफ

अवध विवि की बीएड व एमएड की परीक्षाएं 2 से

अयोध्या,अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की बीएड एवं एमएड विश्वविद्यालय परिसर एवं महाविद्यालय की परीक्षाएं 2 अगस्त से होगीं। एमएड की परीक्षा सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक एवं बीएड की परीक्षा सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी। उपकुलसचिव अजय कुमार गौतम ने बताया कि बीएड प्रथम वर्ष की परीक्षा में 16,823, द्वितीय वर्ष में 13,075 छात्र परीक्षा में शामिल होंगे। वहीं एमएड प्रथम वर्ष में 198 एवं द्वितीय वर्ष में 254 छात्र परीक्षा देंगे। विश्वविद्यालय ने इसके लिए कुल 23 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

हरदोई: 12 नामजद व 70 अज्ञात पर केस

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के सांडी-हरदोई मार्ग पर ककेडी गांव के पास शवों को रखकर डंपर ड्राइवर पर हत्या का आरोप लगाते हुए जाम लगा दिया गया था। देर रात अधिकारियों के समझाने के बाद जाम को खोला गया। इस मामले में थाने के दरोगा की तहरीर पर 70 अज्ञात और 12 नामजद लोग लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें कि थाना क्षेत्र के उल्ला मऊ निवासी राजीव और अनिल की बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के पास शनिवार की रात डंपर से कुचलकर मौत हो गई थी। शवों का पोस्टमार्टम होने के बाद रविवार रात 9 बजे के करीब परिजनों ने हरदोई-सांडी मार्ग पर दोनों शव रखकर जाम लगा दिया था। लोगों की मांग थी कि डंपर चालक पर हत्या का केस दर्ज कर तत्काल गिरफ्तार किया जाए। इस मामले में मंगलवार की देर रात सांडी थाने के दरोगा रामकुमार की तहरीर पर निवासी अनिल सिंह, बबलू सत्येंद्र, बबली उपेंद्र, शिव भक्त सहित 12 लोगों को नामजद करते हुए 70 अज्ञात के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मथुरा-कोटा रेल खंड पर कवच 4.0 स्थापित

नई दिल्ली, अमृत विचार। भारतीय रेल द्वारा स्वदेशी रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को उच्च घनत्व (हाई डेंसिटी) वाले दिल्ली-मुम्बई मार्ग के मथुरा-कोटा रेलखंड पर स्थापित कर दिया गया है। यह देश में रेलवे सुरक्षा प्रणालियों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण से प्रेरित होकर कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम को स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया है। कवच 4.0 एक अत्याधुनिक तकनीकी प्रणाली है। इसे जुलाई, 2024 में अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आर.डी.एस.ओ.) द्वारा स्वीकृति दी गई थी।

अधेड़ ने छात्रा का पीछा कर की छेड़छाड़

हरदोई, अमृत विचार। 54 साल के अधेड़ ने स्कूल जाते-आते समय 14 वर्षीय छात्रा का तीन दिनों तक पीछा किया, चौथे दिन मौका मिलते ही उसने छात्रा से रास्ते में छेड़छाड़ कर दी। छात्रा के शोर करने पर आरोपी वहां से भाग निकला। लेकिन उसकी हरकत सीसीटीवी में कैद हो गई। छात्रा के घर वाले आरोपी और सीसीटीवी के फुटेज के साथ पुलिस के पास पहुंचे। आरोप है कि पहले तो स्थानीय पुलिस सभासद के दबाव के चलते आरोपी के खिलाफ कार्रवाई से कतरा रही थी, लेकिन एसपी नीरज कुमार जादौन के घटना के संज्ञान लेने पर पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में अधेड़ स्कूल जाते समय छात्रा का पीछा करते हुए दिखा है। छात्रा के घर वालों ने फुटेज से अधेड़ की पहचान संतोष निवासी माकूम कुआं के रूप में की, उसे पकड़ भी लिया। एसपी के निर्देश पर पुलिस कार्रवाई कर रही है।

कार्यालयः खण्ड विकास अधिकारी, मानिकपुर (चित्रकूट)

पत्रांकः 302 / लेखा/क्षेत्र पंचायत/निविदा/2025-26 दिनांकः 25-07-25

निविदा सूचना

क्षेत्र पंचायत योजनान्तर्गत खण्ड विकास अधिकारी मानिकपुर के अधीन उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष निम्नलिखित कार्यो को कराये जाने हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा क्षेत्र पंचायत में पंजीकृत फर्मो / सप्लायरों से दिनांक 14.08.25 को अपरान्ह 2:00 बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जो कि उसी दिन अपरान्ह 3.00 बजे विकासखण्ड में सहायक विकास अधिकारी (पं0) एवं लघु सिंचाई तथा खण्ड विकास अधिकारी (टेन्डर समिति) द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 28.07.25 से 14.08.25 को अपरान्ह 12:30 बजे तक कार्यालय कार्य दिवस में खण्ड विकास अधिकारी से निविदा प्रपत्र मूल्य की अदायगी कर क्रय किये जा सकते हैं।

क्र0 सं0	ग्रा0पं0	कार्य का नाम	स्वी0 लागत लाख में	प्रति जमानत धन0	निविदा प्रपत्र मूल्य
1	चुरेहकेशरुवा	ग्रा0पं0 चुरेहकेशरुवा के ग्राम बलुवापुर से सीसी रोड से बलराम पाण्डेय के घर के बगल से रामखेलावन पाण्डेय के घर तक सी0सी0 रोड	8.00	80000	1000
2	गौरिया	ग्रा0पं0 गौरिया के देशाह में मेन रोड से मंजू यादव के घर तक डब्ल्यूबीएम रोड।	9.00	90000	1000
3	सरैया	ग्रा0पं0 सरैया में लवकुश प्रसाद उपाध्याय के पुरवा से मेन रोड तक इन्टरलॉकिंग खडंजा निर्माण।	9.00	90000	1000
4	मदना	ग्रा0पं0 मदना के गौशाला में बाउन्ड्रीवाल का निर्माण।	9.00	90000	1000
5	भौंरी	ग्रा0पं0 भौंरी में रामस्वरूप लोध के घर से धर्मराज के घर तक इन्टरलॉकिंग खडंजा निर्माण।	9.00	90000	1000
6	जारोमाफी	ग्रा0पं0 जारोमाफी में बाला जी के कूप से बरात घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण।	8.00	80000	1000
7	कल्यानपुर	ग्रा0पं0 कल्यानपुर के मजरा हल्दीडांड़ी में तीरथ प्रसाद के घर से रामजस के घर के आगे तक सी0सी0 रोड का निर्माण।	7.00	70000	1000
8	भौरी	ग्रा0पं0 भौरी में गड़रियनपुरवा से प्रयागराज रोड की तरफ डब्ल्यूबीएम रोड।	9.00	90000	1000
9	अरवारा	ग्रा0पं0 अरवारा में भुरभुरी तालाब में घाट व कुर्सी आदि का सुन्दरीकरण कार्य।	9.00	90000	1000
10	करौहा	ग्रा0पं0 करौंहा में लोकल नाला में चेकडैम मरम्मत एवं नाला सफाई का कार्य।	6.50	65000	1000
11	किहुनियां	ग्रा0पं0 किहुनियां में अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य।	9.00	90000	1000
12	धान	ग्रा0पं0 धान के बरहट में तालाब खुदाई एवं सुन्दरीकरण का कार्य।	9.90	99000	1000
13	सकरौहा	ग्रा0पं0 सकरौहा में हनुमान मन्दिर से पंकज तिवारी के घर तक इन्टरलॉकिंग खडंजा निर्माण।	9.00	90000	1000
14	ब्यूर	ग्रा0पं0 ब्यूर में दलखरी रोड से राजा याज्ञिक के घर तक इन्टरलॉकिंग खडंजा निर्माण।	6.00	60000	1000
15	भौरी	ग्रा0पं0 भौंरी में बरकोट तरफ से बाल्मीकि नदी तक डब्ल्यूबीएम रोड।	9.90	99000	1000
16	रैपुरा	ग्रा0पं0 रैपुरा में अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य।	9.00	90000	1000
17	कौबरा	ग्रा0पं0 कौबरा में बरमदीन के घर से बांधी सम्पर्क मार्ग तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य।	9.00	90000	1000
18	सकरौंहा	ग्रा0पं0 सकरौहा के कोलान में बरात घर का जीर्णोद्धार कार्य।	9.00	90000	1000
19	रानीपुर कल्याणगढ़	ग्रा0पं0 रानीपुर कल्याणगढ़ में जगदीश यादव के घर से रामधुन यादव के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य।	5.00	50000	1000
20	ऊंचाडीह	ग्रा0पं0 ऊंचाडीह में राजेश प्रताप सिंह के घर के पास बोरिंग एवं सबमर्सिबल का अधिष्ठापन कार्य।	2.20	22000	1000
21	भौंरी	ग्रा0पं0 भौंरी के मजरा कलवारा पुरवा में जगतपाल के घर से कामता प्रसाद के घर तक इ0ला0 खडंजा।	6.96	69600	1000
22	भौरी	ग्रा0पं0 भौंरी के ठठेरवा तालाब में डायमन्ड जाली एवं एंगल फिक्सिंग, गेट एवं इ0ला0 खडंजा।	9.90	99000	1000

निविदा शर्तें :-

1- टेन्डर दाताओं को सलाह दी जाती है कि कार्यस्थल का भलीभांति निरीक्षण कर लें। 2- समस्त कार्य उ0प्र0 लो0नि0वि0 की विस्तृत विशिष्टियों के आधार पर ही स्वीकार होंगे। 3- निविदा डालने से पूर्व कार्यस्थल, कार्य की प्रकृति एवं निविदा की शर्तों को भलीभांति अध्ययन कर लें। सशर्त निविदा सील कर दी जायेगी। 4- ठेकेदार को दरें शब्दों एवं अंकों में अंकित करनी होगी। दरों में कटिंग / ओवर राइटिंग मान्य नहीं होगी। 5- यदि किसी टेन्डर में दो ठेकेदारों की दरें एक ही आती हैं तो ऐसे केस में विभाग का निर्णय अन्तिम होगा। निविदा में अंकित मात्रा में बढ़ोत्तरी / घटोत्तरी किसी भी सीमा तक की जा सकती है। 6- निविदा दाता को निविदा के साथ रु0 100 का एक नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर मे एक रु0 के रसीदी टिकट पर हस्ताक्षर सहित एवं वांछित घरोहर धनराशि संलग्न करना अनिवार्य होगा। 7- वांछित धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र डाकघर पासबुक या बैंक की एफडीआर के रूप में पदनाम बन्धक कराकर संलग्न करना होगा। 8- निविदादाता द्वारा लिफाफा पर निविदा संख्या कार्य का नाम, रीच तथा खण्ड का नाम आदि अंकित करना होगा। 9- ठेकेदार के देयक से रायल्टी आयकर एवं बिक्रीकर एवं अन्य की सम्बन्धित शासनादेश के अनुसार नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। 10- ठेकेदार अपना सही पोस्टल पता अनुबन्ध पर लिखे। यदि इस पते पर लिख पते पर कोई पत्र भेजा जाता है और पत्र आपूर्तिकर्ता को नहीं मिलता तो उसको प्राप्त माना जायेगा। 11- ठेकेदार अनुबन्ध में लगे वांछित प्रगति चार्ट / तालिका के अनुसार कार्य की प्रगति बनाये रखने के लिए बाध्य होगा। भुगतान माप के अनुसार किया जायेगा। 12- यदि निर्माण के समय वर्षा, बाढ़ या अन्य प्राकृतिक कारण से कोई क्षति होती है तो ठेकेदार का उस क्षति के लिए कोई क्लेम नहीं होगा। 13- ठेकेदार को भुगतान आवंटन की उपलब्धता अथवा सीसीएल / डीसीएल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा। भुगतान माप के अनुसार किया जायेगा। 14- ठेकेदार जिस फर्म से सीसी ब्लॉक की आपूर्ति करेगा उस फर्म का बिल एवं प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप स प्रस्तुत करना होगा। टेण्डर प्रक्रिया में ब्लाक में रजिस्ट्रर्ड ठेकेदारों की निविदा मान्य होगी। 15- स्टोन ब्लॉस्ट परीक्षण / ग्रिट के अन्डर साइज /ओवर साइज् की कटौती प्रमुख अभियन्ता के पत्र संख्या के अनुसार होगी। टेण्डर प्रक्रिया में ब्लाक में रजिस्ट्रर्ड ठेकेदारों की निविदा मान्य होगी। 16- टेण्डर प्रक्रिया में ब्लाक में रजिस्ट्रर्ड ठेकेदारों की निविदा मान्य होगी।

प्रमुख
क्षेत्र पंचायत

खण्ड विकास अधिकारी
मानिकपुर चित्रकूट

कार्यालय तहसीलदार सदर, लखनऊ।

पत्रांक सं0- 160/वा0वा0न0/वसूली विविध देय/2024-25 दिनांक- 30/07/2025

नीलामी सूचना हेतु

सर्वसाधारण एवं आमखास को सूचित करना है कि बाकीदार/फर्म/ संस्था- ''मे0 हाइटेक ग्लास एंड अलुमिनियम''-प्रो0- इबरार पुत्र समी खान निवासी-529सी/17, पिकनिक स्पाट रोड, विकास नगर, लखनऊ की चल सम्पत्ति को बैंक बकाया धनराशि मु0-10,44,769.00 + ब्याज प्रोसेस फीस के अन्तर्गत कुर्क कर सीज किया गया था। बाकीदार/फर्म/संस्था- द्वारा बैंक बकाया धनराशि को जमा करने में असफल होने के कारण वसूली कार्यवाही के क्रम में कुर्क की गई चल सम्पत्ति की नीलामी दिनांक 06.08.2025 (दिन-बुधवार) को श्रीमान् उप जिलाधिकारी/उपजिला मजिस्ट्रेट सदर, लखनऊ द्वारा निर्धारित (निश्चित) की गई है। श्रीमान् उपजिलाधिकारी सदर, लखनऊ महोदय के आदेश के अनुपालन में दिनांक-06.08.2025 को अपराहन 2:00 बजे निवास/स्थल 529सी/17, पिकनिक स्पाट रोड, विकास नगर, लखनऊ में नीलामी की जायेगी। सम्पत्ति का विवरण उक्त निवास / स्थल पर मौजूद है।

तहसीलदार सदर, लखनऊ

कार्यालय-सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक, देवीपाटन सम्भाग, गोण्डा।

पत्रांक- 1330/सं0खा0नि0/स्वी0 कक्ष /सी0एम0आर0 परि0/2025-26 गोण्डा, दिनांकः 26/07/2025

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना (सी0एम0आर0 परिवहन कार्य)

सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है अपर आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ के पत्रांक-2216/ दिनांक 10.06.2025 के साथ खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत धान खरीद की व्यवस्था सम्बन्धी समय सारिणी शासनादेश संख्या-358/29-4-2025/1831/2020, लखनऊ, दिनांक 10.06.2020 के अनुसार धान क्रय केन्द्रों से सम्बद्ध चावल मिलों पर सी0एम0आर0 परिवहन कार्य हेतु ठेकेदारों की नियुक्ति हेतु ई-टेण्डर प्रकाशित करते हुए ठेकेदारो की नियुक्ति किया जाना है। तद्क्रम में अपर आयुक्त (वि0), खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ के पत्रांक-3773/आ0वि0शा0/हैण्ड0 परि0/359/2022 लखनऊ दिनांक 25.07.2023 के साथ संलग्न शासन के पत्र संख्या-831/29-4-2023-385/19 दिनांक-25.07.2023 में निहित प्राविधानों के क्रम में सम्भाग के जनपदों में गतवर्ष संचालित चावल मिलों को आधार मानते हुए वर्तमान वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत, देवीपाटन सम्भाग में धान क्रय केन्द्रों से सम्बद्धीकरण की प्रत्याशा में, चावल मिलों (सी0एम0आर0 लोडिंग प्वाइंट) से सम्बन्धित भा0खा0नि0 डिपो तक सी0एम0आर0 के परिवहन कार्य हेतु एम0टी0सी0 के आधार पर एस0ओ0आर0 की दरों के अनुसार चावल मिलवार सी0एम0आर0 परिवहन ठेकेदारों के चयन हेतु, ई-टेण्डर के माध्यम से आनलाइन निविदाएं http://etender.up.nic.in पोर्टल पर दिनांक-19.08.2025 के अपरान्ह 02.00 बजे तक आमंत्रित की गयी है। टेक्निकल बिड तद्दिनांक ही अपरान्ह 02.00 बजे आनलाइन खोली जायेगी। जाँचोपरान्त ''टेक्निकल बिड'' में अर्ह पाये गये निविदादाताओं की फाइनेन्सियल बिड खोलकर अग्रेतर कार्यवाही की जायेगी। परिवहन कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि / निविदा की शर्तें, निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से डाउन लोड की जा सकती हैं।

निविदा की किसी भी शर्त में परिवर्तन या बदलाव/शुद्धि पत्र आदि की जानकारी केवल ई-टेण्डर बेवसाइट http://etender.up.nic.gov.in पर उपलब्ध होगी। अतः समस्त इच्छुक निविदादाता उक्त बेवसाइट को नियमित रूप से देखते रहें।

(चन्द्रभान यादव)
सम्भागीय खाद्य नियंत्रक,
देवीपाटन सम्भाग, गोण्डा।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26

CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

अमृत विचार

गुरुवार, 31 जुलाई 2025

"हमें हार नहीं माननी चाहिए और समस्या को हमें हराने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।"

भूकंप की त्रासदी

रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पास आए 8.8 तीव्रता के भूकंप ने दुनिया के सबसे बड़े और गहरे प्रशांत महासागर में भारी हलचल मचा दी। इस भूकंप ने एक दर्जन से अधिक देशों में सुनामी की दहशत पैदा करके लोगों को सुरक्षित स्थानों की तरफ भागने के लिए मजबूर कर दिया। सुनामी समुद्र में उठने वाली कई मीटर ऊंची तेज लहरें होती हैं, जो तीव्र गति से तट की ओर बढ़ती हैं। सुनामी लहरों के उत्पन्न होने का सबसे प्रभावी कारण भूकंप ही होता है। समुद्र के तटीय इलाकों पर तेजी से टकराकर ये बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान करती हैं। भारत साल 2004 में सुनामी का भयानक मंजर देख चुका है। हिंद महासागर में भूकंप के बाद आई सुनामी ने भारत सहित 14 देशों में भारी तबाही मचाने के साथ सवा दो लाख से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। लाखों लोगों को विस्थापन, भारी नुकसान, आघात और आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा था। वैसे यह जरूरी नहीं है कि हर भूकंप के कारण सुनामी आए। इसके लिए भूकंप का केंद्र समुद्र के भीतर या समीप होना आवश्यक है। इसी कारण सुनामी का कहर भूकंप की तीव्रता पर निर्भर करता है। वैज्ञानिकों के अनुसार 7.8 से अधिक तीव्रता वाले भूकंप, ऐसी विशाल समुद्री लहरें पैदा कर सकते हैं, जो तटीय क्षेत्रों में तेजी से टकराकर घरों, इमारतों, और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर सकती हैं। पृथ्वी भले ही ऊपर से शांत नजर आती हो, लेकिन इसके भीतर हमेशा उथल-पुथल चलती रहती है। धरती के गर्भ में प्लेटों के आपस में टकराने के कारण भूकंप आते हैं। ऐसा माना जाता है कि धरती पर हर साल लाखों भूकंप के झटके आते हैं, लेकिन इनमें से कुछेक छोड़कर बाकी इतने मामूली होते हैं कि इन्हें रिकॉर्ड ही नहीं किया जा सकता।

भारत में भी इधर कुछ समय से भूकंप के झटके लगने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। भूकंप के खतरे के लिहाज से देश को पांच जोन में बांटा गया है। इसमें सबसे जोखिम भरा पांचवां जोन है, जिसमें पूरे पूर्वोत्तर भारत के अलावा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और गुजरात राज्य आते हैं। इसी क्षेत्र में धरती के भीतर इंडियन प्लेट यूरेशियन प्लेट से सबसे ज्यादा टकराती है। देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर इलाका जोन चार में आता है। वैज्ञानिक लंबे समय से भूकंप की भविष्यवाणी करने के तरीके खोजने में लगे हैं, लेकिन अभी तक किसी सटीक नतीजे या तरीके पर नहीं पहुंच सके हैं। ऐसे ही सुनामी का भी पहले से अनुमान लगाना काफी मुश्किल है। हालांकि, एक बार जब वैज्ञानिक भूकंप के बारे में महत्वपूर्ण विवरण जान लेते हैं, तो सुनामी के खतरे का आकलन कर लेते हैं। इन परिस्थितियों में यही कहा जा सकता है कि भूकंप और सुनामी की प्राकृतिक त्रासदी से सुरक्षा के लिए सिर्फ बचाव के उपाय ही किए जा सकते हैं, जो भूंकपरोधी इमारतों के निर्माण और इस संबंध में जागरूकता से ही संभव हैं।

प्रसंगवश

मानवता की मर्यादा का आख्यान हैं तुलसी

भारतीय संस्कृति और संत परंपरा में गोस्वामी तुलसीदास का स्थान अत्यंत विशिष्ट और अनुपम है। वे न केवल एक महाकवि थे बल्कि एक ऐसे संत भी थे, जिन्होंने समाज को रामभक्ति का सरल, सुबोध और भावपूर्ण मार्ग दिखाया। उनका जीवन और साहित्य दोनों ही अध्यात्म, भक्ति, मानवता, संस्कार और सनातन मूल्यों की समृद्ध झलक प्रस्तुत करते हैं। तुलसीदास की रचनाओं ने समाज में नई चेतना, आस्था और नैतिकता का संचार किया। आज जब आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के ह्रास की चिंता की जाती है, तब तुलसीदास की जयंती पर उनका स्मरण और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। गोस्वामी तुलसीदास की जयंती 31 जुलाई को श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर मनाई जा रही है। यह दिन हमें उस महामानव की स्मृति से जोड़ता है, जिसने राम को जन-जन का भगवान बनाया और रामचरितमानस जैसे अनुपम ग्रंथ के माध्यम से भारतीय समाज को एकता, श्रद्धा और संस्कार की डोर में बांधा।

श्वेता गोयल

नई दिल्ली

गोस्वामी तुलसीदास ने जीवनभर सनातन धर्म, रामकथा और लोककल्याण को ही अपना लक्ष्य बनाया। वे कभी किसी दरबार के प्रशंसा-पत्र या यश की चाह में नहीं रहे।

गोस्वामी तुलसीदास का जन्म संवत 1554 में उत्तर प्रदेश के राजापुर (चित्रकूट) नामक स्थान पर हुआ था। तुलसीदास की सबसे अमर और कालजयी रचना 'रामचरितमानस' है, जिसे लोकभाषा अवधी में लिखा गया। यह ग्रंथ न केवल एक धार्मिक महाकाव्य है, बल्कि एक सांस्कृतिक, सामाजिक और दार्शनिक धरोहर भी है। तुलसीदास की काव्य प्रतिभा केवल रामचरितमानस तक सीमित नहीं थी। उन्होंने 'हनुमान चालीसा', 'विनय पत्रिका', 'कवितावली', 'गीतावली', 'रामलला नहछू', 'पार्वती मंगल', 'जानकी मंगल', 'दोहावली' जैसी रचनाएं भी की, जिनमें भक्ति, नीति, दर्शन, भाव और संस्कार का अद्भुत संगम मिलता है। हनुमान चालीसा उनकी अत्यंत लोकप्रिय रचना है, जो आज भी करोड़ों लोगों के लिए न केवल एक प्रार्थना है बल्कि साहस, आस्था और सुरक्षा की ढाल है। तुलसीदास का समस्त साहित्य रामभक्ति को केंद्र में रखता है परंतु उसमें केवल धर्म की बातें नहीं हैं। उसमें समाज सुधार, नीति शिक्षण, स्त्री सम्मान, सेवा भावना, सत्य, करूणा, समर्पण, समानता, राष्ट्रप्रेम और मानवता की भी अद्भुत झलक मिलती है। गोस्वामी तुलसीदास ने जीवनभर सनातन धर्म, रामकथा और लोककल्याण को ही अपना लक्ष्य बनाया। वे कभी किसी दरबार के प्रशंसा-पत्र या यश की चाह में नहीं रहे। उन्होंने भिक्षावृत्ति अपनाकर जीवनयापन किया और जन-जन में राम नाम का संचार किया। तुलसीदास का जीवन स्वयं एक प्रेरणा है कि कैसे एक सामान्य मनुष्य कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य, विश्वास और श्रद्धा के बल पर ईश्वर से साक्षात्कार कर सकता है। उनका यह कथन 'तुलसी मस्तक तब नवै, धरे राम को नाम' जीवन का मूल मंत्र है, जिसमें समर्पण, विश्वास और भक्ति की चरम अवस्था निहित है। उन्होंने भगवान को पाने के लिए योग, तप, तीर्थ या आडंबर का मार्ग नहीं अपनाया बल्कि सहज प्रेम और निष्काम भक्ति का मार्ग अपनाया। उनका दृष्टिकोण यह था कि ईश्वर का नाम स्वयं सबसे बड़ा साधन है और रामनाम से बढ़कर कोई यज्ञ, तप या व्रत नहीं।

आज जब हम गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मना रहे हैं, तब यह केवल एक परंपरा का निर्वाह नहीं बल्कि उनके विचारों और आदर्शों को आत्मसात करने का अवसर है। हमें चाहिए कि हम उनकी रचनाओं को केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न रखें बल्कि उनके विचारों को जीवन की कठिनाईयों में संबल और दिशा के रूप में अपनाएं। गोस्वामी तुलसीदास की वाणी और उनका जीवन आज भी हमारे लिए स्थायी प्रेरणा का स्रोत है।

भारतीयों की विदेशों में बसने की बढ़ती प्रवृत्ति

अविनाश झा

डीएफएमओ, चित्रकूट

भारत से उच्च और प्रतिभाशाली लोग लगातार देश छोड़कर विदेशों में जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा और कार्यकुशलता के बल पर बड़ी बड़ी कंपनियों के लीडर बन बैठे हैं और यही कारण है कि अब ये विदेशी राष्ट्राध्यक्षों की आंखों में खटकने लगे हैं।

विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनने के बावजूद यह तथ्य विचारणीय है कि आखिरकार एक बड़ी संख्या में भारतीय विदेशों में प्रवास के लिए भारत से क्यों जा रहे हैं? विदेशी नागरिकता लेना और ग्रीन पासपोर्ट धारी होना इतना महत्वपूर्ण क्यों हो गया है? पिछले सप्ताह राज्यसभा मे एक प्रश्न के ज़बाब में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि विगत 6 साल में 10 लाख से ज्यादा लोग भारत छोड़कर चले गए है। वर्ष 2024 में 2 लाख से ज्यादा भारतीयों ने अपनी नागरिकता त्याग दी है। हालांकि कोरोना काल के दौरान नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या में कमी आई थी, लेकिन बाद में फिर नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। विदेश मंत्रालय के एक अन्य आंकड़े के अनुसार लगभग 3.2 करोड़ भारतीय दूसरे देशों में बतौर प्रवासी रह रहे हैं। इनमें से 1.32 करोड़ नान रेजिडेंट इंडियन हैं, जबकि 1.86 करोड़ लोग दूसरे देशों की नागरिकता तक ग्रहण कर चुके हैं। एक अनुमान है कि हरेक साल कम के कम 25 लाख भारतीय प्रवासी बन रहे हैं। इनमें वह आंकड़ा शामिल नहीं है, जिसमें पर्यटक वीजा पर दूसरे देशों में जाने वाले भारतीयों में से कई लोग लौटते ही नहीं हैं। इसके अतिरिक्त डंकी रुट अर्थात अवैध अप्रवासन के आंकड़े इससे काफी अधिक हैं। यह चिंताजनक स्थिति है।

हालांकि हम इस तथ्य से गौरवान्वित हो सकते हैं कि इन्हीं अप्रवासी भारतीयों में से ही आज अमेरिका की करीब 20 बड़ी और दुनिया की 35 प्रमुख कंपनियों की कमान भारतीय मूल के लोग संभाल रहे हैं। इनमें कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, वर्टेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेशमा केवल रामानी, शनेल की लीना नायर,माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन के सत्य नाडेला, फेडएक्स के राज सुब्रमण्यम, अरिस्टा नेटवर्क के जयश्री वी उल्लाल, एडोब के सीईओ शांतनु नारायण और टेस्ला के सीएफओ वैभव तनेजा आदि शामिल हैं। प्रतिष्ठित बिजनेस पत्रिका फॉर्च्यून की सूची में शामिल 552.5 लाख करोड़ रुपए के कुल बाजार पूंजीकरण वाली 11 कंपनियों के सीईओ भारतीय हैं। दुनिया के तीन शेयर बाजारों नैस्डैक, एनवाईएसई और एलएसई में सूचीबद्ध टॉप 300 फर्म्स में से 61 प्रतिशत ऐसी हैं, जिनमें भारतीय मूल के सीईओ या बोर्ड मेंबर हैं। इनमें 23 प्रतिशत का नेतृत्व भारतीय मूल की महिलाएं कर रहीं हैं। सकारात्मक रूप से देखें तो ये अप्रवासी भारतीय डायस्पोरा का प्रचार-प्रसार कर रही है और जहां भी है और जिस देश में है, वहां भारतीयता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ इन लोगों का वहां स्थानीय तौर पर विरोध भी हो रहा है। फिजी, मारीशस जैसे अन्य देशों में जहां अंग्रेज़ी शासन काल में गिरमिटिया या कुली लोग चले गए थे, वहां ये भारतवंशी बहुसंख्यक हैं तथा शासन सत्ता में नेतृत्व संभाल रहे हैं। हाल के वर्षों में ऋषि सुनक और कमला हैरिस जैसे भारतीय अप्रवासी विश्व राजनीति की महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्ती है। ये सच है कि भले ही वहां की अर्थव्यवस्था, राजनीति और अन्य क्षेत्रों में इन भारतीय अप्रवासियों का योगदान महत्वपूर्ण हो रहा है लेकिन स्थानीय लोगों को अब यह अखरने लगा है कि ये भारतीय हमारे संसाधनों पर आकर कब्जा कर रहे हैं। उनपर क्षेत्रीयता हावी हो रही है। रंगभेद और भाषा बोली का अंतर दिख ही जाता है। भूरे रंग के अप्रवासी होने के कारण इनको विदेशो में पूर्वाग्रह, भेदभाव और नस्लवाद का सामना भी करना पड़ता हुआ। अपनी सभ्यता संस्कृति को छोड़कर इन्हें स्थानीय सभ्यता संस्कृति अपनानी पड़ती है फिर स्थानीय समाज में दोयम दर्जे के व्यवहार का सामना करना पड़ता है।

स्वाभाविक रूप से स्थानीय सत्ता और सरकार पर भी इसका असर पड़ रहा है। भारत से उच्च और प्रतिभाशाली लोग लगातार देश छोड़कर विदेशों में जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा और कार्यकुशलता के बल पर बड़ी बड़ी कंपनियों के लीडर बन बैठे हैं और यही कारण है कि अब ये विदेशी राष्ट्राध्यक्षों की आंखों में खटकने लगे हैं। उन्हें लग रहा है कि ये हमारे रोजगार और संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं जबकि हकीकत यह है कि भारतीय प्रतिभा के बल पर ही ये कंपनियों का व्यवसाय इतना आगे बढ़ पाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान है कि गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट जैसी अमेरिकी टेक कंपनियों से कहा कि वे भारत में फैक्ट्री बनाना और वर्कर्स हायर करना बंद करें। कंपनियां अमेरिका फर्स्ट को अपनाएं। डोनाल्ड ट्रंप ने तो विश्वविद्यालयी शिक्षा में भी विदेशी छात्रों पर रोक लगाया है। यह स्थिति भारतीय अप्रवासियों को विदेशों मे दोयम दर्जे का बनाती है। पिछले एक दशक में बिजनेस परिवारों में युवा पीढ़ी के लोग अच्छी-खासी संख्या में कानूनी तरीके से विदेश गए हैं। इसके लिए सबसे लोकप्रिय रास्ता है स्टूडेंट वीजा, जिससे 'ब्रेन ड्रेन' होता है। गुजरातियों का सर्वाधिक मनपसंद गंतव्य अमेरिका है। इसके अतिरिक्त अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के बीच मेक्सिको और कनाडा के रास्ते अवैध रूप से अमेरिका जाने की कोशिश में लगभग 90 हजार भारतीय गिरफ्तार हुए थे, जिनमें आधे गुजरात से थे। पंजाब में जब उग्रवाद हावी था तो दूसरे देशों में शरणार्थी के रूप में काफी लोग बहाने बनाकर गए। कनाडा और आस्ट्रेलिया आने मनपसंद देश है। पिछले एक दशक में पंजाब से सिक्खों के बजाय हिंदुओं ने देश छोड़ा है। इस ट्रेंड का प्रभाव हिमाचल और हरियाणा में भी दिखने लगा है। सच कहें तो इस प्रवृति को रोकने की जरूरत है। यह प्रवृत्ति जब तक रुकेगी नहीं, भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की सोच नहीं सकता है।

आमने सामने

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा, "भारत के प्रधानमंत्री सदन के अंदर जो भी कहेंगे, वही सच है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया, विदेश मंत्री ने उससे पहले स्पष्ट किया कि संघर्ष विराम के लिए किसी का कोई दबाव नहीं था और यह किसी के निर्देश पर नहीं हुआ"

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, "यह 29वीं बार है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि युद्धविराम में उनकी भूमिका थी। अगर ट्रंप 29 बार वैश्विक मंच पर कह चुके हैं कि युद्धविराम व्यापार के बदले में हुआ था, तो यह भारत की छवि के खिलाफ है। प्रधानमंत्री को भी इसे खुले तौर पर खारिज करना चाहिए ताकि भारत की वैश्विक छवि को नुकसान न पहुंचे।"

अस्मिता बचाने को मधेशी दलों में जद्दोजहद

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल के मधेश राजनीति में एक नाम तेजी से उभर कर सामने आ रहा है हृदयेश त्रिपाठी का! हृदयेश त्रिपाठी भारत सीमा से एक दम सटे नेपाली भू भाग नवल परासी के निवासी हैं और यही उनका चुनाव क्षेत्र भी है जहां से वे कई बार सांसद और मंत्री रहे हैं।

राजशाही समाप्त होने के बाद नेपाल की राजनीति में मधेशी दलों का दबदबा था। अब वे अपनी अस्मिता बचाने की जद्दोजहद में हैं। लोकतांत्रिक नेपाल में 2008 में पहली बार हुए चुनाव में नेपाली संसद में मधेशी दलों के सांसदों की संख्या 60-70 के करीब थी। आज घटकर मात्र 15-20 रह गई है। इसका सबसे बड़ा कारण मधेशी दलों में बिखराव और करीब 70-80 लाख युवाओं, महिलाओं और युवतियों का भारत सहित अन्य देशों में रोजगार के सिलसिले में पलायन करना है। वेशक पलायन की यह पूरी की पूरी संख्या अकेले मधेश क्षेत्र की नहीं है लेकिन सर्वाधिक संख्या इसी क्षेत्र की है। बिखरे हुए मधेशी दलों को अपनी ग़लती का शायद एहसास हुआ है और वे धीरे-धीरे एक मंच पर आना शुरू कर दिए हैं। मौका है मधेश क्षेत्र में होने जा रहा एक उपचुनाव। भारत सीमा से सटे भैरहवा यानी प्रतिनिधि सभा क्षेत्र संख्या तीन का उपचुनाव यूं तो नेपाल की राजनीति में कोई खास मायने नहीं रखता लेकिन यह उप चुनाव मधेशी दलों की अस्मिता का सवाल है। इस क्षेत्र से राजा समर्थक पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के दीपक बोहरा लगातार सांसद होते रहे हैं। दीपक बोहरा की छवि हिंदू वादी नेता की रही है। वे स्वर्गीय नरेश वीरेंद्र विक्रम शाह के काफी करीबी रहे हैं। बाद में पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र के भी करीबी थे। पिछले दिनों उनका निधन हो गया। इस नाते क्षेत्र संख्या तीन में उपचुनाव होना है।

मौजूदा समय में नेपाल के मधेश राजनीति में एक नाम तेजी से उभर कर सामने आ रहा है हृदयेश त्रिपाठी का! हृदयेश त्रिपाठी भारत सीमा से एक दम सटे नेपाली भू भाग नवल परासी के निवासी हैं और यही उनका चुनाव क्षेत्र भी है जहां से वे कई बार सांसद और मंत्री रहे हैं। मौजूदा समय में वह जनता प्रगतिशील पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इस पार्टी का मधेश के सभी जिलों में मजबूत संगठन है ही पहाड़ के जिलों तक भी इसका विस्तार हुआ है। हृदयेश त्रिपाठी ने पहल कर करीब आधा दर्जन मधेश दलों एक मंच पर ले आने में सफलता हासिल कर ली है। नाम दिया है लोकतांत्रिक मोर्चा! इस मोर्चा के गठन के पीछे क्षेत्र संख्या तीन के उपचुनाव में सत्ता रूढ़ एमाले सहित राजा वादी पार्टी राप्रपा को हराना अथवा कड़ी टक्कर देना है। स्वर्गीय दीपक बोहरा जिसके निधन के बाद यहां उपचुनाव होना है, वे इस क्षेत्र के बहुत ही लोकप्रिय नेता रहे हैं। काफी संभावना है कि राप्रपा इन्हीं के परिवार के किसी सदस्य को उम्मीदवार बनाए। यदि ऐसा हुआ तो लोकतांत्रिक मोर्चा के उम्मीदवार को चुनाव जीत पाना संभव नहीं है। हां यदि कड़ी टक्कर ही दे पाए तो यह मधेशी दलों के पुनर्जीवन का संकेत जरूर होगा।

भारत सीमा से सटे नेपाल के बड़े भूभाग को मधेश अथवा तराई के नाम से जाना जाता है। बता दें कि नेपाल का भू-भाग दो भागों में बंटा हुआ है। एक मैदानी क्षेत्र दूसरा पहाड़ क्षेत्र। राजशाही के वक्त से ही नेपाल में राजनीति से लेकर सेना, पुलिस और सरकारी नौकरियों में पहाड़ियों का ही वर्चस्व है जो अभी भी कायम है। 2008 के चुनाव में मधेशियों की ताकत से पहाड़ी वर्चस्व दरकता हुआ दिखाई पड़ने से पहाड़ी लोग सकते में आ गए। फिर एक चाल चली गई कि मधेशी राजनीति कमजोर कैसे हो। इसके लिए संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन की योजना बनाई गई जिसमें नेपाली कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस परिसीमन के माध्यम से तराई के संसदीय सीटों को,जो पहले पूरब पश्चिम का था उसे उत्तर दक्षिण को कर दिया। ऐसा करके मधेश वोटरों को विभाजित कर दिया गया। मधेश के ज्यादातर संसदीय सीट जो मधेश बाहुल्य थे वहां अब एक तिहाई मधेशी और दो तिहाई पहाड़ी वोटर हो गए। मधेशी दल इसका विरोध करते रह गए लेकिन नेपाली कांग्रेस सहित सभी पहाड़ी प्रभुत्व वाले दलों ने मधेशियों के विरोध पर ध्यान ही नहीं दिया। नेपाल के उत्तर पहाड़ियों की संख्या अधिक है। इस तरह राजनीतिक रूप से मधेशियों को कमजोर करने का बड़ा कदम उठाया गया। संसदीय सीटों के इस परिसीमन का नतीजा यह रहा कि नेपाली संसद में मधेशियों की संख्या लगातार घटती गई। यहां यह गौर करने की बात है कि पूर्व में मधेश की राजनीति में नेपाली कांग्रेस का दबदबा रहता था, मधेशी जनता नेपाली कांग्रेस को अपना हितैषी मानती रही लेकिन यह बहुत देर में समझ पाई कि आखिर नेपाली कांग्रेस ने अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष किसी मधेशी नेता को क्यों नहीं बनाया जबकि मधेश में एक से एक कांग्रेस के बड़े नेता मौजूद हैं। नेपाल का नया संविधान भी नेपाली कांग्रेस की गठबंधन सरकार में लागू हुआ जिसमें मधेशी जनता के तमाम अधिकारों की अनदेखी की गई। हृदयेश त्रिपाठी के प्रयासों से गठित लोकतांत्रिक मोर्चा पूर्व में लागू संविधान में संशोधन की आवाज बुलंद कर उसमें मधेशियों के हक और अधिकार को समाहित करने की मांग तेज करेगा जिसमें संसदीय सीटों का परिसीमन निरस्त कर उसे पूर्ववत रखने की मांग प्रमुख है। नागरिकता विसंगति भी बड़ा मसला है। संविधान में नागरिकता संबंधी अधिकार का नियम कुछ यूं है कि इससे लाखों की संख्या में विवाहित भारतीय महिलाएं नागरिकता से वंचित हैं। मधेश से जुड़े ऐसे ही कुछ मसले हैं जिनकी नेपाल के लोकतांत्रिक संविधान में अनदेखी की गई, लोकतांत्रिक मोर्चा की इसे लेकर पूरे मधेश में आंदोलन चलाने की तैयारी है। लोकतांत्रिक मोर्चा में मुख्यतः उपेंद्र यादव, अशोक राई, बृजेश चंद लाल, रेशम चौधरी, सीके राउत की पार्टियां शामिल हैं। इन दलों का मधेश के अपने अपने क्षेत्रों में खासा प्रभाव है। सभी मिलकर यदि मधेश की जीवंत समस्याओं के समाधान को लेकर लोगों को जागरूक कर पाए तो निसंदेह भारत सीमा से सटे नेपाल के लंबे चौड़े भू-भाग की राजनीति में ऐसा बदलाव होगा जिससे संपूर्ण नेपाल की राजनीति प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी और ऐसा हुआ तो मधेशी दलें नेपाल की राजनीति में एक बार फिर अपना परचम लहराने में कामयाब होंगी।

सामयिकी

पितृसत्तात्मक संरचना और स्त्री सशक्तिकरण

कई बार स्त्री के सामने इस तरह प्रश्न रखा जाता है-क्या चाहिए, सुरक्षा या स्वतंत्रता? आज जैसा माहौल बना दिया गया है, स्वतंत्रता की हर इच्छा और नया कदम स्त्रियों को असुरक्षा की ओर ले जाता है। इस उद्देश्य से तरह-तरह के भय निर्मित किए जाते हैं, पुराने धर्म की दुहाई दी जाती है और महसूस कराया जाता है कि उन्हें सुरक्षा की जरूरत है, अर्थात पितृसत्ता की छांव में लौटो।

शंभुनाथ

सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कोलकाता

तनिक सोच लिया जाए, पितृसत्ता ध्वस्त हो गई। लेकिन जाति व्यवस्था मजबूत बनी हुई है। सांप्रदायिकता फैली हुई है। धार्मिक अंधविश्वास पहले से बढ़े हैं। विदेशी कंपनियां छाती जा रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेरोजगारी बढ़ा रहा है।

अर्थात स्वतंत्रता के बारे में ज्यादा न सोचो, सुरक्षा के बारे में सोचो। खाने-पहनने, मिलने-जुलने, साथी चुनने, घर से बाहर रहने, बोलने आदि हर मामले में लिमिट में रहो। धार्मिक महंत-बाबा भी अब खूब मुखर हैं, इन दिनों वे स्त्रियों की जमकर क्लास ले रहे हैं। आज कहने की जरूरत है कि स्त्रियों को सुरक्षा और स्वतंत्रता दोनों चाहिए, पर जमाना किस दिशा में बदल रहा है?

इन दशकों में स्त्री मुक्ति की धारणा को हटाकर स्त्री-सशक्तिकरण की प्रतिष्ठा की गई है। समाज की पितृसत्तात्मक संरचना को बरकरार रखते हुए स्त्री-सशक्तिकरण। क्या यह स्त्री मुक्ति आंदोलन के धीमा पड़ते जाने का समय है?

क्या स्त्रियां नई-नई लक्ष्मण रेखा खींचने के प्रयासों और पद-सम्मान के जरिए महज चिह्न बना दिए जाने की व्यवस्था को चुनौती देने की स्थिति में हैं?

तनिक सोच लिया जाए, पितृसत्ता ध्वस्त हो गई। लेकिन जाति व्यवस्था मजबूत बनी हुई है। सांप्रदायिकता फैली हुई है। धार्मिक अंधविश्वास पहले से बढ़े हैं। विदेशी कंपनियां छाती जा रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेरोजगारी बढ़ा रहा है। प्रशासन में पारदर्शिता नदारद है। देश में हिंसक प्रांतीयता बढ़ रही है। समाज में लूट-मार, अपराध बढ़ रहे हैं। बिग मीडिया में स्त्री एंकर छाई हुई हैं, पर वे अदृश्य हाथों की कठपुतलियां हैं। उच्च उपभोक्ता बाजार का एक नया जाल बन गया है। क्या पितृसत्ता इन चीजों के रहते हुए ध्वस्त हो सकती है? क्या इनका सामना किए बिना पितृसत्ता का बाल भी बांका किया जा सकता है? इसपर सोचा जाना चाहिए कि इन समस्याओं के प्रति गंभीरता कितनी है और इन समस्याओं से बचने की कोशिश कितनी है। आज स्त्रियों में महज चिह्न बना दिए जाने के विरुद्ध कितना असंतोष है और कितनी आतुरता है? यह केवल एक जिज्ञासा है।

सोशल फोरम

मतदाता सूची में हुई गड़बड़ी तो कोर्ट करेगा हस्तक्षेप

बिहार मतदाता सूची पुन निरीक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में कुछ स्थितियां स्पष्ट होती नजर आई है। याचिकाकर्ताओं ने रिवीजन पर रोक की मांग नहीं की, बल्कि क्रियान्वयन की गड़बड़ियों पर अपनी बात कही और जिन 65 लाख मतदाताओं का नाम काटे जाने की बात कही जा रही है उनको लेकर कुछ सवाल किए। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने कहा मतदाता सूची का ड्राफ्ट आ जाने के बाद जिन मतदाताओं का नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं आएगा उनके पास क्लेम करने का कोई अधिकार नहीं रहेगा। उस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा मतदाता सूची का जो ड्राफ्ट आएगा उसके बाद जिन मतदाता सूची के नाम पिछली सूची में थे और अभी काट दिए गए हैं उन्हें न्याय पाने का पूरा अधिकार रहेगा। न्यायलय ने व्यवस्था दी सूची जारी करना एक संवैधानिक प्रक्रिया है और हमारा मानना यह है की चुनाव आयोग उसे पूरे पवित्रता से कर रहा है ऐसे में एक बार उसका ड्राफ्ट आ जाए और यदि उसके बाद आपको कहीं भी लगे किन्हीं 15 मतदाताओं के साथ भी गड़बड़ी हुई है तो कोर्ट आपकी प्रार्थना स्वीकार कर सकता है।

प्रमोद जैन पिंटू

भवानी मंडी

चुनाव आयोग के वकील ने कहा की 15 सितंबर तक ड्राफ्ट कॉपी पटल पर रख देंगे तो इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की उन्होंने कहा की 12 और 13 अगस्त वह तारीख हमारे पास सुनवाई के लिए है, और आपने जिस समय सीमा में ड्राफ्ट सूची रखने की बात कही है, आप उसकी पालना करें उल्लेखनीय है की चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में एक तारीख तक यानी 1 अगस्त तक ड्राफ्ट सूची तैयार करने की बात कही थी।

याचिकाकर्ताओं के वकीलों का कहना था चुनाव आयोग जानबूझकर ज्यादा समय मांग रहा है ताकि एक बार प्रक्रिया प्रारंभ हो जाए तो वह इस बात का बहाना ले की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है न्यायालय अपने कार्रवाई चुनाव के बाद करें। वरना प्रक्रिया बाधित होगी। कोर्ट ने इसी तर्क के आधार पर चुनाव आयोग से कहां संदर्भ की प्राथमिकता है इसलिए आपको तय समय सीमा पर अपना कार्य करना चाहिए। याचिकाकर्ताओं की ओर से जब यह कहा गया की 22 लाख लोगों को जनवरी की समरी रीवीजन के बाद चुनाव आयोग मृत बता रहा है, तो सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि आप 15 मतदाता ऐसे ला देना जिन्हें मृत बताया गया है और वह जीवित है। तो कोर्ट सख्ती से अपना काम करेगा। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र को आवश्यक दस्तावेज में शामिल करने की बात कही थी और इन 66 लाख मतदाताओं पर जिनका नाम ड्राफ्ट सूची में ना आने पर उनके पास कोई अधिकार नहीं रहता उन्हें भी नाम काटे जाने की स्थिति में दोबारा जुड़वाने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद सुनने की बात कह कर चुनाव आयोग का किकर्तव्यविमुढ कर दिया है।

क्योंकि एसआईआर को लेकर कई गड़बड़ियों का जिक्र पहले ही हो चुका है मनोज झा ने राजद की ओर से दायर अपने याचिका में पहले ही ऐसे मतदाताओं के नाम की सूची दर्ज की है जिसमें मरने के बाद भी उनके नाम मतदाता सूची में शामिल है और आधार कार्ड और मतदाता एपिक कार्ड के बाद जिन लोगों के बिना दस्तावेज के फॉर्म भी सबमिट किए गए हैं अपलोड किए गए हैं उनके लिए भी एक बहुत बड़ा आधार बन जाएगा अपना नाम सूची में अंकित रखवाने के लिए।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सख्ती, रैगिंग निषेध अधिनियम में सजा का प्रावधान और शैक्षिक संस्थानों द्वारा की जाने वाली सतत निगरानी से मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रथम वर्ष में दाखिला लेने वाले छात्रों को मानसिक व शारीरिक यातना देने वाली रैगिंग भले ही रुक गई हो, लेकिन जिस तरह से डिजिटल रैगिंग के मामले सामने आने शुरू हुए हैं, उसने मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के नए सत्र को लेकर तमाम चिंताएं खड़ी कर दी हैं।

जॉब अलर्ट

आईबी में 4,987 पदों पर भर्ती

- गृह मंत्रालय के तहत इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने सिक्योरिटी असिस्टेंट तथा एग्जीक्यूटिव के पद पर 4,987 रिक्तियों की घोषणा की है। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो 17 अगस्त तक चलेगी। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट www.mha.gov.in/en/notifications/vacancies पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

बीएसएफ में ट्रेड्समैन नियुक्ति

- बार्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) में 3588 कुक, मोची, नाई, वॉशरमैन, वॉटर कैरियर, कारपेंटर, स्वीपर जैसे ट्रेड्समैन के पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं पास और संबंधित ट्रेड में आईटीआई के प्रमाणपत्र धारक 25 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं।

पैरामेडिकल भर्ती, एमपी

- मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने पैरामेडिकल के 752 पदों पर भर्ती निकाली है। आवेदन 11 अगस्त तक कर सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट esb.mp.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं।

अग्निवीर के आवेदन

- भारतीय सेना/नौसेना/वायु सेना में अग्निवीर भर्ती-2025 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 5 अगस्त 2025 है। इसके बाद लिखित व शारीरिक परीक्षा होगी।

सीआरपीएफ कांस्टेबल

- सीआरपीएफ हेड कांस्टेबल मिनिस्टीरियल और एएसआई स्टेनो भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 12 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है।

मध्य प्रदेश शिक्षक भर्ती

कुल पद	13089
योग्यता	ग्रेजुएट
अंतिम तिथि	06/08/2025

पूर्वी रेलवे में अप्रेंटिस

कुल पद	3115
योग्यता	10वीं
अंतिम तिथि	08/08/2025

इस हफ्ते प्रतियोगी परीक्षाएं

नीट पीजी -2025

- इस परीक्षा का इंतजार खत्म हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर तीन अगस्त को परीक्षा आयोजित की जाएगी। पहले यह परीक्षा 15 जून को होने वाली थी।

यूपीएससी सीएपीएफ

- संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सीएपीएफ परीक्षा तीन अगस्त को दो पालियों में आयोजित होगी।

बड़े काम की बात

बीटेक में दाखिला लें अथवा बीई का विकल्प चुन सकते

- बीटेक (बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी) और बीई (बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग) दोनों ही चार साल की अंडर ग्रेजुएट इंजीनियरिंग डिग्री हैं। लेकिन दोनों के कोर्स में कुछ अंतर है। बीटेक पाठ्यक्रम जहां प्रौद्योगिकी और व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर अधिक केंद्रित रहता है, इसमें तकनीकी और सॉफ्टवेयर विषयों पर अधिक जोर दिया जाता है। इसके मुकाबले बीई में पारंपरिक इंजीनियरिंग विषयों के सैद्धांतिक ज्ञान और सिद्धांतों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाता है। बीटेक में व्यावहारिक और परियोजना आधारित शिक्षा पर अधिक जोर रहता है, जबकि बीई में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ डिजाइन पर अधिक जोर रहता है। इन्हीं कारणों से बीटेक को बीई की तुलना में अधिक उद्योग उन्मुख माना जाता है। बीटेक में प्रवेश आमतौर पर जेईई या राज्यों की संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है, वहीं बीई में प्रवेश विश्वविद्यालय आधारित प्रवेश परीक्षाओं के जरिए होता है। हालांकि ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन दोनों डिग्रियों को समान मान्यता देता है, और दोनों पाठ्यक्रमों के लिए नौकरी के अवसर भी समान हैं। बीई डिग्री प्रदान करने वाले प्रसिद्ध संस्थान बिट्स पिलानी, अन्ना विश्वविद्यालय हैं, जबकि आईआईटी, एनआईटी जैसे संस्थान बीटेक डिग्री प्रदान करते हैं।

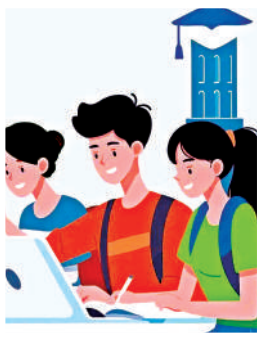

डिप्लोमा धारकों के लिए है बीटेक लैटरल एंट्री

- बीटेक लैटरल एंट्री उन छात्रों के लिए है, जो डिप्लोमा धारक हैं और अब आगे इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहते हैं। इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने वालों के लिए में बीटेक लैटरल एंट्री एक शानदार विकल्प है। इस प्रोग्राम के जरिए सीधे बीटेक में दूसरे साल की पढ़ाई शुरू की जा सकती है। यह खास मौका उन छात्रों के लिए होता है जो 10वीं या 12वीं के बाद तीन साल का इंजीनियरिंग डिप्लोमा कर चुके हैं।

कॉलेज में पहला कदम...
डिजिटल रैगिंग का डर

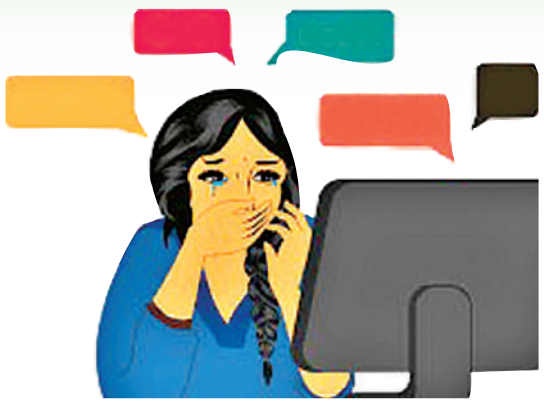

डिजिटल रैगिंग को साइबर बुलिंग भी कहा जाता है। यह तेजी से पांव पसारती हुई गंभीर समस्या है, जो पीड़ित छात्र को मानसिक और भावनात्मक रूप से आहत करती है। साइबर बुलिंग में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग से किसी को परेशान करने के साथ डराया या अपमानित किया जाता है। शैक्षणिक संस्थानों में साइबरबुलिंग के शिकार छात्र भावनात्मक रूप से गंभीर पीड़ित हो सकते हैं। उनके आत्मसम्मान और शैक्षणिक प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। अलग-थलग पड़कर पढ़ाई में रुचि खोकर कक्षाएं तक छोड़ सकते हैं। केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में दी गई जानकारी के मुताबिक वर्ष 2024 में मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग की सबसे अधिक 33 शिकायतें उत्तर प्रदेश से आई थीं। बिहार में इस तरह की 17, राजस्थान में 15 और मध्यप्रदेश से 12 शिकायतें मिली थीं।

कैसे होती है डिजिटल रैगिंग या ट्रोलिंग, ऐसे होगी रोकथाम

डिजिटल रैगिंग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे सोशल मीडिया, मैसेजिंग ऐप्स, या ईमेल के माध्यम से की जाती है। किसी को सोशल मीडिया पर लगातार अपमानजनक संदेश भेजना या अभद्र भाषा का प्रयोग करना, ऑनलाइन उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी को परेशान करने के लिए सामूहिक रूप से टिप्पणी करना या संदेश भेजना ट्रोलिंग में आता है। किसी की प्रोफाइल फोटो या निजी जानकारी का उपयोग करके फर्जी प्रोफाइल बनाकर दुरुपयोग करना ऑनलाइन झूठी और अपमानजनक बातें फैलाने को भी इसमें शामिल किया गया है। सरकार ने रैगिंग रोकने के लिए मेडिकल कॉलेजों और अन्य संस्थानों में रैगिंग की रोकथाम और निषेध विनियम 2021 का पालन अनिवार्य किया है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने भी डिजिटल रैगिंग की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए नियमित निगरानी के निर्देश दिए हैं।

फर्जी आईडी से जूनियर छात्रों को मैसेज और फोन कॉल

कानपुर के एक मेडिकल कॉलेज के सीनियर छात्रों ने भी कुछ दिनों पहले एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों के हॉस्टल के चारों तरफ सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्डों का पहरा देखकर ई-रैगिंग का रास्ता खोजा था। फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर जूनियर छात्रों को मैसेज भेजकर रैगिंग की गई। कुछ सीनियर छात्रों ने फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर अलग-अलग स्थानों से मैसेज और फोन कॉल करके जूनियर छात्रों को मानसिक प्रताड़ना दी। पीड़ित छात्रों के इंस्टाग्राम चैट का स्क्रीन शॉट और फोन कॉल की डिटेल लिए जाने पर मामले का खुलासा हुआ। साइबर सेल की जांच में पता चला कि सीनियर छात्रों ने फर्जी इंस्टाग्राम प्रोफाइल बनाई थी। कॉलेज प्रशासन ने हॉस्टल में रैगिंग के आरोप में आठ सीनियर छात्रों को छह महीने के लिए सस्पेंड करके सेमेस्टर परीक्षा में बैठने से रोक दिया था।

75%

मामले झूठी अफवाह, सामाजिक बहिष्कार और चिढ़ाऊ नाम आदि से संबंधित होते हैं।

सुरक्षित डिजिटल स्पेस चाहिए तो चुप न रहें

डिजिटल रैगिंग या साइबर बुलिंग शैक्षणिक संस्थानों में भय और अविश्वास की संस्कृति बढ़ाती है। इसके बावजूद अक्सर पीड़ित छात्र चुप रह जाते हैं। घटनाओं की संस्थान या पुलिस में रिपोर्ट नहीं करते। इसके पीछे उन्हें शर्मिंदगी का डर और विधायी उपायों की जानकारी नहीं होना होता है। हालांकि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम-2000 और उसके बाद के संशोधन कुछ कानूनी उपाय प्रदान किए हैं, लेकिन इनका प्रवर्तन बड़ी चुनौती है। ऐसे में युवाओं को सुरक्षित डिजिटल स्पेस प्रदान करने के लिए जागरूकता जरूरी है। प्रौद्योगिकी कंपनियों को भी सामग्री नियंत्रण में सुधार करके, अपमानजनक व्यवहार रोकने वाले टूल्स उपलब्ध कराने चाहिए।

80%

भारत में साइबर बुलिंग की दर है, किशोरों और युवाओं के बीच। मैकेफी के 'हिडेन इन प्लेन साइट' अध्ययन में भारत को दुनिया के सर्वाधिक प्रभावित देशों में बताया गया है।

फर्जी आईडी या पोफाइल से छात्रों को मानसिक और भावनात्मक रूप से आहत करने की बढ़ती घटनाओं ने खड़े किए नए सवाल

लेखक: मानस सेठ, युवा उद्यमी हैं और शैक्षिक व सामाजिक कार्यों से जुड़े हैं

एक-दूसरे को थप्पड़ मारने का टॉस्क और रेन डांस

बीएचयू में डिजिटल रैगिंग के दौरान प्रथम वर्ष के छात्रों को एक-दूसरे को थप्पड़ मारने का टॉस्क दिया गया। कूलर में पानी भरवाने के साथ ही पानी में भिगोकर डांस भी करवाया गया। विरोध जताने वाले जूनियर छात्रों को कक्षा से बहिष्कार की धमकी दी गई। प्रताड़ित छात्रों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को ई मेल से शिकायत की तो बीएचयू के एंटी रैगिंग सेल ने जांच की और 28 छात्रों को दोषी पाया।

नई किताबें

- अमेजन बुकशॉप पर उपलब्ध मैट रिचटेल की पुस्तक-हम कैसे बड़े होते हैं, में स्मार्ट फोन की दिलचस्प बहस को आगे बढ़ाती हुई गैर-काल्पनिक कथा को पिरोया गया है। पुलित्जर पुरस्कार विजेता न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकार मैट रिचटेल द्वारा लिखी गई यह पुस्तक इस बहस के साथ शुरू होती है कि क्या स्मार्टफोन का इस्तेमाल किशोरों में चिंता और अवसाद बढ़ा रहा है। पुस्तक में किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य संकट के अस्तित्व पर सवाल उठाने के बजाय, रिचटेल का मानना है कि आज किशोरों द्वारा महसूस किया जा रहा संकट उस दुनिया के लिए एक उचित प्रतिक्रिया है, जिसकी चुनौतियां शारीरिक की बजाय अमूर्त और बौद्धिक होती जा रही हैं। किशोरावस्था बदल गई है। यौवन की उम्र कम हो गई है, जिससे युवा पहले से कहीं अधिक समय तक असुरक्षित स्थिति में फंसे रहते हैं और स्मार्टफोन के प्रलोभनों के लिए विशेष रूप से खुले होते हैं।

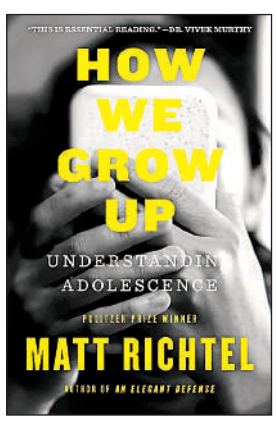

- लुसेंट की लिखी प्राथमिक अंकगणित पुस्तक गागर में सागर जैसी है। यह पुस्तक गणितीय अवधारणाओं को समझने और सीखने के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए बेहद उपयोगी है। इसमें अंकगणित के बुनियादी सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से समझाया गया है। पुस्तक प्रतियोगी परीक्षाओं एसएससी, रेलवे, बैंकिंग आदि की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नों के साथ उनका समाधान भी उपलब्ध कराती है। पुस्तक एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित है। जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं में अधिकतर सवाल पूछे जाते हैं। पुस्तक में छात्रों को अभ्यास करने और अपनी समझ की जांच करने के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं। पुस्तक अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो पर ऑनलाइन के अलावा बाजार में भी उपलब्ध है।

लेखक : प्रो. क्षमा त्रिपाठी, कानपुर

देश के सबसे पुराने कॉलेज ने देश भर के गैर आईआईटी संस्थानों में बनाई नई साख

रसोई से रोबोट तक मतलब एचबीटीयू

कानपुर स्थित हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक शताब्दी से अधिक के गौरवशाली इतिहास का मजबूत प्रकाश स्तंभ है। ऑयल, पेंट, प्लास्टिक, फूड, लेदर टेक्नालॉजी के साथ संस्थान आईटी और कम्प्यूटर साइंस में भी अपना कमाल दिखा रहा है। साल 1921 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान ने देश के औद्योगिक और तकनीकी विकास में यादगार भूमिका निभाई है। संस्थान ने आईआईआरएफ रैंकिंग- 2024 में पहले गैर आईआईटी संस्थान के रूप में टॉप- 10 संस्थानों में जगह बनाकर अपनी प्रतिष्ठा को नया आयाम दिया है।

एचबीटीयू की शुरुआत 1920 में कानपुर में सरकारी अनुसंधान संस्थान की स्थापना के साथ हुई थी। यह पहल सर स्पेंसर हरकोर्ट बटलर की दूरदर्शिता से प्रेरित थी, जो उस समय संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश का पूर्ववर्ती नाम) के गवर्नर थे। कानपुर की उस समय की औद्योगिक स्थिति के अनुरूप चमड़ा, रंगाई, चीनी के रसायन विज्ञान को गति देने के लिए इस संस्थान की आवश्यकता महसूस की गई। 25 नवंबर,1921 को सर स्पेंसर हरकोर्ट बटलर ने मुख्य भवन की आधारशिला रखी । प्रतिष्ठित डाई वैज्ञानिक डॉ. ईआर वॉटसन को पहला प्रिंसिपल नियुक्त किया गया। 1926 में इसका नाम बदलकर हरकोर्ट बटलर टेक्नालॉजिकल इंस्टीट्यूट (एचबीटीआई) किया गया। पहली सितंबर, 2016 को उत्तर प्रदेश सरकार ने संस्थान का हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) के रूप उन्नयन कर दिया।

ह्यूमैनिटीज और सोशल साइंसेज को भी स्थान

एचबीटीयू को मुख्य रूप से चार अलग-अलग स्कूलों इंजीनियरिंग, केमिकल, बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज तथा स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज में व्यवस्थित किया गया है । इनके अंतर्गत 13 स्नातक (बीटेक) कार्यक्रम तथा बीबीए, 11 एमटेक कार्यक्रमों के साथ एमसीए, एमबीए के अलावा भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में एमएससी डिग्री एवं सभी विभागों में पीएचडी कार्यक्रम संचालित हैं। विश्वविद्यालय के सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग पीएचडी कार्यक्रमों के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम केंद्रों के रूप में मान्यता प्राप्त हैं।

आरएंडडी में पहला स्थान नवाचार विनिमय में छलांग

- एचबीटीयू एक उत्कृष्टता केंद्र वाला संस्थान है जिसमें अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) तथा इनक्यूबेशन पर विशेष जोर है। विश्वविद्यालय ने आरएंडडी योजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। अनुसंधान और एमओयू श्रेणी में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग में एचबीटीयू को सभी राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान मिला है। संस्थान ने कैंपस में आरएंडडी का उन्नत केंद्र स्थापित करने के लिए जर्मन बहुराष्ट्रीय निगम नार्डिश एनर्जी सिस्टम्स के साथ एमओयू किया है।

केमिकल, पेंट, ऑयल और फूड टेक्नालॉजी में बादशाहत

- एचबीटीयू में हालिया प्लेसमेंट में केमिकल इंजीनियरिंग ने कंप्यूटर साइंस और आईटी इंजीनियरिंग को पछाड़ दिया। केमिकल इंजीनियरिंग के 66 छात्रों को 78 से ज्यादा जॉब ऑफर मिले। दूसरे स्थान पर पेंट, ऑयल और फूड टेक्नोलॉजी में 95 फीसदी और तीसरे नंबर पर इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल ब्रांच में 90 फीसदी छात्रों का प्लेसमेंट हुआ।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,481.86	24,855 .05
बढ़त	81,481.86	+33 .95
प्रतिशत में	0 .18	0 .14

सोना : 98,520 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,14,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार ,31 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

म्यूचुअल फंड उद्योग पर निवेश की बारिश

वित्त वर्ष की पहली तिमाही में औसत निवेश बढ़ा, बड़े-छोटे दोनों तरह के फंड हाउस निवेशकों को जोड़ने में सफल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में निवेशकों के औसत निवेश यानी औसत एयूएम प्रति फोलियो में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एम्फी के आंकड़ों पर किए गए विश्लेषण के मुताबिक, मार्च 2025 में यह आंकड़ा रुपये 2.87 लाख था, जो जून 2025 तक बढ़कर 3.12 लाख हो गया है।

एयूएम प्रति फोलियो में यह बढ़त दर्शाती है कि निवेशकों का भरोसा म्यूचुअल फंड में लगातार बढ़ रहा है और वे उच्च मूल्य की निवेश योजनाओं की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जहां कुछ फंड हाउस बड़े निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं, वहीं कई फंड हाउसों में छोटे लेकिन तेजी से बढ़ते निवेशक आधार को जोड़ने की रणनीति दिख रही है। जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, यूनिफी म्यूचअल फंड ने एक बार फिर रुपये 15.72 लाख प्रति फोलियो के औसत एयूएम के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके बाद ओल्ड ब्रिज म्यूचअल फंड 6.33 लाख और एसबीआई म्यूचअल फंड रुपये 6.02 लाख के औसत निवेश के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे हैं।

अन्य प्रमुख फंड हाउसों में एचएसबीसी म्यूचुअल फंड 5.47 लाख, कोटक म्यूचुअल फंड 5.31 लाख, इनवेस्को, बंधन और ट्रस्ट म्यूचअल फंड भी उच्च औसत निवेश स्तर पर कायम हैं। मार्च से जून 2025 के बीच के बदलावों को देखने पर, ओल्ड ब्रिज म्यूचुअल फंड ने रुपये 1.25 लाख की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की। एचएसबीसी म्यूचुअल फंड रुपये 69,423 की बढ़ोतरी के साथ दूसरा स्थान पाया, जबकि ट्रस्ट ने रुपये 58,193 की बढ़त के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

बाजार की स्थिरता से तेज हो सकता फंड निवेश

आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह के अनुसार, आने वाली तिमाहियों में अगर बाजार स्थिरता बनाए रखता है, तो म्यूचुअल फंड पर निवेशकों के भरोसे का ट्रेंड और तेज हो सकता है। उनके मुताबिक एंजिल वन म्यूचुअल फंड ने सबसे अधिक 96 .57 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। लेकिन इसका टिकट साइज अभी भी रुपये 31,000 के करीब ही है। ग्रो म्यूचअल फंड, जो युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, ने रुपये 4,133 की बढ़ोतरी के साथ 29 .50 फीसदी वृद्धि हासिल की है। इसी तरह यूनिफी म्यूचुअल फंड ने भले ही सबसे ऊंचा औसत टिकट साइज बनाए रखा हो, लेकिन इस तिमाही में इसके औसत एयूएम प्रति फोलियो में रुपये 1 .32 लाख की गिरावट यानी 7 .7 फीसदी की कमी आई है।

लगातार दूसरे दिन तेजी से सेंसेक्स 144 अंक चढ़ा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 144 अंक मजबूत बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 34 अंक के लाभ में रहा। मुख्य रूप से लॉर्सन एंड टुब्रो के शेयर में भारी लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 143 .91 अंक यानी 0 .18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,481 .86 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 281 .01 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33 .95 अंक यानी 0 .14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,855 .05 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी ने बाजार की तेजी पर अंकुश लगाया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में, लार्सन एंड टुब्रो में 4 .87 प्रतिशत की तेजी आई। इसका कारण बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी के शुद्ध लाभ में अच्छी वृद्धि है। टाटा मोटर्स में सबसे ज्यादा 3 .47 प्रतिशत की गिरावट आई। विभिन्न रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन विनिर्माता कंपनी 4 .5 अरब डॉलर के सौदे में इटली की कंपनी की ट्रक इकाई का अधिग्रहण करने के लिए बातचीत कर रही है।

अमेरिका का ऊंचा शुल्क चौंकाने वाला झींगा निर्यात पर पड़ेगा गंभीर असर

- कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी ने कहा- ऊंचा शुल्क लगाने का फैसला बहुत बुरा

नई दिल्ली, एजेंसी

कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी ने कहा है कि अमेरिका के 25 प्रतिशत के ऊंचे शुल्क और जुर्माने से भारत के समुद्री खाद्य निर्यात, विशेष रूप से झींगा मछली के निर्यात पर 'गंभीर' असर पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत पर 25 प्रतिशत का शुल्क और रूस से सैन्य खरीद को लेकर जुर्माना लगाने की घोषणा की है।

यह शुल्क एक अगस्त से लागू होगा। गुलाटी ने कहा कि ट्रंप का सभी भारतीय वस्तुओं पर ऊंचा शुल्क लगाने का फैसला बहुत बुरा और चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि उन्हें केवल 10-15 प्रतिशत शुल्क की उम्मीद थी। उन्होंने बताया, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप अप्रत्याशित और दंडात्मक रुख वाले हैं। गुलाटी ने कहा कि इस कदम से देश के झींगा निर्यात पर 'गंभीर' असर पड़ेगा तथा कम शुल्क और अमेरिका से करीबी भौगोलिक नजदीकी रखने वाले इक्वाडोर को फायदा होगा। झींगा निर्यात के अलावा, भारत के वस्त्र उद्योग पर उच्च अमेरिकी शुल्क का प्रभाव भी देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा, भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से हमें जो बड़ा लाभ मिलता है, वह उच्च अमेरिकी शुल्क के कारण बेअसर हो जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का झींगा निर्यात लगभग 4.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो कुल समुद्री खाद्य निर्यात का 66 प्रतिशत है।

अमेरिकी शुल्क देखने में गंभीर, लेकिन समझौता करने वाले देशों के मुकाबले भारत की स्थिति खराब नहीं

नई दिल्ली। शोध संस्थान जीटीआरआई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा भले ही गंभीर लग रही हो, लेकिन भारत की स्थिति अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों से ज्यादा खराब नहीं है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, जापान, इंडोनेशिया और वियतनाम अब उच्च शुल्क का सामना कर रहे हैं और बदले में उन्होंने काफी रियायतें दी हैं। इन रियायतों में अमेरिकी कृषि उत्पादों पर शून्य शुल्क, बड़े पैमाने पर निवेश के वादे और अमेरिकी तेल, गैस और हथियारों की खरीद शामिल हैं। जबकि भारत ने ऐसी कोई रियायत नहीं दी है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, हालांकि, ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा कठोर लग सकती है, लेकिन करीब से देखने पर पता चलता है कि भारत की स्थिति अमेरिका से समझौते करने वाले देशों से ज्यादा खराब नहीं है।

बिजनेस ब्रीफ

धन की हेराफेरी मामले में प्रतिबंध कायम

नई दिल्ली। सेबी ने बुधवार को धन की हेराफेरी और कॉरपोरेट कामकाज की विफलताओं को लेकर चिंताओं के चलते जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके पूर्व निदेशकों- अनमोल सिंह जग्गी व पुनीत सिंह जग्गी को प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित करने के अपने अंतरिम आदेश को बरकरार रखा। इसके अलावा, नियामक ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) यात्रा मंच ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के सह-संस्थापक जग्गी बंधु जेनसोल में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय पद नहीं ले सकेंगे। यह अंतिम आदेश ऐसे समय में आया है जब कंपनी अदालत द्वारा नियुक्त एक पेशेवर की देखरेख में दिवाला कार्यवाही के तहत है।

एआई से 1.8 करोड़ नौकरियां होंगी प्रभावित

मुंबई। एजेंटिक कृत्रिम मेधा (एआई) का चलन बढ़ने से अगले पांच वर्षों के भीतर विनिर्माण, खुदरा और शिक्षा क्षेत्रों की करीब 1.8 करोड़ नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई। 'सर्विसनाउ' की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2030 तक एआई से उपजे व्यापक व्यवधान का सर्वाधिक प्रभाव विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ेगा जहां 80 लाख नौकरियां प्रभावित होंगी। इसके मुताबिक, अगले पांच साल में खुदरा क्षेत्र में 76 लाख और शिक्षा क्षेत्र में 25 लाख नौकरियों के भी इस बदलाव की चपेट में आने की आशंका है।

वाहन उद्योग को पहले स्थान पर लाना लक्ष्य

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार ने वाहन उद्योग में भारत को दुनिया का अग्रणी देश बनाने का लक्ष्य रखा है। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि वाहन क्षेत्र ने अबतक देश में 4 .5 करोड़ लोगों को रोजगार दिया है, जो किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा, भारतीय वाहन उद्योग का आकार अब 22 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हम सभी का मिशन है कि इस उद्योग को दुनिया में पहले स्थान पर लेकर जाएं।

घटती गई दाल मिलें और महंगा होता गया जायका

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एक दशक पहले बरेली में थीं 40 से 45 मिलें अब सिर्फ 16 ही कर रहीं दाल की सप्लाई

अमृत विचार: बाजार में जिस तरह दालों की मांग बढ़ रही है, उस तरह से बरेली में दालों की पैदावार नहीं हो रही है। दाल के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। स्थानीय पैदावार कम होने की वजह से दाल मिलें भी कम होती गईं। कारोबारी बताते हैं कि एक दशक पहले तक जहां जिले में 40 से 45 दाल मिलें हुआ करती थीं लेकिन अब संख्या घटकर 15 से 16 रह गई है। वहीं सालाना होने वाले कारोबार को भी बड़ा झटका लगा है।

कारोबारियों के अनुसार जिला तो दूर मंडल भर में दलहन की खेती न के बराबर है। बरेली के रामगंगा पार वाले कुछ गांवों में सिर्फ मसूर की खेती होती है। मिलों में राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र से कच्चे माल की खरीद कर उसे तैयार कर बेचा जा रहा है। सरकार को इस ओर ध्यान देते हुए किसानों को दलहन की खेती करने को प्रोत्साहित करना चाहिए। कृषि विभाग के अनुसार जिले में दलहन का रकबा साढ़े सात हजार हेक्टेयर ही है।

जहां से माल आता है वहां लग गईं मिलें

दाल का कारोबार बेपटरी होने का एक प्रमुख कारण यह है कि बीते 7 से 8 साल तक कारोबारी राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों से माल मंगाते थे लेकिन अब वहां भी मिलें स्थापित हो गईं हैं जिसके चलते माल की आपूर्ति भी घटी है। इसी वजह से मिलें भी बंद हुई हैं।

सालाना कारोबार में आई भारी गिरावट

कारोबारियों के अनुसार पांच साल पहले तक जिले में दालों का कारोबार करीब 500 करोड़ तक था लेकिन पिछले तीन साल से 200 से 250 करोड़ तक ही टर्नओवर रहे गया है। जिससे कारोबारियों का भी मोहभंग हो रहा है।

दाल की पैदावार न के बराबर

मंडल में दाल की पैदावार न के बराबर होने से साल दर साल दाल मिलों की संख्या घट रही है। महज 15 से 16 मिलें ही बची हैं। दाल का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार को किसानों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

– कैलाश मित्तल

दाल का कारोबार साल दर साल घट रहा है। इसका मुख्य कारण है कि मंडल में दाल का रकबा कम हो गया है। एक दशक पहले तक भी दलहन कारोबार का हाल ठीक था लेकिन अब गिरावट हो रही है।

–नीरज खंडेलवाल

दलहन का कच्चा माल राजस्थान, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों से मंगाते हैं लेकिन अब इन राज्यों में भी बड़ी संख्या में मिलें स्थापित हो गई है। जिसका असर बरेली मंडल ही नहीं पूरे यूपी पर पड़ा है। कारोबार लगातार प्रभावित हो रहा है।

– संजीव

दालों के थोक मूल्य (प्रति किलो में)

अरहर –	90 से 110
मसूर–	75 से 120
मूंग –	100 से 110
उड़द –	90 से 110
चना –	75 से 80

टाटा मोटर्स अब इटली के इवेको ग्रुप का 38,240 करोड़ में करेगा अधिग्रहण

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स ने बुधवार को इटली की वाणिज्यिक वाहन कंपनी इवेको ग्रुप एनवी का करीब 3.8 अरब यूरो (लगभग 38,240 करोड़ रुपये) में अधिग्रहण करने की घोषणा की। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसके निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति ने इवेको ग्रुप की 100 प्रतिशत सामान्य शेयर पूंजी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

यह अधिग्रहण इटली की कंपनी के रक्षा व्यवसाय को छोड़कर पूरी तरह नकद भुगतान के जरिये किया जाएगा। यह अधिग्रहण सभी नियामकीय एवं कानूनी मंजूरियों के अधीन होगा। इस अधिग्रहण के तहत टाटा मोटर्स 2,71,215,400 सामान्य शेयरों के अधिग्रहण के लिए स्वैच्छिक निविदा पेशकश लेकर आएगी। इसमें प्रति शेयर 14.1 यूरो नकद भुगतान का प्रस्ताव है।

भारत में सड़क परियोजनाओं में सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं : आईआरएफ

नई दिल्ली, एजेंसी

- गंभीर सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या पर जताई चिंता, कहा- चेतावनी संकेतों की कमी, बैरिकेड का अभाव, बिना रोशनी वाले मोड़ देखे गए

अंतर्राष्ट्रीय सड़क महासंघ (आईआरएफ) की भारतीय इकाई ने बुधवार को कहा कि देश में ज्यादातर सड़क परियोजनाएं खराब तरीके से चिह्नित या बिना रोशनी वाले मोड़ जैसे बुनियादी सुरक्षा मानदंडों का पालन किए बिना ही चल रही हैं और इस कारण जानलेवा दुर्घटनाएं होती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सड़क महासंघ (आईआरएफ) ने बयान में पूरे भारत में सड़क निर्माण क्षेत्रों में और उसके आसपास होने वाली मौत और गंभीर सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता जतायी है। भारतीय इकाई आईआरएफ-आईसी के अध्यक्ष अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा, कई निर्माण स्थलों पर, आईआरएफ की भारतीय इकाई ने मोड़ या लेन बंद होने के बारे में पहले से ही चेतावनी संकेतों की कमी, बैरिकेड का अभाव, खराब तरीके से चिह्नित या बिना रोशनी वाले मोड़ देखे हैं। ये बेहद खतरनाक हैं और इसके परिणामस्वरूप खासकर रात में गंभीर दुर्घटनाएं होती हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में ऐसे किसी व्यक्ति की तैनाती नहीं होती जो बताए कि आगे रास्ता गड़बड़ है। इसके साथ गति नियंत्रण के उपाय भी अपर्याप्त हैं। इसके कारण आमने-सामने की टक्कर, गलत दिशा में गाड़ी चलाने और जानलेवा दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है, जबकि ये सभी घटनाएं रोकी जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे पर हाल ही में हुई एक दुखद घटना इसका एक अच्छा उदाहरण है। चल रहे सड़क निर्माण कार्य के कारण एक बिना चिन्हित मोड़ के कारण दो वाहनों की आमने-सामने की एक जानलेवा टक्कर हुई। संकेतकों और लेन अलग करने की व्यवस्था की कमी के कारण एक वाहन गलत दिशा में चला गया।

एप्पल ने उत्पादों की खरीद के लिए वीडियो कॉल पर सलाह सेवा शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी

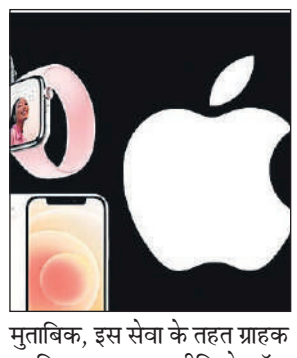

प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने भारत में संभावित ग्राहकों के लिए एक वीडियो परामर्श सेवा शुरू की है जिसके माध्यम से एप्पल विशेषज्ञ से जुड़कर उपयुक्त उत्पाद चुनने में व्यक्तिगत सलाह ली जा सकती है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि इस सेवा के जरिये ग्राहक एप्पल के आईफोन 16 एवं अन्य उत्पादों के बारे में जान सकेंगे, मॉडल की तुलना कर सकेंगे और उनकी खरीदारी के वित्तपोषण विकल्पों की जानकारी भी ले सकेंगे।

एप्पल ने कहा कि भारत ऐसा दूसरा देश है जहां पर 'शॉप विद अ स्पेशलिस्ट ओवर वीडियो' सेवा शुरू की गई है। बयान के मुताबिक, इस सेवा के तहत ग्राहक सुरक्षित, एकतरफा वीडियो कॉल के जरिये एप्पल स्टोर टीम के सदस्य से जुड़ेंगे। विशेषज्ञ ग्राहक की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त उत्पाद के बारे में सुझाव देंगे। यह सेवा आईओएस और गैर-आईओएस दोनों उपकरणों पर उपलब्ध है और फिलहाल अंग्रेजी भाषा में दी जा रही है।

देश में स्मार्टफोन की बिक्री जून तिमाही में आठ प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। भारत का स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून, 2025 तिमाही में मात्रा के लिहाज से सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़ा और मार्च तिमाही की सुस्ती से उबरने में सफल रहा। शोध संस्था काउंटरपॉइंट के मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। काउंटरपॉइंट ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में एप्पल के आईफोन 16 मॉडल की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, आलोच्य तिमाही में भारतीय स्मार्टफोन बाजार बिक्री मात्रा के लिहाज से आठ प्रतिशत की दर से बढ़ा जबकि बिक्री मूल्य के आधार पर यह बढ़ोतरी 18 प्रतिशत की रही।

माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा एनर्जी की सभी सेवाएं कीं बहाल

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प ने रूसी पेट्रोलियम कंपनी रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की सभी सेवाएं बहाल कर दी हैं। इस कदम के बाद माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में दायर मुकदमे का निपटारा नायरा एनर्जी के पक्ष में कर दिया गया है। नायरा और माइक्रोसॉफ्ट दोनों कंपनियों ने ईमेल पहुंच एवं अन्य सेवाओं को बहाल किए जाने की पुष्टि की।

- याचिका का निपटारा हुआ, दोनों ही कंपनियों ने की पुष्टि

नायरा ने सेवाओं के एकतरफा निलंबन के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई से ठीक पहले माइक्रोसॉफ्ट ने सेवाएं बहाल कर दीं। नायरा एनर्जी ने बयान में कहा, कंपनी पुष्टि करती है कि उसके परिचालन के लिए महत्वपूर्ण सभी माइक्रोसॉफ्ट सेवाएं पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं और इसकी व्यावसायिक निरंतरता और डेटा अखंडता में कोई व्यवधान नहीं आया है। नायरा, माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सशुल्क सेवाओं का इस्तेमाल कर रही थी। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने सोमवार को ये सेवाएं अचानक और एकतरफा ढंग से बंद कर दी थीं।

रूस से कच्चा तेल आयात अमेरिका के शुल्क के बाद फिर सुर्खियों में

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने से पहले भारत के आयात में रूस की हिस्सेदारी 0.2% थी

रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले सिर्फ़ 0.2 प्रतिशत से बढ़कर अब कुल कच्चे तेल के आयात में 35-40 प्रतिशत तक पहुंचते-पहुंचते रूसी कच्चे तेल पर भारत की निर्भरता बढ़ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अमेरिका जाने वाले सभी उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क और उसके ऊपर जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद यह एक नई जांच का विषय बन गया है। भारत ऐतिहासिक रूप से अपना अधिकांश तेल इराक और सऊदी अरब सहित पश्चिम एशिया से खरीदता रहा है।

हालांकि, फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद स्थिति बदल गई। चीन और अमेरिका के बाद दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कच्चे तेल के आयातक भारत ने छूट पर उपलब्ध रूसी तेल खरीदना शुरू कर दिया। पश्चिम में कुछ लोगों ने यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस को दंडित करने के साधन के रूप में इसे कच्चे तेल की आपूर्ति अस्वीकार कर दिया था। रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने से पहले भारत के आयात में रूस की बाजार हिस्सेदारी मात्र 0.2 प्रतिशत थी, लेकिन अब वह इराक और सऊदी अरब को पीछे छोड़कर यह भारत का नंबर एक आपूर्तिकर्ता बन गया है। इसकी हिस्सेदारी एक समय में 40 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। इस महीने, रूस ने भारत द्वारा आयातित कुल कच्चे तेल का 36 प्रतिशत आपूर्ति किया, जिसे पेट्रोल और डीज़ल जैसे ईंधनों में परिवर्तित किया जाता है।

बदलाव रेशमी और सूती धागों से निकलकर अब राखी सोने-चांदी और स्टोन के ब्रेसलेट तक पहुंच गई

बाजारीकरण में अब रक्षासूत्र भी किसी से कम नहीं

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: याद कीजिए करीब डेढ़ से दो दशक पहले का वक्त जब रक्षाबंधन पर्व पर बहनें सूती, रेशमी धागों और गजरों से अपने भाइयों की कलाई भरकर उनसे अपनी रक्षा का संकल्प लेती थीं। समय के साथ इसमें बदलाव होता गया। बाजारीकरण के युग में त्योहार पर हावी होते व्यापार ने इनमें व्यापक बदलाव ला दिया है।

साल-दर-साल बढ़ते कारोबार ने राखी बाजार को भी नई स्टाइलिस्ट राखियों से भर दिया है। रेशमी और सूती धागों से निकलकर अब राखी सोने-चांदी और स्टोन के ब्रेसलेट तक पहुंच गई। धनाड्य वर्ग ने सोने-चांदी की राखियों का इस्तेमाल शुरू किया तो मध्यम और छोटे वर्ग के लोग भी पीछे नहीं रहे। स्टोनयुक्त ब्रेसलेट बाजार में लोगों की पसंदीदा राखी बन चुके हैं। कीमत ज्यादा न होने और सालभर कलाई में बंध भरोसे का यह रक्षासूत्र काफी पापुलर हो गए हैं। और तो और रिटर्न गिफ्ट के चलन ने बाजार को और गति दे दी है।

पूरे साल बहन से प्रेम का इजहार

बुलियन के स्टेट हेड अनुराग रस्तोगी कहते हैं कि परंपरागत चीजें भी बाजारीकरण के इस युग में स्टाइलिस्ट रूप ले चुकी हैं। पहले सूती और रेशमी राखियों का चलन था। ऐसा नहीं है कि यह बंद हो गई हैं। अब यह अपग्रेड होकर डिजाइनर रक्षासूत्र के रूप में बाजार में आ गई हैं। बाजारीकरण के इस दौर में यह समय अब 'पूरे साल बहन के प्यार को सहेजने' वाला बन गया है। यही वजह है कि स्टोनयुक्त ब्रेसलेट अब पूरे साल भाईयों की कलाई पर सजे नजर आएंगे।

रिटर्न गिफ्ट बने ठोस चांदी के मेवा और मिष्ठान

बहनें भाई को राखियां बांधकर उनसे रक्षा का संकल्प लेती थीं और भाई उन्हें सगुन के तौर पर कुछ न कुछ देता था। लेकिन अब बहनें भी भाइयों को देने के लिए रिटर्न गिफ्ट खरीद रहीं है। इसमें ढाई से तीन हजार का चांदी का मेवा (काजू, छुहारा, बादाम आदि) ले रही हैं। चौक के कारोबारी सिद्धार्थ और अमृत जैन बताते हैं कि ठोस चांदी की इमरती 10 हजार की है तो सात हजार की जलेबी है। यह अलबेली मिठाईयां भाई सहेज कर रखेंगे। यही नहीं सोने चांदी रत्नजड़ित आकर्षक राखियों भी बाजार में हैं। सोने और चांदी के ब्रेसलेट में चमकते हीरे और स्टोन मध्यम और धनाड्य लोगों की पसंद में है। चांदी की हल्की राखी की कीमत 2,000 से शुरू होकर 10,000 रुपये तक है। वहीं सोने में रत्नजड़ित राखियों की कीमत 25 हजार से एक लाख रुपये तक है।

वैज्ञानिक भी पीछे नहीं, तैयार की सुगंधित राखी

वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों भी पीछे नहीं हैं। फूलों और पौधों से सुगंधित और पर्यावरण मित्र के तौर पर जैविक राखी तैयार की है। सीएसआईआर-एनबीआरआई के निदेशक डॉ. एके शासनी बताते हैं कि यह राखी फ्लोरल बायोडिग्रेडेबल है जिसकी कीमत ज्यादा नहीं है। महज 50 रुपए में यह उपलब्ध हो जाएगी। फूलों और पौधों से ग्रामीण महिलाओं के हाथों से तैयार इन राखियों को खरीदने के लिए आपको पहले आर्डर बुक करना होगा। बुकिंग के लिए सीएसआईआर-एनबीआरआई के बिक्री अनुभाग पर 0522-2297970 फोन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

तेलंगाना: एमबीबीएस छात्र ने आत्महत्या की

करीमनगर (तेलंगाना)। आदिलाबाद स्थित राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान जयपुर निवासी साहिल चौधरी (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि साहिल दोपहर की कक्षा में शामिल नहीं हुआ था और वह कॉलेज परिसर में स्थित छात्रावास के अपने कमरे में पंखे से लटका हुआ पाया गया। साथी छात्रों ने साहिल को अनुपस्थित पाकर कर्मचारियों को इसकी सूचना दी जिन्होंने उसे अपने कमरे में बेसुध पाया। साहिल के माता-पिता को सूचित कर दिया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया है।

थाईलैंड : पटाखों में विस्फोट, नौ की मौत

बैंकॉक। मध्य थाईलैंड में पटाखा कारखाने में बुधवार को हुए विस्फोट में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। विस्फोट बैंकॉक से लगभग 95 किमी उत्तर-पश्चिम में सुफान बुरी प्रांत में हुआ। विस्फोट का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है। हादसे के बाद दो लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। प्रांतीय सरकार के जनसंपर्क विभाग ने बताया है कि घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ है। लापता लोगों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। घटनास्थल के वीडियो में खेतों में लकड़ी की क्षतिग्रस्त इमारतें दिखाई दे रही हैं। जनवरी 2024 में इसी क्षेत्र में हुई एक ऐसी ही घटना में लगभग 20 लोग मारे गए थे।

बाढ़: दक्षिणी म्यांमार से 2800 लोगों को निकाला

यांगून। म्यांमार के कायिन प्रांत के म्यावड्डी कस्बे में बाढ़ में फंसे 771 घरों के कुल 2,851 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। म्यांमार अग्निशमन सेवा विभाग ने कहा कि भारी बारिश के कारण थाउंग्यिन नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया जिसके कारण लोगों को सुरक्षित निकाला गया। मौसम एवं जल विज्ञान विभाग के अनुसार आज म्यावड्डी में नदी खतरे के निशान से लगभग 12 फीट ऊपर बह रही है और अगले दिन तक खतरा बना रहने की आशंका है।

इक्वाडोर : सशस्त्र हमले में पांच लोग मरे

क्विटो। इक्वाडोर के प्रशांत तटीय प्रांत मनाबी में मंगलवार तड़के एक तीन मंजिला मकान पर सशस्त्र हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस को सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर भेजा गया। जांच में पता चला कि हमलावरों ने पीड़ितों पर गोलियां चलाईं। मृतकों में से चार लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड था जिनमें अवैध हथियार रखना, डकैती, हत्या और तस्करी शामिल है, पांचवां एक 16 वर्षीय लड़का था। पुलिस ने मनाबी में हिंसा में वृद्धि का कारण मादक पदार्थों की तस्करी, धनशोधन और वसूली पर नियंत्रण के लिए दो गिरोहों के बीच चल रही आपसी लड़ाई को बताया है।

यूएन ने टीआरएफ और पाकिस्तान के आतंकी संबंधों का किया पर्दाफाश

आतंकी संगठन को पाकिस्तानी नेटवर्क से जोड़ा, भारत की कूटनीतिक जीत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक रिपोर्ट में पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान में सक्रिय द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की भूमिका का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। इसे भारत की एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति निगरानी दल (एमटी) रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र की ऐसी पहली रिपोर्ट है जिसमें टीआरएफ को आतंकवादी संगठन बताते हुए इसे सीधे पाकिस्तान के आतंकवादी नेटवर्क से जोड़ा गया है। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस समिति के सभी फैसलों पर परिषद के सदस्यों की सर्वसम्मति होती है। इस साल 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे।

इसका रिपोर्ट का असर यह होगा कि संयुक्त राष्ट्र के ढांचे के तहत टीआरएफ की पहचान एक आतंकवादी समूह के रूप में होगी। इससे संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों पर 1267 व्यवस्था के तहत टीआरएफ और उससे संबंध रखने वाले लोगों या संस्थाओं के खिलाफ संपत्ति की ज़ब्ती, यात्रा, वित्तीय और हथियार बेचने पर रोक सहित दूसरे तरह के प्रतिबंधों को लागू करने की जिम्मेदारी आ जाएगी। रिपोर्ट का दक्षिण एशिया खंड पहलगाम हमले से शुरू होता है। इसमें टीआरएफ के हमले की ज़िम्मेदारी लेने और बाद में उससे मुकरने का ज़िक्र है। इसमें उसके लश्कर-ए-तैयबा से संबंधों का भी बात कही गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 22 अप्रैल को पांच आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक पर्यटन स्थल पर हमला किया। इसमें 26 नागरिक मारे गए। उसी दिन हमले की ज़िम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने ली। भारत ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को राजकीय नीति के रूप में इस्तेमाल करने पर लगातार चिंता जताई है और संयुक्त राष्ट्र का टीआरएफ को चिन्हित करना उसकी एक बड़ी कूटनीतिक सफलता है। अमेरिका ने भी इस महीने टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन और वैश्विक आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध किया था।

दुनिया भर में अपमानित हुआ पाकिस्तान, सफल नहीं हुई टीआरएफ का जिक्र दबाने की कोशिश

पाकिस्तान ने रिपोर्ट में आए टीआरएफ के जिक्र को पहले दबाने की कोशिश की थी और उसके विदेश मंत्री इशहाक डार ने पाकिस्तान की संसद में गलत दावा किया कि पहलगाम हमले की निंदा वाले परिषद के बयान में टीआरएफ का उल्लेख उनकी कोशिशों के बाद हटा दिया गया है। पाकिस्तान के लिए यह काफी अपमानजनक है कि एमटी रिपोर्ट में टीआरएफ को शामिल किया गया है और साथ ही क्षेत्रीय आतंकवाद मामले में पाकिस्तान की संलिप्तता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देखा गया है। यह रिपोर्ट 2019 के बाद संरा का ऐसा पहला दस्तावेज है जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी समूहों के साथ टीआरएफ के संबंधों की पुष्टि की गई है।

घटनास्थल की तस्वीर प्रकाशित की दो बार ली जिम्मेदारी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंध निगरानी दल ने रिपोर्ट में कहा हा कि (टीआरएफ ने पहलगाम आतंकवादी हमले की दो बार जिम्मेदारी ली थी और घटनास्थल की एक तस्वीर भी प्रकाशित की थी। संयुक्त राष्ट्र दल ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि यह हमला पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के समर्थन के बिना संभव नहीं था। इस्लामिक स्टेट, अल-कायदा और उनसे जुड़े व्यक्तियों एवं संगठनों पर विश्लेषणात्मक समर्थन और प्रतिबंध निगरानी दल की मंगलवार को 36वीं रिपोर्ट में 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का उल्लेख किया गया है। पहलगाम हमले के बाद 25 अप्रैल को भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक बयान जारी कर कहा था कि ऐसे घृणित आतंकवादी कृत्य के जिम्मेदार अपराधियों, षडयंत्रकर्ताओं, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाना जरूरी है। हालांकि, तब पाकिस्तान के दबाव में बयान में टीआरएफ का नाम शामिल नहीं किया गया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को संसद में कहा कि सुरक्षा परिषद में बयान पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान ने टीआरएफ के नाम का किसी भी प्रकार का उल्लेख हटवाने की कोशिश की थी।

वैश्विक स्तर पर बढ़तीं उपलब्धियां

अंतरिक्ष में भारत

भारत की गिनती विश्व की शीर्ष छह अंतरिक्ष शक्तियों में होती है। कम लागत, उच्च तकनीक और स्वदेशी लॉन्चिंग क्षमता की अपनी सबसे बड़ी ताकत के बलबूते भारत को वैश्विक वाणिज्यिक उपग्रह लॉन्च बाजार में तेजी से उभरता खिलाड़ी माना जाता है। वर्ष 2024 तक भारत ने 400 से ज्यादा विदेशी उपग्रह लॉन्च कर चुका है।

अंतरिक्ष में भारत की शुरुआत

- भारत ने अपना अंतरिक्ष अभियान सन् 1962 में शुरू किया था। इसके बाद 1969 में इंडियन स्पेस रिसर्च ऑरगेनाइजेशन यानी इसरो की स्थापना की गई।
- भारत ने आर्यभट्ट नाम का अपना पहला उपग्रह सन् 1975 में सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। इस काम में सोवियत संघ ने भारत की महत्वपूर्ण मदद की थी।
- भारत ने पहले स्वदेशी रॉकेट SLV-3 से 1980 में रोहिणी उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया गया और स्वदेशी रॉकेट से उपग्रह भेजने वाला चौथा देश बन गया।

शीर्ष छह देशों में शामिल

अमेरिका सबसे आगे है जिसकी एजेंसी नासा मानव अंतरिक्ष यात्रा, मंगल रोवर, जेम्स वेब टेलीस्कोप, चंद्र मिशन जैसी सफलताएं अर्जित कर चुकी है। दूसरे नंबर पर रूस, तीसरे पर चीन है। इसके बाद चौथे नंबर पर यूरोपीय संघ और पांचवें नंबर पर जापान का नाम आता है। भारत छठे नंबर पर है।

निसार

इसरो और नासा

- इसरो की स्थापना सन् 1969 और नासा की स्थापना 1958 में हुई थी।
- वर्ष 2024-25 में इसरो का बजट 13 हजार करोड़ रुपये था, जबकि नासा का बजट 25 बिलियन डॉलर यानी दो लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा था।
- इसरो कोई मानव मिशन लॉन्च नहीं कर पाया है, नासा अब तक दो मानव मिशन लॉन्च कर चुका है।
- इसरो कम संसाधनों में अधिक करके दिखाता है। नासा के पास अधिक संसाधन हैं। नासा ने दो अंतरिक्ष स्टेशन भी स्थापित किए हुए हैं।

प्रमुख अंतरिक्ष उपलब्धियां

- वर्ष 2008 में चंद्रयान-1 लॉन्च किया गया जो भारत का पहला चंद्र मिशन था। इसने चंद्रमा पर पानी की खोज की पुष्टि की।
- वर्ष 2013 में मार्स ऑर्बिटर मिशन यानी मंगलयान लॉन्च कर पहली कोशिश में मंगल की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई देश बना।
- वर्ष 2017 में भारतीय अंतरिक्षक विज्ञानियों ने पीएसएलवी-सी37 मिशन के तहत एक साथ 104 उपग्रह लॉन्च कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।
- वर्ष 2019 में चंद्रयान-2 मिशन के तहत लैंडर 'विक्रम' का चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास किया गया। ऑर्बिटर अब भी सक्रिय है।
- वर्ष 2023 में चंद्रयान-3 मिशन के तहत सफल सॉफ्ट लैंडिंग की गई और भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना।
- वर्ष 2023 में आदित्य-एल 1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला मिशन था। 2024 में पहला पोलरिमेट्री आधारित एक्स-रे मिशन भी लॉन्च हुआ।

भारत की भावी अंतरिक्ष योजनाएं

पहला मानवयुक्त मिशन गगनयान 2025 और चंद्रयान-4 नाम से चंद्र सैंपल रिटर्न मिशन 2030 के आसपास संभावित है। भारत 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन भी स्थापित करने की योजना पर भी काम कर रहा है। इसके अलावा, शुक्र मिशन, मंगलयान-2, नाविक नाम से अपना जीपीएस सिस्टम, पुन: प्रयोज्य रॉकेट के साथ प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा देना भारत की प्रमुख अंतरिक्ष योजनाओं में शामिल है।

चीन सबसे तेज

चीन ने बहुत कम समय में अत्यधिक उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें मानव मिशन, चंद्रमा पर रोवर और सैंपल रिटर्न और खुद का स्पेस स्टेशन स्थापित करना शामिल है।

गिरफ्तार ननों की याचिका पर सुनवाई से अदालत का इन्कार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की सत्र अदालत ने बुधवार को कहा कि उसे राज्य में मानव तस्करी और धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार दो कैथोलिक नन की जमानत याचिका पर सुनवाई करने का अधिकार नहीं है। अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि आरोपी राहत के लिए विशेष अदालत का रुख कर सकते हैं।

नन प्रीति मेरी और वंदना फ्रांसिस को सुकमन मंडावी के साथ 25 जुलाई को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने बजरंग दल के एक पदाधिकारी की शिकायत पर गिरफ्तार किया था जिसने उन पर आदिवासी बहुल नारायणपुर ज़िले की तीन महिलाओं का धर्मांतरण और तस्करी करने का आरोप लगाया था। ननों के अधिवक्ता राजकुमार तिवारी ने बताया कि सत्र अदालत ने उनकी जमानत याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि उसके पास बीएनएस की धारा 143 (मानव तस्करी) के तहत मामलों की सुनवाई का अधिकार नहीं है तथा उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए एनआईए अदालत जाना पड़ सकता है।

ब्रिटेन: अंतर्राष्ट्रीय दमन रिपोर्ट में भारत समेत 12 देशों का नाम

लंदन, एजेंसी

- समुदायों-लोगों को धमकाने व चुप कराने की कोशिश करने का दावा

ब्रिटिश संसदीय समिति ने बुधवार को चेतावनी दी कि विदेशी सरकारें ब्रिटेन में व्यक्तियों और समुदायों को 'चुप कराने एवं धमकाने के प्रयासों में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।' संयुक्त मानवाधिकार समिति (जेसीएचआर) की 'ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय दमन' (टीएनआर) रिपोर्ट में भारत का नाम उन 12 देशों में शामिल है जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दमन के सबूत मिले हैं।

भारत की ओर से इस रिपोर्ट पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। जेसीएचआर में संसद के विभिन्न दलों के सदस्य शामिल हैं तथा इसका कार्य ब्रिटेन में मानवाधिकारों से संबंधित मामलों की जांच करना है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि समिति को विश्वसनीय साक्ष्य प्राप्त हुए हैं कि कई देश ब्रिटेन की धरती पर इस तरह के दमनकारी कार्यों में संलिप्त हैं, जिसका लक्षित लोगों पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। उनमें डर पैदा किया गया है, उनकी अभिव्यक्ति और आवागमन की स्वतंत्रता को सीमित किया गया है तथा उनकी सुरक्षा की भावना को कमजोर किया गया है।

भारत और यूएई रक्षा संबंधों को बढ़ाने को लेकर सहमत

नई दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बुधवार को यहां एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय रक्षा बैठक की, जिसमें दोनों पक्षों ने रक्षा संबंधों को और अधिक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

अधिकारियों के मुताबिक इस बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और यूएई के रक्षा अवर सचिव लेफ्टिनेंट जनरल इब्राहिम नासिर एम अल अलावी ने की। लेफ्टिनेंट जनरल अलावी भारत की दो-दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए यूएई के एक उच्च-स्तरीय रक्षा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस बैठक में दोनों देशों ने अपने रक्षा संबंधों को व्यापार, निवेश और सामाजिक संबंधों जैसे क्षेत्रों की तरह मजबूत करने पर सहमति जताई। भारत के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत और यूएई ने पहली बार सचिव स्तर पर आयोजित 13वीं भारत-यूएई संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की बैठक के दौरान द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

आपका आचरण भरोसेमंद नहीं, जांच समिति के सामने पेश ही क्यों हुए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने नकदी बरामदगी मामले में आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य करार देने का अनुरोध करने वाले जस्टिस यशवंत वर्मा के आचरण को विश्वसनीय न बताते हुए बुधवार को उनसे तीखे सवाल पूछे। समिति की रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को कदाचार का दोषी पाया गया था। शीर्ष अदालत ने उनसे पूछा कि वह समिति के समक्ष क्यों पेश हुए और उसे वहीं चुनौती क्यों नहीं दी। शीर्ष अदालत ने याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया।

अदालत ने जस्टिस वर्मा से कहा कि उन्हें समिति की रिपोर्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहले आना चाहिए था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने कहा कि अगर सीजेआई के सामने यह मानने के लिए कोई दस्तावेज है कि किसी जज ने कदाचार किया है तो वह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को सूचित कर सकते हैं। आगे बढ़ना या नहीं बढ़ना, राजनीतिक निर्णय से तय होगा। लेकिन न्यायपालिका को समाज को यह संदेश देना है कि प्रक्रिया का पालन किया गया है।

जस्टिस वर्मा की ओर से कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्हें हटाने की आंतरिक जांच समिति की सिफारिश असंवैधानिक है। ऐसी सिफारिश से खतरनाक मिसाल कायम होगी। उन्होंने कहा कि जस्टिस वर्मा पहले सुप्रीम कोर्ट इसलिए नहीं आए क्योंकि टेप जारी होने से उनकी छवि खराब हो चुकी थी। कोर्ट ने जस्टिस वर्मा पर प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध करने वाले वकील मैथ्यूज जे. नेदुम्परा से भी पूछा कि क्या उन्होंने पहले पुलिस से औपचारिक शिकायत की है।

- कैश कांड में फंसे जस्टिस वर्मा से पूछे तीखे सवाल, फैसला सुरक्षित

वीडियो जारी करने से प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण नहीं

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की इस दलील से सहमति जताई कि उनके आवास पर मिली जली हुई नोटों की गड्डियों का वीडियो शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया जाना चाहिए था। हालांकि, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि वीडियो वेबसाइट पर जारी हो गए हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण हो गई और न्यायमूर्ति वर्मा बिना किसी दंड के निकल सकते हैं।

बिना चेतावनी दिए हाईवे पर कार में अचानक ब्रेक लगाना लापरवाही

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने इंजीनियरिंग छात्र की याचिका पर सुनाया फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अगर कोई कार चालक बिना किसी चेतावनी के हाईवे पर अचानक ब्रेक लगाता है, तो उसे सड़क दुर्घटना की स्थिति में लापरवाही माना जा सकता है।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि किसी चालक द्वारा राजमार्ग के बीच में अचानक वाहन रोकना, चाहे वह व्यक्तिगत आपातस्थिति के कारण ही क्यों न हुआ हो, उचित नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि यह सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के लिए खतरा हो सकता है। पीठ के लिए फैसला लिखने वाले न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा, राजमार्ग पर वाहनों की तेज गति अपेक्षित है और यदि कोई चालक अपना वाहन रोकना चाहता है तो उसकी जिम्मेदारी है कि वह पीछे चल रहे अन्य वाहनों को चेतावनी या संकेत दे। यह फैसला इंजीनियरिंग के छात्र एस. मोहम्मद हकीम की याचिका पर आया, जिनका बायां पैर सात जनवरी, 2017 को कोयंबटूर में एक सड़क दुर्घटना के बाद काटना पड़ा था।

एयरलाइन कंपनियों के 23 ऑडिट में 263 खामियां

मुंबई, एजेंसी

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को कहा कि पिछले एक साल में आठ घरेलू एयरलाइन कंपनियों के 23 ऑडिट के दौरान 263 खामियां मिली हैं। इनमें से कुछ ऐसी खामियां हैं जिनमें तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जरूरत है। हालांकि, डीजीसीए ने कहा कि एयर इंडिया के ऑडिट के दौरान सामने आई खामियों की पृष्ठभूमि में, व्यापक परिचालन वाली एयरलाइंस के लिए ऑडिट निष्कर्षों या खामियों की अधिक संख्या पूरी तरह सामान्य है।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक साल में टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया, साथ ही अब विलय हो चुकी विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ कुल 93 ऑडिट निष्कर्ष सामने आए हैं। इन निष्कर्षों में 19 स्तर-1 उल्लंघन शामिल थे जिन्हें गंभीर सुरक्षा जोखिम माना जाता है और जिनके लिए हवाई संचालक द्वारा तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता होती है। डीजीसीए को विभिन्न मामलों में लगभग 100 उल्लंघनों और टिप्पणियों का पता चलने की बात भी कही गई है।

- डीजीसीए ने जारी किए साल भर के आंकड़े, 19 गंभीर सुरक्षा जोखिम के मामले इस बीच मिले

एक-एक एयरलाइन के विमानों में कई-कई खामियां

डीजीसीए के आंकड़ों से पता चला कि पिछले एक वर्ष में इंडिगो के साथ 23, स्पाइसजेट के साथ 14, अलायंस एयर के साथ 57, क्विक जेट के साथ 35, घोडावत स्टार के साथ 41 और पूर्ववर्ती विस्तारा के साथ 17 ऑडिट निष्कर्ष सामने आए। जिन निष्कर्षों को गंभीर जोखिम माना जाता है और जिनके लिए तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता होती है, उन्हें स्तर-1 के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जबकि स्तर-2 की चूक में गैर-अनुपालन शामिल है। वैश्विक स्तर पर, विमानन नियामकों को प्रमुख एयरलाइन कंपनियों के साथ उनके उपक्रमों की विविधता और गहनता के कारण इस तरह की नियमित स्थिति का सामना करना पड़ता है। ऐसे अवलोकन उनके संचालन की व्यापकता और गहराई को दर्शाते हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 31 जुलाई, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 1 अगस्त 04.58 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

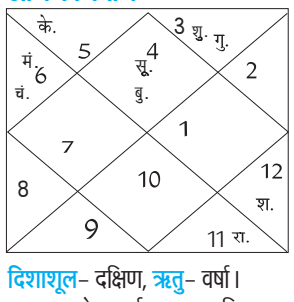

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-चित्रा 1 अगस्त 12.41 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष — आज बच्चों के करियर की चिंता हो सकती है। बुद्धिमान लोगों की संगत आपके लिए लाभकारी होगी। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के बावजूद आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। आप परिजनों के साथ घूमने भी जा सकते हैं।

वृष — आज आपका मन अध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आपकी छवि लोगों के बीच एक उदार और परोपकारी व्यक्ति के रूप में निर्मित हो रही है। इसका सीधा लाभ आपको कार्यक्षेत्र में भी प्राप्त होगा। परिस्थितियां धीरे-धीरे आपके पक्ष में होंगी।

मिथुन — आज आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी। बिना मांगे किसी को सलाह देने के कारण अपमान हो सकता है। जॉब में अधिकारियों की सलाह लेना लाभकारी होगा। आपका मन इधर-उधर की बातों में लगा रहेगा।

कर्क — आज अपने स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। आपकी कोई बात निकटस्थ लोगों को व्यथित कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। प्रेमी जन के साथ संवादहीनता के कारण बात बिगड़ सकती है।

सिंह — आज आपके सभी काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पैतृक व्यवसाय में आय बढ़ेगी। पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। जीवनसाथी को कुछ उपहार दे सकते हैं।

कन्या — आज आप अत्यन्त ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे। इंटरव्यू आदि में सफलता मिल सकती है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में आपको सफलता मिलेगी। आपकी तर्क-शक्ति की लोग प्रशंसा करेंगे।

तुला — आज किसी बड़े कार्य को लेकर फाइनेंस की समस्या हल होगी। धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेना चाह रहे हैं तो दिन अत्यंत शुभ है। भविष्य को लेकर योजना बनाते समय मित्रों और परिजनों से परामर्श लेना शुभ होगा।

वृश्चिक — आज सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अहंकारी प्रवृत्ति के लोगों को आलोचना झेलनी पड़ सकती है। ब्लडप्रेशर और वातरोगियों को परेशानी होने की संभावना है। माता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। लंबी दूरी की यात्रा न करें।

धनु — आत जीवनसाथी के साथ आप काफी अच्छा समय बितायेंगे। दिन आपके लिए काफी अच्छा है बस आपके खर्चों पर नियंत्रण रखें। अनेक दिनों से चली आ रही समस्या दूर होगी। कई पुरानी यादें एकदम से आपके सामने उभर के आयेंगी।

मकर — आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। पड़ोसी आपकी काफी मदद करना चाहेंगे। अपनी उपलब्धियों पर गर्व होगा। आप जिस काम को बहुत आसान समझते हैं वही आपको काफी परेशान कर सकता है।

कुंभ — आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होने से आप प्रसन्न रहेंगे। व्यवसाय में आप बड़ा और साहसिक निर्णय ले सकते हैं। धन के लेन-देन से आपको लाभ मिलेगा। लोग आपसे काफी अपेक्षायें रखे हुए हैं, जिन्हें आप पूरा भी करेंगे।

मीन — आज नया कार्य आरम्भ करने के लिए दिन शुभ नहीं है। कार्यक्षेत्र में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति आपका रुझान कम हो सकता है। शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

सुडोकू-55

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					4			5
2	9			6		3		
	3				7			
		5					7	
1		2				4		3
	6					8	9	
		9		4				
8		1					3	4
7			2					

सुडोकू - 54 का हल

5	1	4	9	7	2	6	8	3
3	7	2	4	8	6	1	5	9
9	8	6	5	3	1	2	7	4
1	9	5	3	2	8	4	6	7
7	2	3	1	6	4	8	9	5
6	4	8	7	9	5	3	2	1
2	5	9	8	1	3	7	4	6
4	6	1	2	5	7	9	3	8
8	3	7	6	4	9	5	1	2

ऑटोमोबाइल प्रेमी होने के नाते मुझे लगा कि बीमा को बेवजह जटिल बनाया गया। एको की ग्राहक-केंद्रित सोच वैसा ही है जैसा देश चाहता है। मैं ऐसे ब्रांड से जुड़ रहा हूं जो भरोसे और बदलाव पर काम कर रहा है

-एमएस धोनी, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 31 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

डब्ल्यूसीएल: पाकिस्तान संग नहीं खेलेगा भारत

बर्मिंघम। भारत ने गुरुवार को विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया। टीम ने पहलगाम हमले के बाद पड़ोसी देश के साथ किसी भी द्विपक्षीय खेल संबंध के खिलाफ देश के रुख का हवाला दिया है। शिखर धवन, इरफान पठान, हरभजन सिंह, युवराज सिंह, सुरेश रैना जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली भारतीय टीम पहले ही आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने की इच्छा जता चुकी है।

सीएएफए नेशंस : भारत ताजिकिस्तान में भिड़ंत

नई दिल्ली। भारत को सीएएफए नेशंस कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप बी में रखा गया है जहां उसका पहला मुकाबला 29 अगस्त को दुशांबे में मेजबान ताजिकिस्तान से होगा। इस ग्रुप की अन्य दो टीम ईरान और अफगानिस्तान हैं। आठ सितंबर तक चलने वाला यह मध्य एशियाई क्षेत्रीय टूर्नामेंट, एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर फाइनल राउंड से पहले भारत के लिए तैयारी का काम करेगा। भारत ग्रुप चरण के अपने अगले दो मैच एक सितंबर को ईरान और चार सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा।

महिला फुटबॉल : ब्राजील कोपा के फाइनल में पहुंचा

क्विटो (इक्वाडोर)। चार बार के चैंपियन ब्राजील ने पहले आधे घंटे में तीन गोल करके उरुग्वे को 5-1 से हराकर पांचवीं बार कोपा अमेरिका फेमिनिना महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। अमांडा गुटिएरेस ने 11वें मिनट में ब्राजील की तरफ से पहला गोल किया। इसके दो मिनट बाद जियोवाना क्विरोज़ ने बढ़त दोगुनी कर दी जबकि स्टार खिलाड़ी मार्टा ने 27वें मिनट में गोल करके ब्राजील की जीत सुनिश्चित कर दी।

तैराकी : शोआन 200 मीटर में 38वें स्थान पर

सिंगापुर। भारतीय तैराक शोआन गांगुली विश्व तैराकी चैंपियनशिप के चौथे दिन पुरुषों की 200 मीटर मेडली में 38वें स्थान पर रहे। कर्नाटक के 20 वर्ष के गांगुली अपनी हीट में 2:05.40 सेकंड का समय निकालकर आठवें स्थान पर रहे और कुल 38वें स्थान पर समाप्त किया। इससे वह 16 तैराकों के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सके।

एलएसजी के गेंदबाजी कोच बने भरत अरुण

लखनऊ। हाल में कोलकाता नाइट राइडर्स से अलग हुए पूर्व भारतीय गेंदबाजी कोच भरत अरुण को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इसी पद पर टीम से जोड़ा है। हालांकि अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फ्रेंचाइजी के सूत्र ने बताया, अरुण एलएसजी में शामिल हो गए हैं और जल्द ही घोषणा होने की उम्मीद है। अरुण केकेआर से जुड़े थे लेकिन 2025 में टीम के आठवें स्थान पर रहने के बाद फ्रेंचाइजी अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर रही है।

40 मुक्केबाज एशियाई चैंपियनशिप में शामिल

नई दिल्ली। भारत ने बैंकॉक में बुधवार से शुरू हो रही एशियाई अंडर 19 और 22 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए 40 सदस्यीय टीम भेजी है। टूर्नामेंट में 26 देशों के 396 मुक्केबाज भाग लेंगे। एशियाई मुक्केबाजी इसका आयोजन विश्व मुक्केबाजी और थाईलैंड मुक्केबाजी संघ के साथ मिलकर कर रही है। इसमें दो आयुवर्ग अंडर 19 और 22 में स्पर्धायें होंगी। महिला और पुरुष मुक्केबाज ओलंपिक मुक्केबाजी नियमों के तहत खेलेंगे। भारतीय टीम की अगुवाई तीन बार के एशियाई चैंपियन और दो बार के राष्ट्रीय चैंपियन विश्वनाथ सुरेश करेंगे।

प्रतिबंध पूरा कर टेलर जिम्बाब्वे टीम में लौटे

हरारे। ब्रेंडन टेलर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भ्रष्टाचार रोधी और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन पर लगे साढ़े तीन साल के निलंबन को पूरा करने के बाद जिम्बाब्वे टेस्ट टीम में वापसी कर ली है। टेलर (39 वर्ष) को जनवरी 2022 में एक भारतीय व्यवसायी द्वारा 2019 में स्पॉट फिक्सिंग के लिए संपर्क किए जाने की सूचना समय पर नहीं देने पर प्रतिबंधित किया गया था। उन्हें बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में 7 से 11 अगस्त तक न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए जिम्बाब्वे टीम में शामिल किया गया है।

भारत के सामने श्रृंखला बराबर करने का लक्ष्य

बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय टीम से पूरी ताकत लगाने की उम्मीद

- बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर अंतिम टेस्ट मैच में नहीं होंगे शामिल

लंदन, एजेंसी

भारतीय टीम के लिए ब्रिटेन दौरा श्रृंखला में बराबरी के साथ समाप्त करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं क्योंकि इंग्लैंड के करिश्माई कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर गुरुवार से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में उपलब्ध नहीं होंगे। कप्तान स्टोक्स पिछले दो टेस्ट मैचों में गेंदबाजी करते हुए दाहिने कंधे की मांसपेशियों में खिंचाव से बाहर हो गए हैं जबकि चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले आर्चर को लगातार दो मैचों में खेलने के बोझ के बाद आराम दिया गया है।

तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स और बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी आराम दिया गया है। कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जिनकी मौजूदगी ही अंतर पैदा कर देती है और इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ऐसे ही खिलाड़ी हैं जिन्होंने श्रृंखला में 304 रन बनाने के साथ 17 विकेट झटके हैं। कार्यवाहक कप्तान ओली पोप के लिए यह कड़ी चुनौती होगी क्योंकि जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय टीम से पूरी ताकत लगाने की उम्मीद है।

भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच को ड्रॉ कराकर पांच मैच की श्रृंखला को जीवंत रखा है। वह पांचवें मैच में श्रृंखला बराबर करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगा। वहीं अभी 2-1 से आगे चल रहा इंग्लैंड श्रृंखला जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। खचाखच भरे स्टेडियम में खेली जा रही यह श्रृंखला टेस्ट क्रिकेट के लिए भी एक आदर्श विज्ञापन रही है, जिसमें सभी चार मैच पांचवें दिन के अंतिम सत्र तक चले। इस बीच दोनों टीम के खिलाड़ियों के बीच कुछ नोक झोंक भी हुई जिससे श्रृंखला रोचक बन गई। चाहे वह लॉर्ड्स में समय बर्बाद कर रहे जैक क्रॉली के खिलाफ शुभमन गिल का तीखा हमला हो या रविंद्र जडेजा का चौथे टेस्ट के अंतिम दिन स्टोक्स की नाराजगी के बावजूद मैच रद्द करने से इनकार करना हो, दोनों टीम ने एक दूसरे पर हावी होने में कसर नहीं छोड़ी है। ओवल में भी ऐसा देखने को मिल सकता है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने क्यूरेटर ली फोर्टिस के साथ बहस करके माहौल भी तैयार कर दिया है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अभी तक अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों से प्रभावित किया है। उम्मीद है कि अंतिम मैच रोमांचक होगा क्योंकि भारत के पास इंग्लैंड पर करारा प्रहार करने का मौका है जिसका गेंदबाजी आक्रमण अंतिम एकादश में किसी विशेषज्ञ स्पिनर के नहीं होने से पूरी तरह बदल जाएगा।

ओवल की पिच को समझने वाले दो खिलाड़ी गुस एटकिंसन और जैमी ओवरटन, क्रिस वोक्स और जोश टंग के साथ गेंदबाजी करेंगे। वोक्स ऐसे गेंदबाज हैं जो पांचवें टेस्ट तक समान प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में इंग्लैंड ने जैकब बेथेल के रूप में विशेषज्ञ हिटर को शामिल करके अपनी गेंदबाजी शैली जारी रखने के संकेत दिए हैं। गिल ने श्रृंखला में अब तक 722 रन बनाए हैं और वह एक श्रृंखला में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक रन बनाने के सुनील गावस्कर के रिकार्ड से 52 रन पीछे हैं। यही नहीं उन्हें टेस्ट श्रृंखला में भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन (732) बनाने के गावस्कर के रिकार्ड (1978-79 बनाम वेस्टइंडीज) को तोड़ने के लिए 11 रन और चाहिए।

भारत-इंग्लैंड के बीच लंदन में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच से पहले अभ्यास सत्र में शामिल भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

इंग्लैंड : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, जैकब बेथे, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गुस एटकिंसन, जैमी ओवरटन, जोश टंग।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज, अर्शदीप सिंह, एन जगदीसन (विकेटकीपर)

मैच दोपहर 3:30 बजे।

मैदान पर उतरना जोखिम भरा : स्टोक्स

बेन स्टोक्स ने भारत के खिलाफ शुरुआती चार टेस्ट मैच में इंग्लैंड के लिए महत्वपूर्ण ओवरों में गेंदबाजी करते हुए अपने चोटिल शरीर की परवाह नहीं की लेकिन उनका कहना है कि श्रृंखला में आखिरी बार मैदान पर उतरना काफी जोखिम भरा होता। स्टोक्स ओवल में पांचवें और अंतिम टेस्ट में हिस्सा नहीं लेंगे। जोफ्रा आर्चर और संभवत: जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति भी इस रोमांचक मुकाबले की चमक को कम कर देगी। आखिरकार लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में लंबे स्पेल डालने का स्टोक्स के दाहिने कंधे पर बुरा असर पड़ा, जिससे उनकी मांसपेशियों में चोट लग गई। स्टोक्स ओवल में अपनी भागीदारी को लेकर काफी उत्साहित थे लेकिन स्कैन से पता चला कि स्टोक्स इस मुकाबले का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। स्टोक्स ने कहा, यह जोखिम-लाभ का आकलन करने का मामला है और जोखिम इतना अधिक था कि इसे मौजूदा स्थिति से और अधिक नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता। मैं ऐसा नहीं चाहता था और मैं अपने खिलाड़ी को ऐसे जोखिम में डालने की उम्मीद नहीं करता।

आकाशदीप ले सकते हैं बुमराह की जगह

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का कार्यभार प्रबंधन के तहत इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू होने वाले टेस्ट मैच से बाहर रहना तय है और आकाशदीप उनकी जगह अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। दुनिया के नंबर एक गेंदबाज 31 वर्षीय बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में लय में नहीं दिखे, जहां उन्हें अपनी गति पर संघर्ष करना पड़ा और वे सफलता हासिल करने में असफल रहे। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने बुमराह को बता दिया है कि यह फैसला उनकी पीठ को चोट से बचाने और भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। कमर में दर्द से चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाश दीप को अंतिम एकादश में बुमराह की जगह शामिल हो सकता है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि टीम संयोजन के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है और बुमराह सहित सभी गेंदबाज फिट हैं। गंभीर ने कहा था, हमने आखिरी टेस्ट के लिए टीम संयोजन पर कोई बातचीत नहीं की है। जसप्रीत बुमराह खेलेंगे या नहीं, इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।

पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड की कमान संभालेंगे पोप

चोटिल कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ टेस्ट में नहीं खेलेंगे और इंग्लैंड ने निर्णायक टेस्ट में अपनी एकादश में तीन बदलाव किए हैं। मेजबान टीम श्रृंखला में 2-1 से आगे है। स्टोक्स की गैर मौजूदगी में ओली पोप इंग्लैंड की कमान संभालेंगे। तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स भी आखिरी टेस्ट से बाहर रहेंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को कहा, कप्तान स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। स्पिनर लियाम डॉसन, तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स भी नहीं खेलेंगे। इंग्लैंड ने जैकब बेथेल, सर्रे के गेंदबाज गुस एटकिंसन और जैमी ओवरटन, नॉटिंघमशर के तेज गेंदबाज जोश टंग को टीम में शामिल किया है।

टेस्ट मैचों के बीच तीन दिन का अंतर काफी कम : स्टोक्स और गिल

बेन स्टोक्स और शुभमन गिल ने बुधवार को टेस्ट मैचों के बीच लंबे अंतर की मांग करते हुए कहा कि पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में गेंदबाजों के भारी कार्यभार को देखते हुए दो मैचों के बीच तीन दिन का ब्रेक कम है। लीड्स में पहले टेस्ट और लॉर्ड्स पर तीसरे टेस्ट के बाद एक सप्ताह का अंतर था, लेकिन दूसरे और तीसरे तथा चौथे और पांचवें मैच के बीच सिर्फ तीन दिन का अंतर रहा। इससे खिलाड़ियों को रिकवरी का अधिक समय नहीं मिला। स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट से पांचवां टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। भारत भी कुछ तेज गेंदबाजों की चोट से जूझ रहा है। टेस्ट से पूर्व स्टोक्स ने कहा, श्रृंखला में मैचों के बीच अंतर बेहतर हो सकता था। दो मैचों में आठ और नौ दिन और बाकी दो में तीन दिन का अंतर। सब मिलाकर पांच-पांच दिन का अंतर रहने से निरंतरता रहती। उन्होंने कहा, दोनों टीमों के लिए यह कठिन रहा है। गेंदबाजों को काफी ओवर डालने होते हैं। एक बार तो आठ नौ दिन का ब्रेक मिल रहा है और फिर तीन दिन का। हर मैच के बीच चार या पांच दिन का अंतर हो सकता था। भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि सभी मैच पांच दिन तक चले लिहाजा खिलाड़ियों के लिए रिकवरी मुश्किल थी। उन्होंने कहा, श्रृंखला में अहम बात यह थी कि सभी मैच पांच दिन तक चले। पांच दिन ही नहीं बल्कि पांचवें दिन के आखिरी सत्र तक। मुझे याद नहीं कि ऐसी कोई श्रृंखला रही हो, जिसमें सभी चार टेस्ट मैच आखिर तक खिंचे हो। यह काफी कठिन था। उन्होंने कहा, दोनों टीमें जब इतना कठिन क्रिकेट खेल रहीं हों तो तीन दिन का अंतर काफी कम है। हमें यह भी समझना चाहिए कि हर मैच के बाद पांच या छह दिन का ब्रेक होने से दौरा बहुत लंबा हो जाता। दोनों बोर्ड ने यही सोचकर फैसला लिया होगा।

जडेजा नंबर एक टेस्ट हरफनमौला अभिषेक टी-20 में शीर्ष पर काबिज

दुबई, एजेंसी

रविंद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक हरफनमौला के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है जबकि अभिषेक शर्मा पहली बार टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में जडेजा के पास 117 रेटिंग अंकों की बढ़त है जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज दूसरे स्थान पर हैं।

दूसरी ओर टी-20 रैंकिंग में एक साल से शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पछाड़कर अभिषेक शर्मा शीर्ष पर पहुंचे हैं। शर्मा के 829 रेटिंग अंक हैं जबकि हेड 814 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। आईसीसी ने कहा, जडेजा ने 107 रन की नाबाद पारी और चार विकेट लेकर हरफनमौलाओं की रैंकिंग में बढ़त बनाई है। उसने 13 रेटिंग अंक पाए हैं और कुल 422 अंक के साथ वह बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज से 117 अंक आगे हैं। साथ ही बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह पांच पायदान चढ़कर 29वें और गेंदबाजों में एक पायदान चढ़कर 14वें स्थान पर हैं। वॉशिंगटन सुंदर आठ पायदान चढ़कर 65वें स्थान पर हैं, जिन्होंने जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिए 203 रन की साझेदारी करके मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ कराया था। टेस्ट क्रिकेट में जो रूट शीर्ष बल्लेबाज हैं जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स तीसरे स्थान पर है। चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 38 पायदान चढ़कर 63वें स्थान पर हैं। क्रिस वोक्स एक पायदान ऊपर 23वें और इंग्लैंड के बेन डकेट दसवें और जाक क्रॉली 43वें स्थान पर हैं।

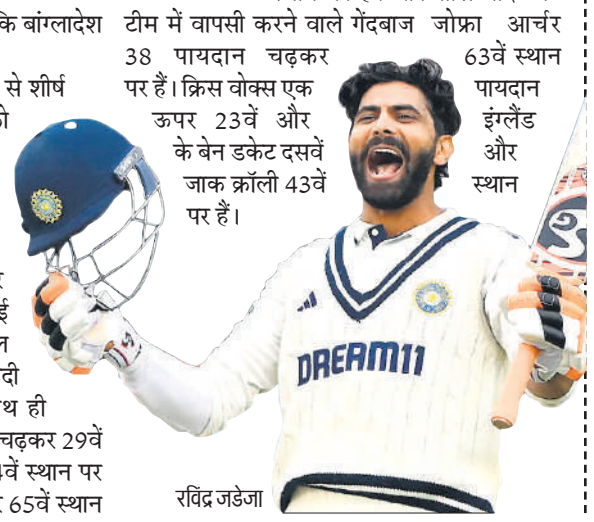

रविंद्र जडेजा

लक्ष्य, आयुष, तरुण व रक्षिता दूसरे दौर में

मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

मकाऊ, एजेंसी

भारत के लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और तरूण मन्नेपल्ली ने मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। लक्ष्य ने कोरिया के जियोन हियोक जिन को 21-8, 21-14 से हराया। वहीं 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले चीनी ताइपै के हुआंग यू केइ को 21-10, 21-11 से हराकर बाहर भेजा।

लक्ष्य का सामना इंडोनेशिया के चिको औरा द्वि वार्दोयो व रित्विक संजीवी सतीश कुमार के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।वहीं तरुण की टक्कर हांगकांग के ली चियुक यू से होगी। महिला एकल में रक्षिता रामराज एकमात्र भारतीय रहीं जिन्होंने दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने थाईलैंड की पोर्नपिचा चोएकीवोंग को 18-21 21-17 22-20 से मात दी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 21-10, 21-15 से हराया।

वहीं पुरुष युगल में पी कृष्णामूर्ति रॉय और एस प्रतीक की जोड़ी ने डी कोनाथोयूजाम व अमान मोहम्मद की हमवतन जोड़ी को मात देकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। एचएस प्रणय को इंडोनेशिया के योहानेस एस मार्शेलिनो के हाथों 21-18, 15-21, 15-21 से हार मिली।। पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से हार मिली। रित्विक संजीवी सतीश कुमार चिको से हार गए। मिश्रित युगल में थांग्रांगिनी हेमा नागेंद्र बाबू और प्रिया कोनजेंगबाम थाईलैंड की फुवानाट होर्बनलुइकिट और फुंगफा कोर्पथाम्माकिट से हार गईं। आयुष अग्रवाल और श्रुति मिश्रा भी शुरुआती दौर में इंडोनेशिया के रेहान नौफल कुशरजंतो और ग्लोरिया इमानुएल विदजाजा से हारकर बाहर हो गए। रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गाडे की जोड़ी चीनी ताइपे के वू गुआन झुन और ली चिया सिन से 37 मिनट चले मुकाबले में से हार गई।

महिला एकल: उन्नति और अनुपमा हारीं

महिला एकल में उन्नति हुड्डा को डेनमार्क की जूली डवाल जाकोबसन ने 16-21, 21-19, 21-17 से मात दी। अनुपमा उपाध्याय को जापान की रिको गुंजी ने 21-16, 21-10 से हराया। शंकर सुब्रहमण्यन और आकर्षि कश्यप को पहले दौर में चीन के हू जे अन और जापान की नोजोमी ओकुहारा ने हराया। किरण जॉर्ज हांगकांग के एंग का लोंग एंगस से हार गए। अनमोल खरब को थाईलैंड के बुसानन ओंगबामरूंगफन ने हराया। तसनीम मीर को चेन यू फेइ ने मात दी।

नेशनल बैंक ओपन

एंड्रीस्कू के चोट के कारण हटने पर एंड्रीवा तीसरे दौर में, पाओलिनी और नवारो हारीं

गॉफ की जीत, फर्नांडीज पहले दौर में बाहर

मॉन्ट्रियल, एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने तीन सेट तक चल कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई, लेकिन पिछले सप्ताह डीसी ओपन का खिताब जीतने वाली स्थानीय खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज पहले दौर में बाहर हो गई।

फर्नांडीज को ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने केवल एक घंटे 15 मिनट में 6-4, 6-1 से हरा दिया। विश्व की 24वें नंबर की इस खिलाड़ी ने रविवार को वाशिंगटन में अपने करियर का चौथा डब्ल्यूटीए खिताब जीता था और वह मॉन्ट्रियल में कोर्ट पर वापसी से पहले अतिरिक्त आराम की उम्मीद कर रही थीं। इसलिए उन्होंने हार के बाद इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम की आलोचना भी की।

गॉफ ने हमवतन अमेरिकी डेनियल कोलिन्स के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट किए लेकिन वह आखिर में 7-5, 4-6, 7-6 (2) से जीत हासिल करने में सफल रही, जो फ्रेंच ओपन फाइनल के बाद उनकी पहली जीत है। चौथी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने बियांका एंड्रीस्कू के टखने में चोट लगने के कारण मैच से हट जाने से तीसरे दौर में जगह बनाई। सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को तीसरे सेट के टाईब्रेकर में जापान की आओई इतो से हार का सामना करना पड़ा, जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने रेबेका मैरिनो को 6-1, 6-2 से हराया।

मुसेट्टी और रूण भी पहुंचे अगले दौर में

टोरंटो। तीसरी वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी और पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रूण ने जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई। मुसेट्टी ने ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-1 से, जबकि रूण ने जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 7-6 (7), 6-3 से हराया। इस टूर्नामेंट में सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली थी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, दूसरे नंबर के कार्लोस अल्काराज़, पांचवें जैक ड्रेपर और छठे नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन की तैयारी में इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं। कैस्पर रूड, करेन खाचानोव, फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और गत विजेता एलेक्सी पोपिरिन भी अपने मैच जीतने में सफल रहे।

वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को तीसरे सेट के टाईब्रेकर में जापान की आओई इतो से हार का सामना करना पड़ा, जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने रेबेका मैरिनो को 6-1, 6-2 से हराया।

कोको गॉफ

भारतीय अंडर-19 टीम की घोषणा

मुंबई। भारत ने साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली अंडर-19 श्रृंखला के लिए कप्तान आयुष म्हात्रे, उप कप्तान विहान मल्होत्रा और सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा है। ये खिलाड़ी इंग्लैंड के सफल दौरे से लौटे हैं। ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 टीम के खिलाफ भारत तीन एकदिवसीय और चार दिवसीय दो मैच खेलेगा, जिसकी शुरुआत 21 सितंबर को सीमित ओवरों के मैच से होगी। यह दौरा 10 अक्टूबर को समाप्त होगा।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने बुधवार को कहा, जूनियर चयन समिति ने सितंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अंडर-19 टीम का चयन किया है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के खिलाफ तीन एकदिवसीय और दो बहु दिवसीय मैच खेलेगी। भारतीय टीम हाल ही में इंग्लैंड दौरे से लौटी है जहां उसने एकदिवसीय मैचों में मेजबान टीम को 3-2 से हराया, जबकि दो टेस्ट मैच ड्रॉ रहे।

महिला एथलीट्स को कराना होगा जेंडर टेस्ट

- जेंडर टेस्ट के बिना नहीं मिलेगा वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रवेश
- एक सितंबर 2025 से लागू होगा नया नियम
- एसआरवाई जीन टेस्ट से होगी बायोलॉजिकल पहचान

मोनाको,एजेंसी

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा की निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से ऐतिहासिक फैसला लिया है। बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने घोषणा की कि सभी महिला एथलीट्स को जीवन में अब एक बार जेंडर टेस्ट कराना होगा। इसके लिए एसआरवाई जीन टेस्ट लॉन्च किया गया है, जो ये तय करेगा कि कोई खिलाड़ी बायोलॉजिकल रूप से महिला है या नहीं।

यह नियम एक सितंबर 2025 से लागू होगा। इसके बाद जो भी महिला एथलीट यह टेस्ट नहीं कराएगी, वह वर्ल्ड एथलेटिक्स के रैंकिंग प्रतियोगिताओं या वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे वैश्विक टूर्नामेंट में भाग नहीं ले सकेगी। सबसे पहले इस नियम का प्रभाव 13 सितंबर 2025 से टोक्यो में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दिखेगा, जहां केवल उन्हीं महिला खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति होगी, जिन्होंने यह टेस्ट पास किया हो। इसका उद्देश्य उन खिलाड़ियों पर अंकुश लगाना है, जिन्होंने बीते वर्षों में लिंग परिवर्तन (जेंडर चेंज) कर प्रतिस्पर्धा की है। एसआरवाई जीन टेस्ट, जो गाल से स्वैब या रक्त के नमूने से होगा, केवल एक बार कराना जरूरी होगा।

वर्ल्ड एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबास्टियन कोए ने बताया कि हम महिला खेलों की गरिमा और निष्पक्षता की रक्षा करना चाहते हैं। यदि कोई महिला प्रतिस्पर्धा करती है, तो उसे यह विश्वास होना चाहिए कि वह जैविक असमानता के बिना प्रतिस्पर्धा कर रही है। बायोलॉजिकल जेंडर की पुष्टि महत्वपूर्ण कदम है।